कांग्रेस ने सहयोगियों से ड्राइविंग सीट लेने को बुलाई सीडब्ल्यूसी बैठक - 3

देश को अमेरिका के साथ ऊर्जा व्यापार बढ़ने की उम्मीद : वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल - 12

एक ही बाजार पर निर्भर न रहे ग्लोबल साउथ निष्पक्ष आर्थिक व्यवस्था बनाए - 13

हार्दिक पंड्या ने टी-20 रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा- 14

आज का मौसम

34.0⁰ अधिकतम तापमान

24.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.02

सूर्यास्त 06.05

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

लखनऊ

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष तृतीया उपरांत 07:06 चतुर्थी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 25 सितंबर 2025, वर्ष 35, अंक 238, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

सीडीएस का कार्यकाल 30 मई तक बढ़ाया

नई दिल्ली। सरकार ने रक्षा क्षेत्र से संबंधित एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान का कार्यकाल अगले वर्ष 30 मई तक बढ़ा दिया। केन्द्रीय मंत्रिमंडल की नियुक्ति मामलों की समिति ने जनरल चौहान का कार्यकाल बढ़ाने से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। जनरल चौहान 30 मई 2026 तक या अगले आदेश तक सैन्य मामलों के विभाग के सचिव के रूप में कार्य करेंगे। उन्हें देश के पहले प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत की एक दुर्घटना में मौत के बाद 28 सितंबर 2022 को सीडीएस नियुक्त किया गया था।

कन्नड़ उपन्यासकार भैरप्पा का निधन

बेंगलुरु। लोकप्रिय कन्नड़ उपन्यासकार एवं दार्शनिक एसएल भैरप्पा का बुधवार को यहां एक निजी अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 94 वर्ष के थे। राष्ट्रोत्थान अस्पताल ने कहा कि महान भारतीय उपन्यासकार, दार्शनिक, पद्म श्री, पद्मभूषण और सरस्वती सम्मान से सम्मानित एसएल भैरप्पा को आज अपराह्न 2:38 बजे दिल का दौरा पड़ा और उनका निधन हो गया। भैरप्पा लोकप्रिय उपन्यासों वंशवृक्ष, दातु, पर्व, मंदरा आदि के लिए जाने जाते हैं।

अंतर्राज्यीय हथियार गिरोह का भंडाफोड़

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एक अवैध हथियार और गोला-बारूद गिरोह का भंडाफोड़ कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया। दो सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल, पांच सिंगल-शॉट पिस्तौल और 210 कारतूस बरामद किए गए। यूपी के मुरादाबाद में कारतूस निर्माण फैक्ट्री भी पकड़ी। जहां से कच्चा माल, कारतूस बनाने के उपकरण 257 कारतूस, बारूद जब्त की गई।

सोनू सूद से सात घंटे ईडी ने की पूछताछ

नई दिल्ली। अभिनेता सोनू सूद से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को ऑनलाइन सट्टेबाजी एप 'वन एक्स बेट' से जुड़े धन शोधन मामले में सात घंटे तक पूछताछ की। सोनू सूद (52) दोपहर 12 बजे मध्य दिल्ली स्थित ईडी कार्यालय पहुंचे और शाम सात बजे बाहर निकले। ईडी ने उनका बयान दर्ज कर लिया है। ईडी की जांच ऑनलाइन सट्टेबाजी मंच वन एक्स बेट के संचालन से संबंधित है, जिस पर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी और कर चोरी का आरोप है। यह एप कुरासाओ में पंजीकृत है।

लद्दाख में हिंसक झड़पों में 4 की मौत 40 पुलिसकर्मियों सहित 80 घायल

राज्य का दर्जा मांग रहे प्रदर्शनकारियों ने भाजपा कार्यालय में की तोड़फोड़

- स्थिति संभालने को पुलिस को करनी पड़ी फायरिंग, निषेधाज्ञा लागू

लेह, एजेंसी

लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर बुधवार को यहां जारी आंदोलन हिंसक हो गया। इस दौरान सड़कों पर आगजनी और झड़पें हुई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और 40 पुलिसकर्मियों समेत कम से कम 80 लोग घायल हो गए। कई घायलों की हालत गंभीर होने के कारण मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

बुधवार सुबह की शुरुआत लद्दाख की राजधानी में पूर्ण बंद के साथ हुई। सैकड़ों लोग सड़कों पर उतर आए। भाजपा कार्यालय में तोड़फोड़ की गई, फर्नीचर तोड़ दिए गए, कागजातों में आग लगा दी गई। कई वाहनों को भी आग आग के हवाले कर दिया गया। राजधानी लेह में पूर्ण बंद के बीच आग की लपटें और काला धुआं देखा जा सकता था। प्रदर्शनकारियों द्वारा व्यापक हिंसा शुरू करने के बाद स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस को गोलीबारी और आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। प्रशासन ने लद्दाख के लेह जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी। निषेधाज्ञा के तहत पांच या इससे अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। कांग्रेस नेता एवं पार्षद फुंटसोग स्टैनजिन त्सेपाग पर मंगलवार को धरना स्थल पर भड़काऊ भाषण देने के लिए मामला दर्ज किया गया। लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) की युवा शाखा ने विरोध प्रदर्शन और बंद का आह्वान किया था क्योंकि 10 सितंबर से 35 दिन की भूख हड़ताल पर बैठे 15 लोगों में से दो की हालत मंगलवार शाम बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

लेह स्थित भाजपा कार्यालय में तोड़फोड़ और आगजनी के बाद निकलता धुंआ।

सोनम वांगचुक ने हड़ताल वापस ली

लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची के विस्तार की मांग को लेकर जारी आंदोलन के हिंसक रूप लेने के बाद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने 15 दिन से जारी अपनी भूख हड़ताल बुधवार को वापस ले ली। वांगचुक ने आंदोलन स्थल पर समर्थकों से हिंसा तुरंत रोकने का अनुरोध किया। कहा कि इससे हमारे उद्देश्य को नुकसान पहुंचता है।

सरकार ने कहा- सोनम वांगचुक ने बयानों से भीड़ को उकसाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को आरोप लगाया कि लद्दाख में सोनम वांगचुक के भड़काऊ बयानों की वजह से भीड़ की हिंसा भड़की और कुछ राजनीति रूप से प्रेरित लोग सरकार और लद्दाखी समूहों के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत में हुई प्रगति से खुश नहीं हैं। गृह मंत्रालय ने कहा कि बुधवार को सुबह हुई कुछ घटनाओं को छोड़कर, स्थिति पर शाम चार बजे तक काबू पा लिया गया।

रेलवे के 10.9 लाख कर्मचारियों को दिवाली बोनस, छह प्रोजेक्ट मंजूर

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में हुए फैसले

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को रेलवे कर्मचारियों को दिवाली बोनस समेत 94,916 करोड़ रुपये की छह परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की। जिसमें बिहार में रेलवे दोहरीकरण, फोर लोन सड़क निर्माण के अलावा देश में जहाज निर्माण एवं समुद्री विकास, सीएसआईआर योजना की स्वीकृति के साथ चिकित्सकीय शिक्षा को विस्तार देना शामिल हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने 10.9 लाख रेलवे कर्मचारियों के लिए 78 दिनों के वेतन के बराबर उत्पादकता से जुड़े बोनस को मंजूरी दी है।

सरकार की ओर से कहा गया कि कुल बोनस राशि 1,886 करोड़ रुपये है। यह बोनस 10,91,146 रेलवे कर्मचारियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देखते हुए स्वीकृत किया गया है। पात्र रेलवे कर्मचारियों को उत्पादकता से जुड़े बोनस (पीएलबी) का भुगतान प्रत्येक वर्ष दुर्गा पूजा और दशहरा की छुट्टियों से पहले किया जाता है।

जहाज निर्माण, समुद्री विकास को 69,725 करोड़

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को देश में जहाज निर्माण और समुद्री वहन क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए 69,725 करोड़ रुपये के व्यापक पैकेज को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह पहल रोजगार सृजन और निवेश को प्रोत्साहन देने के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने और आपूर्ति शृंखलाओं को लचीला बनाने में भी मददगार होगी। इस पैकेज को चार स्तंभों पर आधारित किया गया है। इसके तहत घरेलू जहाज निर्माण क्षमता बढ़ाने, दीर्घकालिक वित्तपोषण की सुविधा, नई एवं पुरानी जहाज निर्माण परियोजनाओं के विकास को प्रोत्साहन, तकनीकी क्षमताओं एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने के साथ नीतिगत सुधार भी लागू किए जाएंगे।

एमबीबीएस और पीजी में सीटों को बढ़ाने पर मुहर

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मौजूदा केंद्रीय और राज्य सरकार के चिकित्सा महाविद्यालयों को सुदृढ़ और उन्नत करने के लिए 5,000 स्नातकोत्तर (पीजी) सीट बढ़ाने की योजना के तीसरे चरण को बुधवार को मंजूरी दे दी। मंत्रिमंडल ने मौजूदा सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों को उन्नत करने के वास्ते 5,023 एमबीबीएस सीट बढ़ाने के लिए केंद्रीय योजना के विस्तार को भी मंजूरी दी गई। इस पहल से स्नातक चिकित्सा क्षमता में वृद्धि होगी, अतिरिक्त स्नातकोत्तर सीट सृजित करके विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ेगी।

सीएसआईआर की 2,277 करोड़ की योजना स्वीकृत

अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने डॉक्टरेट और पोस्ट-डॉक्टरेट फेलोशिप के लिए 2,277 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी और यात्रा एवं संगोष्ठी के माध्यम से ज्ञान को साझा करने को बढ़ावा दिया। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में, 15वें वित्त आयोग के चक्र 2021-22 से 2025-26 की अवधि के लिए 2,277 .397 करोड़ के परिव्यय के साथ वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की क्षमता निर्माण को मंजूरी दी गई।

छात्राओं का यौन उत्पीड़न, धर्मगुरु पर मामला दर्ज

- दिल्ली स्थित श्री शारदा भारतीय प्रबंधन संस्थान का संचालक रहा है चैतन्यानंद

नई दिल्ली, एजेंसी

कभी प्रतिष्ठित धार्मिक संगठन से जुड़े रहे एक स्वयंभू धर्मगुरु पर यहां एक प्रबंधन संस्थान की कई छात्राओं ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है, जिसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपी स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी फरार है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी दक्षिण-पश्चिम दिल्ली स्थित श्री शारदा भारतीय प्रबंधन संस्थान में संचालक था। पुलिस को संस्थान से नकली राजनयिक नंबर प्लेट वाली वोल्वो कार भी मिली, जिसका इस्तेमाल सरस्वती करता था। उसके खिलाफ 2009 में डिफेंस कॉलोनी थाने में धोखाधड़ी और छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया गया था, जबकि 2016 में वसंत कुंज थाने में छेड़छाड़ की एक और शिकायत दर्ज की गई थी। ताजा मामले में शिकायत चार अगस्त को वसंत कुंज उत्तर थाने में दर्ज की गई थी। पुलिस ने श्री शारदा भारतीय प्रबंधन संस्थान में पीजीडीएम कर रही 32 छात्राओं के बयान दर्ज किए। इनमें से 17 ने आरोप लगाया कि सरस्वती ने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया, अश्लील संदेश भेजे। संस्थान में कार्यरत तीन महिलाओं पर छात्राओं पर उसकी मांगें मानने के लिए दबाव डालने का आरोप है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और बाद में 16 पीड़ितों ने मजिस्ट्रेट के सामने गवाही दी।

लुक आउट नोटिस जारी, पांच राज्यों में छापेमारी

दिल्ली पुलिस स्वामी चैतन्यानंद की तलाश शुरू कर दी है। आरोपी के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी कर दिया गया है, ताकि वह देश छोड़कर भाग न सके। दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड में पुलिस की टीमें बाबा की तलाश में छापेमारी कर रही हैं। यह कार्रवाई पीड़ित छात्राओं के गंभीर आरोपों के बाद शुरू की गई है। छात्राओं का कहना है कि चैतन्यानंद उन्हें नंबर कम करने और फेल करने की धमकी देकर अपने कमरे में बुलाता था। जगद्गुरु शंकराचार्य महासंस्थानम दक्षिणाम्नाय श्री शारदा पीठम, श्रृंगेरी ने खुद को चैतन्यानंद सरस्वती से अलग कर लिया है। इससे पहले सरस्वती इसी पीठ से जुड़ा था।

सीबीएसई कक्षा 10 12 की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से होंगी

नई दिल्ली। सीबीएसई अगले साल 17 फरवरी से कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करेगा। अधिकारियों ने बुधवार को यह घोषणा की। बोर्ड ने महत्वपूर्ण परीक्षाओं के लिए अस्थायी डेटशीट की घोषणा की। यह पहली बार है कि कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएं एक शैक्षणिक सत्र में दो बार आयोजित की जाएंगी। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक संयम भारद्वाज ने कहा कि पहला संस्करण 17 फरवरी से छह मार्च, 2026 तक जबकि दूसरा संस्करण 15 मई से एक जून तक आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से नौ अप्रैल, 2026 तक आयोजित की जाएंगी।

नेक्स्ट जेन जीएसटी सुधार ने दी बाजार को ताकत : मुख्यमंत्री

- योगी बोले जीवन रक्षक 33 दवाएं जीएसटी मुक्त नोटबुक-पेंसिल पर शून्य कर
- ज्यादातर घरेलू सामान पर कर घटाकर किया गया शून्य या पांच प्रतिशत

हजरतगंज में बुधवार को एक दुकान पर स्टिकर लगाते मुख्यमंत्री योगी।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : जीएसटी सुधार से सर्वाधिक लाभ उत्तर प्रदेश के व्यापारियों, ग्राहकों को मिलने जा रहा है। इस घोषणा के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि नवरात्रि के पहले दिन से लागू हुए नेक्स्ट जेन जीएसटी सुधार ने बाजार में नई ऊर्जा भर दी है। योगी ने बताया कि जीवन रक्षक 33 दवाएं जीएसटी से मुक्त कर दी गई हैं, वहीं नोटबुक-पेंसिल पर जीएसटी शून्य हो जाने से विद्यार्थियों की पढ़ाई भी सस्ती हुई है।

मुख्यमंत्री ने बुधवार को हजरतगंज स्थित यूनिवर्सल बुकसेलर के पास पत्रकारों से बातचीत में कहा कि घटे जीएसटी दरों से आम उपभोक्ता, व्यापारी और उद्यमी सभी वर्गों को बड़ा लाभ मिल रहा है। इस सुधार ने जहां उपभोक्ताओं को राहत दी है, वहीं बाजार की मजबूती और रोजगार सृजन का मार्ग भी प्रशस्त किया है। उन्होंने बताया कि ज्यादातर घरेलू उपयोग की आवश्यक सामग्रियों को जीरो या पांच प्रतिशत के दायरे में लाया गया है। मुख्यमंत्री के मुताबिक, बाजार में खपत बढ़ने से उत्पादन में वृद्धि हुई है और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खुले हैं। मुख्यमंत्री ने हजरतगंज मार्केट में व्यापारियों और उपभोक्ताओं से मुलाकात की। जीएसटी सुधार से संबंधित पंपलेट और बैनर वितरित किए।

देश का जीएसटी संग्रह 22 लाख करोड़ रुपये पहुंचा

मुख्यमंत्री के अनुसार, यूपी देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता राज्य है और इस सुधार से यहां की अर्थव्यवस्था को विशेष मजबूती मिलेगी। सीएम ने बताया कि जीएसटी लागू होने के बाद देश का कलेक्शन सात लाख करोड़ से बढ़कर 22 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा है। जबकि यूपी में यह 49 हजार करोड़ से 1.15 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच चुका है।

निवेश, नवाचार और संस्कृति के महाकुंभ का आज होगा आगाज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/ ग्रेटर नोएडा

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे यूपीआईटीएस की शुरुआत
- 2500 से अधिक प्रदर्शक, 500 विदेशी खरीदार आने की उम्मीद

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) के तीसरे संस्करण की शुरुआत करेंगे। 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने जा रहे यूपीआईटीएस में उत्तर प्रदेश की औद्योगिक, कृषि, सांस्कृतिक और नवाचार क्षमताओं का भव्य प्रदर्शन होगा। इस मेगा आयोजन का उद्देश्य केवल निवेश और व्यापार को बढ़ावा देना नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश को वैश्विक मंच पर स्थापित करना और युवाओं, उद्यमियों व अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लिए फ्यूचर-रेडी प्लेटफॉर्म तैयार करना भी है।

इस बार 2500 से अधिक प्रदर्शक, 500 विदेशी खरीदार और 5 लाख से अधिक विजिटर्स के आने की उम्मीद है। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) पवेलियन 343 स्टॉल्स के माध्यम से हर जिले के सिग्नेचर प्रोडक्ट्स को पेश करेगा। भदोही का कालीन, फिरोजाबाद का ग्लासवर्क, मुरादाबाद का मेटलवेयर और सहारनपुर की नक्काशी जैसे उत्पाद लोकल से ग्लोबल की यात्रा को नई दिशा देंगे। यूपीआईटीएस में न केवल व्यापार का मंच होगा, बल्कि उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का भी जीवंत प्रदर्शन करेगा। आगंतुक भोजपुरी, अवधी, बुंदेली और थारू लोक परंपराओं के रंगीन प्रदर्शन के साथ सूफी गायन, कथक नृत्य और सुगम संगीत का भी आनंद लेंगे।

रूस-इंडिया बिजनेस डायलॉग से मिलेंगे नए अवसर

इस बार रूस आयोजन के साथ बतौर पार्टनर कंट्री सम्मिलित हो रहा है। 26 सितंबर को रूस-इंडिया बिजनेस डायलॉग आयोजित किया जाएगा, जिसमें भारत और रूस के उद्योगपतियों, वित्तीय संस्थानों, बीमा कंपनियों, शिक्षा क्षेत्र और सरकारी नीति-निर्माताओं के लिए साझा मंच उपलब्ध होगा। दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग, तकनीकी साझेदारी और संयुक्त उपक्रमों को प्रोत्साहित करने का यह अवसर उत्तर प्रदेश के उद्योगों और कारोबारियों के लिए नई संभावनाएं खोलेगा।

उसी दिन सुनवाई तब, जब मामला फांसी का हो

नई दिल्ली, एजेंसी

- मामले तत्काल सूचीबद्ध करने की अपीलों पर सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सूर्यकांत ने बुधवार को कहा कि वह उस समय तक किसी मामले को उसी दिन तत्काल सूचीबद्ध करने का आदेश नहीं देंगे, जब तक कि किसी को फांसी न दी जा रही हो। इसके साथ ही उन्होंने पूछा कि क्या कोई न्यायाधीशों की स्थिति समझता है और यह जानता है कि वे कितने घंटे काम करते हैं तथा कितने घंटे सो पाते हैं।

न्यायमूर्ति कांत उस पीठ का नेतृत्व कर रहे थे, जो तत्काल सुनवाई के लिए मामलों को सूचीबद्ध करने पर विचार कर रही थी। पीठ में न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह भी शामिल थे। सीजेआई बीआर गवई आमतौर पर ऐसे मामलों की सुनवाई करते हैं। वह पांच न्यायाधीशों वाली संविधान पीठ में बैठते हैं। उनके उपलब्ध न होने पर दूसरे सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश मामलों को सूचीबद्ध करने पर सुनवाई करते हैं। न्यायमूर्ति कांत ने यह टिप्पणी उस समय की, जब अधिवक्ता शोभा गुप्ता ने उल्लेख किया कि राजस्थान में एक आवासीय मकान की आज नीलामी होगी और इसलिए मामले को आज ही सूचीबद्ध किया जाए। इस पर न्यायमूर्ति कांत ने कहा कि जब तक किसी को फांसी नहीं होने वाली हो, मैं किसी भी मामले को उसी दिन सूचीबद्ध नहीं करूंगा।

पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों का सहयोगी गिरफ्तार

श्रीनगर। पुलिस ने बुधवार को दक्षिण कश्मीर से मोहम्मद यूसुफ कटारी (26) को गिरफ्तार किया जिसने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले में शामिल आतंकवादियों को रसद सहायता प्रदान की थी। श्रीनगर पुलिस ने दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले से गिरफ्तारी की। उसकी पहलगाम हमले में शामिल आतंकवादियों को रसद प्रदान करने में भूमिका थी। इन आतंकवादियों को ऑपरेशन महादेव में ढेर कर दिया गया था। सेना के विशिष्ट पैरा कमांडो ने 29 जुलाई को मुठभेड़ में श्रीनगर के बाहरी इलाके में तीन आतंकियों को मार गिराया था। जिनमें सुलेमान उर्फ आसिफ भी शामिल था, जिसे 22 अप्रैल के पहलगाम हमले का मुख्य साजिशकर्ता माना जाता है।

ऐतिहासिक शोध | आईआईटी रुड़की ने किया अमृता विश्व विद्यापीठम एवं स्वीडन के उप्साला विवि के साथ अध्ययन

केदारनाथ-रामेश्वरम तक 8 शिवालय एक ही अक्ष रेखा पर स्थित

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- पुरातन सभ्यताओं को रही है प्रकृति और स्थायित्व की गहरी समझ

अमृत विचार : प्राचीन भारतीय ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक विश्लेषण को जोड़ते हुए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी)रुड़की के शोधकर्ताओं ने अमृता विश्व विद्यापीठम (भारत) एवं उप्साला विश्वविद्यालय (स्वीडन) के सहयोग से ऐतिहासिक अध्ययन किया है। इसमें पाया गया कि देश भर के आठ प्रमुख शिव मंदिरों का स्थान न केवल गहन आध्यात्मिक महत्व रखता है, बल्कि जल, ऊर्जा और खाद्य उत्पादकता के उच्च केंद्रों से भी मेल खाता है।

ह्यूमैनिटीज़ एंड सोशल साइंसेज कम्युनिकेशंस (नेचर पोर्टफोलियो) में प्रकाशित इस अध्ययन के अनुसार, केदारनाथ (उत्तराखंड) से लेकर रामेश्वरम (तमिलनाडु) तक ये मंदिर 79 पूर्वी देशांतर रेखा के आसपास स्थित शिव शक्ति अक्ष रेखा पर पाए गए। उपग्रह डेटा और पर्यावरणीय विश्लेषण से यह स्पष्ट हुआ कि यह संरेखण जल संसाधन उपलब्धता, कृषि उपज और नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता से समृद्ध क्षेत्रों में हैं।

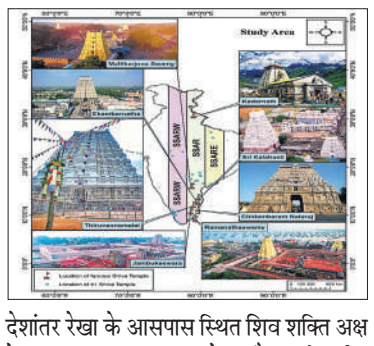

आस्था स्थल ही नहीं, पंचभूत के प्रतीक

अध्ययन में बताया गया कि ये मंदिर केवल आस्था स्थल ही नहीं बल्कि पंचतत्वों (पंचभूत) के प्रतीक और संसाधन नियोजन के सभ्यतागत संकेतक भी रहे होंगे। प्रमुख लेखक भाबेश दास ने कहा कि प्राचीन मंदिर निर्माता पर्यावरण योजनाकार भी थे, जिनके निर्णय भूमि, जल और ऊर्जा संसाधनों की गहरी समझ से प्रेरित थे।

विरासत और जलवायु के बीच बने सेतु

सह-अन्वेषक प्रो. थंगा राज चेलिया ने इसे एक उल्लेखनीय अंत:विषय सहयोग बताया, जो विरासत और जलवायु लचीलेपन के बीच सेतु का काम करता है। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार, यह निष्कर्ष दर्शाते हैं कि भारत की सांस्कृतिक धरोहर में रणनीतिक पर्यावरणीय अंतर्दृष्टि निहित है, जिसे आज सतत विकास और जलवायु चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए पुन: लागू किया जा सकता है।

मुख्य अन्वेषक प्रो. के.एस. काशीविश्वनाथन (डब्ल्यूआरडीएम विभाग, आईआईटी रुड़की) ने कहा कि यह शोध दर्शाता है कि प्राचीन भारतीय सभ्यताओं को प्रकृति एवं स्थायित्व की गहरी समझ रही होगी, जिसने मंदिर निर्माण के स्थान चयन में मार्गदर्शन दिया। आईआईटी रुड़की के निदेशक प्रो. कमल किशोर पंत ने कहा कि यह अध्ययन इस बात का प्रमाण है कि प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान एक-दूसरे के पूरक हो सकते हैं।

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 25 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

जापान टूरिज्म एक्सपो में भागीदारी करेगा यूपी

अमृत विचार, लखनऊ : जापान के टोकोनामे शहर में गुरुवार से शुरू होने वाले जापान टूरिज्म एक्सपो 2025 में प्रदेश की बौद्ध विरासत, प्रमुख तीर्थ स्थल, व्यंजन और हस्तशिल्प आदि दिखेंगे। यूपी पर्यटन, पवेलियन एक्सपो में आगंतुकों को राज्य की सांस्कृतिक विविधिता और धार्मिक विरासत से अवगत कराएगा। यह जानकारी पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बुधवार को जारी बयान में दी। उन्होंने बताया कि टोकोनामे शहर स्थित आइची स्काई एक्सपो में 25 से 28 सितंबर तक आयोजन होगा। जापान में बौद्ध धर्मावलंबी बहुतायत हैं। ऐसे आयोजनों से प्रदेश की आध्यात्मिक पर्यटन को विशिष्ट पहचान मिलेगी। इस आयोजन में उप्र .से वरिष्ठ अधिकारी और पर्यटन उद्योग के साझेदार आदि का संयुक्त प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा।

निजीकरण योजना के विरोध की तैयारी

अमृत विचार, लखनऊ : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के केंद्रीय पदाधिकारियों का आरोप है कि ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोसिएशन, केंद्रीय विद्युत मंत्रालय और केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण के साथ मिलकर ऊर्जा क्षेत्र के निजीकरण की गोपनीय योजना तैयार कर रहे हैं। संघर्ष समिति ने चेतावनी दी है कि निकट भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन की तैयारी शुरू की जाएगी। संघर्ष समिति ने जानकारी साझा की कि ऑल इंडिया डिस्कॉम एसोसिएशन के निदेशक जनरल आलोक कुमार ने 9 सितंबर को देश के सभी ऊर्जा निगमों के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशकों को एक पत्र भेजा है। इस बीच ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के अध्यक्ष शैलेंद्र दुबे ने कहा कि फेडरेशन और नेशनल कोऑर्डिनेशन कमिटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स इस मामले को केंद्रीय विद्युत मंत्री के सामने शीघ्र रखेगी।

पीडीए की जनचेतना पूरे देश में फैली : अखिलेश

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि उप्र . से जन्मी पीडीए की जनचेतना अब पूरे देश के 'पीड़ित, दुखी, अपमानित' समाज के लिए अपने सम्मान, अधिकार, आरक्षण, पिछड़ेपन के दंश व दमित स्तर से उबरने के लिए संघर्ष की नयी आवाज बन गई है। जो लोग जहां भी संख्या में कम हैं, वो भी जान गये हैं कि एकजुटता की शक्ति ही उनकी संख्या की कमी की क्षतिपूर्ति करने में सक्षम होगी। सपा प्रमुख ने जारी बयान में कहा कि पीडीए उन अंतिम लोगों के स्वाभिमान-स्वमान के नवजागरण का नाम है, जिनके हिस्से ऐतिहासिक रूप से उपेक्षा और उत्पीड़न ही आया है। इसीलिए 'जो पीड़ित वो पीडीए' के सैद्धांतिक सूत्र से एक-सूत्र हुए पीडीए समाज ने एक साथ मिलकर अब ये संकल्प उठाया है कि पीडीए का परचम पूरे देश में लहराएंगे।

सरकारी अस्पतालों में अपग्रेड हुई सेवाएं : ब्रजेश पाठक

500 करोड़ की लागत वाली 84 स्वास्थ्य इकाइयों का उप मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण व शिलान्यास

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में लोकार्पण व शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान उपस्थित उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व अन्य।

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का कहना है कि वर्ष 2017 के बाद से हमारी सरकार ने सरकारी अस्पतालों में अत्याधुनिक मशीनें स्थापित कर अपग्रेड किया है। चिकित्सकों, पैरा मेडिकल स्टाफ के साथ सभी अस्पतालों में मैन पावर की संख्या बढ़ी है।

उप मुख्यमंत्री बुधवार को इंदिरा नगर स्थित राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (ट्रेनिंग सेंटर) में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की 500 करोड़ रुपये मूल्य की 84 नवीन स्वास्थ्य इकाइयों का शिलान्यास एवं लोकार्पण करने के बाद संबोधित कर रहे थे।

इन जिलों में हुआ शिलान्यास एवं लोकार्पण : लखनऊ, गोरखपुर, आगरा, गाजीपुर, कौशाम्बी, बस्ती, मुजफ्फरनगर, अयोध्या, अलीगढ़, गोंडा, बागपत, बलरामपुर, हाथरस, बदायूं, जालौन, एटा, मऊ, बलिया, भदोही, कानपुर नगर, मिर्जापुर, श्रावस्ती, बहराइच, रामपुर, बिजनौर, संभल, चंदौसी, कुशीनगर, महाराजगंज, अमरोहा, गाजीपुर, फतेहपुर, संतकबीर नगर, प्रतापगढ़, सीतापुर, आजमगढ़, जालौन, ललितपुर, हमीरपुर, अम्बेडकर नगर, अमेठी, सुल्तानपुर, उन्नाव, कानपुर देहात, बांदा, सिद्धार्थनगर, शामली, हापुड़, रायबरेली, जौनपुर, मथुरा, मैनपुरी।

31 अस्पतालों में स्थापित होंगे आधुनिक उपकरण

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश के सरकारी अस्पतालों को उच्चीकृत किया जा रहा है, उक्त क्रम में ही प्रदेश के 31 अस्पतालों को आधुनिक उपकरणों से लैस किया जाएगा। इसके लिए 10 .74 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

स्तूपनुमा भवन बनाकर रखे जाएं बुद्ध के अवशेष

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कपिलवस्तु के पिपरहवा में भवन बनाने के लिए मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सिद्धार्थनगर स्थित पिपरहवा (कपिलवस्तु) में भगवान बुद्ध की अस्थि मंजूषा एवं अन्य अवशेषों को संरक्षित करने के लिए एक स्तूपनुमा भवन बनाए जाने का अनुरोध किया है। साथ ही अवगत कराया कि इस कार्य के लिए भूमि उपलब्ध है।

यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि पिपरहवा वही स्थान है, जहां 1898 में ब्रिटिश इंजीनियर क्लैक्स्टन पेप्पे को उत्खनन के दौरान बुद्ध के अवशेष, बहुमूल्य रत्न एवं पालि भाषा में लिखी स्वर्ण पटिका प्राप्त हुई थी। यह रत्न भंडार हाल ही में हांगकांग की नीलामी से भारत लाया गया है। उन्होंने कहा कि यहां स्तूपनुमा भवन बनने से न केवल देश-विदेश से बौद्ध श्रद्धालु आकर्षित होंगे बल्कि स्थानीय पर्यटन और रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। बुद्ध कपिलवस्तु में पले-बढ़े और अपने जीवन के पहले 29 वर्ष यहीं रहे।

दिवाली से पहले ही मिलेगा छात्रवृत्ति का उपहार

फरवरी-मार्च की जगह अब सितंबर माह में ही होगा वितरण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कल लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी करेंगे 4 लाख से अधिक छात्र छात्राओं को लाभान्वित

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने इस वर्ष एक नई पहल करते हुए छात्रवृत्ति समय से पहले देने का निर्णय लिया है। शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जूपिटर हाल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में प्रदेश के 4 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति दी जाएगी।

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण नरेंद्र कश्यप ने बताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में छात्रवृत्ति वितरण व्यवस्था में बदलाव किया गया है। पूर्व में छात्रवृत्ति फरवरी-मार्च माह में दी जाती थी, जबकि अब इसे नवरात्र और सितंबर माह में वितरित किया जा रहा है, जिससे छात्र-छात्राएं इसका लाभ समय पर उठा सकें। यह छात्र-छात्राओं के लिए एक तरह से दीपावली का उपहार भी होगा।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में प्रदेश के पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लगभग 59 लाख छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति मिली थी, जबकि वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 70 लाख से अधिक हो जाएगी। सरकार द्वारा छात्रवृत्ति का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है।

मंत्री ने कहा कि छात्रों को समय से पूर्व छात्रवृत्ति मिल सके, इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मार्गदर्शन लेकर पिछड़ा वर्ग कल्याण, समाज कल्याण और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने मिलकर व्यापक रणनीति बनाई। यही कारण है कि इस बार छात्रवृत्ति का लाभ छात्रों तक नवरात्र के पावन अवसर पर पहुंचेगा।

इस अवसर पर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ओम प्रकाश राजभर, पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप, समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण, राज्य मंत्री समाज कल्याण संजीव गोंड और अल्पसंख्यक राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी मौजूद रहेंगे।

लखनऊ में बूंदाबांदी की संभावना

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश से मानसून अब धीरे-धीरे विदा होने की ओर है। बिहार से सटे कुछ जिलों में बुधवार को हल्की बूंदाबांदी हुई है। लखनऊ में दो दिन बाद बूंदाबांदी की संभावना जताई जा रही है। राजधानी में आज का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के करीब दर्ज किया गया है, वहीं न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहा है।

मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एम. दानिश ने बताया है कि दक्षिण पश्चिम मानसून की बुधवार से वापसी की शुरुआत हो गई है। यानी कि प्रदेश के पश्चिमी भाग से मानसून वापस जा चुका है। उन्होंने बताया कि दक्षिण पश्चिम मानसून ने 17 सितंबर की अपनी सामान्य तिथि के सापेक्ष तीन दिन पूर्व 14 सितंबर से पश्चिमी राजस्थान से वापसी शुरू कर दी थी। बुधवार को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, गुजरात और राजस्थान के कुछ हिस्सों समेत उत्तर प्रदेश के भी कुछ हिस्सों से मानसून वापस लौट गया है।

शिशु बुद्धि से जीएसटी सुधार नहीं समझा जा सकता : सुधांशु त्रिवेदी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

लखनऊ में पत्रकारों को जानकारी देते भाजपा प्रवक्ता व सांसद सुधांशु त्रिवेदी।

- कहा- यह कदम किसी तात्कालिक राजनीति निर्णय का नतीजा नहीं बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक दृष्टि का हिस्सा

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता व राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने जीएसटी सुधार के फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए विपक्ष पर यह कह कर कटाक्ष किया कि इस बदलाव को समझने के लिए शिशु बुद्धि से काम नहीं चलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसी कुशाग्र बुद्धि चाहिए। उन्होंने कहा कि यह कदम किसी तात्कालिक राजनीति निर्णय का नतीजा नहीं, बल्कि दीर्घकालिक आर्थिक दृष्टि का हिस्सा है।

बुधवार को पार्टी के राज्य मुख्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी रिफार्म को अमल में लाकर आम उपभोक्ताओं मध्यमवर्गीय लोगों, व्यापारियों और राष्ट्र के हितों को सुरक्षित किया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का लक्ष्य कर प्रणाली को सरल, पारदर्शी और आमजन का हितैषी बनाना है। त्रिवेदी ने जीएसटी स्लैब में किए गए बदलावों का जिक्र करते हुए कहा कि नए स्लैब लागू होने के बाद आम जनता को जरूरी सामान पर बड़ी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि सीमेंट और लोहे-स्टील पर टैक्स की दरों को कम करने के फैसले से घर बनाने की लागत में भी कमी आएगी। उन्होंने कहा टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर गाड़ियों पर भी जीएसटी की दरों को कम किया गया है। उन्होंने कहा कि होटल उद्योग में भी टैक्स की दरों में काफी राहत दी गई है।

विपक्षी नेताओं को भी देखा गाड़ियां टीवी, फ्रिज खरीदते : ब्रजेश पाठक

लखनऊ की आलमबाग बाजार में एक दुकान पर व्यापारी से जीएसटी सुधार को लेकर संवाद करते सुधांशु त्रिवेदी, ब्रजेश पाठक व आनंद द्विवेदी। अमृत विचार

अमृत विचार : जीएसटी बचत उत्सव के अंतर्गत बुधवार को राज्यसभा सांसद व भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने कार्यकर्ताओं के साथ चंदर नगर मार्केट आलमबाग में पदयात्रा कर व्यापारियों व ग्राहकों से संपर्क व संवाद किया। दुकानों में जाकर जीएसटी लाभ के स्टीकर लगाए और व्यापारियों को गुलाब भेंट दिया। स्वदेशी उत्पादों के उपयोग के लिए सभी से आह्वान किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि मैंने कल से ढेर सारे विपक्षी नेताओं को देखा है गाड़ियों के शोरूम में गाड़ियां खरीदते हुए, टीवी, फ्रिज खरीदते हुए, वह भी प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दे रहे हैं। व्यापारियों से संपर्क के दौरान मानसिंह, महानगर उपाध्यक्ष अशोक तिवारी, मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग, अभिषेक खरे, विनायक पांडे, पीयूष दीवान, मंडल अध्यक्ष राजन वर्मा, महेंद्र राजपूत, मानस बाहरी, रूपा देवी सहित बड़ी संख्या में व्यापारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विकसित भारत बनने में एनीमिया बड़ा अवरोध : अमित घोष

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में 46 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं के एनीमिक होने पर स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव अमित घोष ने चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि जब हम 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने की बात करते हैं तो एनीमिया इसमें बड़ा अवरोधक है। इस समस्या को खत्म करने के लिए तीन प्रतिशत दर प्रतिवर्ष कम करने का लक्ष्य रखा गया है, उसे प्राप्त करने के लिए हम सभी को प्रयास करने होंगे।

प्रमुख सचिव बुधवार को हजरतगंज स्थित होटल में स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, केजीएमयू व सेंटर ऑफ एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संगोष्ठी में संबोधित कर रहे थे। संगोष्ठी में प्रमुख सचिव महिला व बाल विकास लीना जौहरी, केजीएमयू की कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद, क्वीनमेरी अस्पताल की विभागाध्यक्ष डॉ. अंजू अग्रवाल और आईसीडीएस विभाग की उपनिदेशक अनुपमा सानडिल्य ने भी एनीमिया के संबंध में अपने विचार रखे।

एनिमिया पर वार, मिलकर करेंगे 12 के पार

एनीमिया प्रदेशव्यापी जटिल समस्या से पार पाने के लिए एक प्लेटफार्म पर जमा हुए विभागों के प्रमुख व विशेषज्ञों ने मंथन किया और नतीजे पर पहुंचे कि महिला शिक्षक, महिला प्रधान, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं व आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की नेतृत्व क्षमता बढ़ाकर समुदाय में एनीमिया के प्रति महिलाओं को सजग किया जाए। शपथ ली गई कि मिलकर करेंगे हीमोग्लोबिन 12 के पार।

सरकार को सुझाव देने में ग्रामीण आगे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

विकसित यूपी अभियान

- ग्रामीण इलाकों से सर्वाधिक 4.70 लाख सुझाव, नगरीय क्षेत्रों से 1.30 लाख
- 6 लाख लोगों ने साझा किए सुझाव, 31-60 आयु वर्ग आगे

अमृत विचार : समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश अभियान में सरकार को सुझाव देने में ग्रामीण आगे हैं, जबकि इनके मुकाबले शहरी फिलहाल पीछे हैं। ग्रामीण इलाकों से अब तक सर्वाधिक 4.70 लाख और नगरीय क्षेत्रों से 1.30 लाख सुझाव मिले हैं। लगभग 6 लाख प्रदेशवासियों ने अपने-अपने सुझाव साझा किए हैं, जिनमें 31-60 आयु वर्ग वाले ज्यादा हैं।

दरअसल, विकसित उत्तर प्रदेश अभियान के तहत बुधवार 24 सितंबर तक लगभग 6 लाख प्रदेशवासियों ने अपने सुझाव साझा किए हैं। इसमें ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 4.70 लाख तो वहीं नगरीय क्षेत्रों से लगभग 1.30 लाख प्रदेशवासी जुड़ चुके हैं। सर्वाधिक 3.20 लाख सुझाव 31-60 आयु वर्ग के लोगों द्वारा दिए गए हैं, जबकि लगभग 2.40 लाख सुझाव 31 वर्ष से कम आयु वर्ग के लोगों ने दिए हैं। यही नहीं करीब 40 हजार सुझाव सुझाव 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग से प्राप्त हुए हैं।

मालूम हो कि अभियान के तहत सभी 75 जिलों में विकास हेतु रोड मैप पर चर्चा कर फीडबैक प्राप्त किया जा रहा है। सर्वाधिक सुझाव शिक्षा क्षेत्र, नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र, स्वास्थ्य क्षेत्र, समाज कल्याण, कृषि क्षेत्र, आईटी एंड टेक 14,700, इंडस्ट्री 15,182 तथा सुरक्षा से सम्बंधित विषयों पर प्राप्त हुए हैं। महाराजगंज से लगभग 62 हजार फीडबैक के साथ प्रथम, लगभग 30 हजार फीडबैक के साथ कानपुर देहात द्वितीय और 22 हजार से अधिक फीडबैक के साथ संभल तृतीय स्थान पर है। इसके अतिरिक्त प्रयागराज, फिरोजाबाद, कानपुर नगर, गोरखपुर, सहारनपुर, शामली, एटा, मेरठ, फर्रुखाबाद, मैनपुरी आदि जनपदों से 4 लाख से ज्यादा फीडबैक प्राप्त हुए हैं।

योगी ने यूपी ट्रेड शो की तैयारी का किया निरीक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को गौतमबुद्धनगर के ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एवं मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टॉल व प्रदर्शनी से लेकर देशी-विदेशी आगंतुकों के लिए की गई व्यवस्थाओं को देखा और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी की सहभागिता के दृष्टिगत सुरक्षा के निर्देश देते हुए कहा कि यह कार्यक्रम प्रदेश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मेदांता अस्पताल में भर्ती पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर का हालचाल लेते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

आजम खां से मिलने रामपुर जा सकते हैं सपा प्रमुख

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आजम खां की रिहाई ने बढ़ाई अखिलेश की टेंशन

अमृत विचार : सपा के संस्थापक सदस्य और कद्दावर नेता आजम खां की सीतापुर जेल से मंगलवार को रिहाई के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव की टेंशन बढ़ गई है। वह सक्रिय राजनीति में वापस होंगे या नहीं, अटकलों पर आजम खां की तरफ से कोई स्पष्ट जवाब न देने और पहले इलाज कराने के बयान ने अफवाहों को हवा दे दी है। परिणामस्वरूप बुधवार देर शाम तक सपा कार्यालय से अपुष्ट खबर सोशल मीडिया में फैल गयी है कि अखिलेश यादव 8 अक्टूबर को आजम खां से मिलने रामपुर जा सकते हैं। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि आजम खां की अनुमति के बाद ही मिलने जाएंगे।

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर आजम खां ने सपा की सक्रिय राजनीति से दूरी बनायी तो पीडीए में बिखराव होगा और लाभ भाजपा को मिलेगा। यही वजह है कि अखिलेश यादव ने रिहाई होते ही बयान जारी कर दिया है कि सपा सरकार बनने पर सारे मुकदमे वापस होंगे, हालांकि दूसरी तरफ सपा की ओर से किसी भी बड़े नेता द्वारा जेल के बाहर अगवानी न किए जाने को भी आजम खां की नाराजगी से जोड़ा जा रहा है।

जीएसटी में सुधार से स्वदेशी उद्योग को मिलेगा बढ़ावा : रालोद

लखनऊ में व्यापारियों से संवाद करते रालोद महासचिव अनिल दुबे व अन्य।

अमृत विचार, लखनऊ : वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कमी करने का निर्णय एक देश-एक कर की नीति को मजबूती प्रदान करता है और देश की कर प्रणाली को और सरल एवं पारदर्शी बनाता है। इससे स्वदेशी उद्योगों और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा। यह बात रालोद व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने बुधवार को रालोद प्रदेश कार्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए कही। वहीं पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे के नेतृत्व में पदयात्रा निकालकर व्यापारियों को जीएसटी कम होने के फायदे बताए गए और उनकी राय व सुझाव भी लिए गए।

डिजिटल क्रॉप सर्वे 10 अक्टूबर तक करें पूरा

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य सचिव एसपी गोयल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से सभी मंडलायुक्तों एवं जिलाधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान मुख्य सचिव ने डिजिटल क्रॉप सर्वे के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी जिलों को यह कार्य 10 अक्टूबर तक हर हाल में पूरा करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि सर्वे के कार्य में तेजी लाने के लिए अतिरिक्त मैनपावर लगाई जा सकती है और लेखपालों का सहयोग भी लिया जाए। साथ ही, सर्वे के साथ-साथ सत्यापन (वेरीफिकेशन) के कार्य में भी प्रगति सुनिश्चित की जाए।

अफसोसजनक | मुकदमा लड़कर अभ्यर्थियों ने लिया था उत्तर कुंजी देखने का अधिकार

लोकसेवा आयोग की चक्की में पिस रहे प्रतियोगी छात्र

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

तीन वर्ष जारी हुई उत्तर कुंजी

याचिकाकर्ता अवनीश पांडेय का कहना है कि न्यायालय में हलफनामा देकर भी आयोग अपनी बात से मुकर गया था। हमने कंपटीशन देने वाले छात्रों का संगठन 'प्रतियोगी छात्र संघर्ष समिति' बनाया और फिर से न्यायालय गए। जिसके बाद पीसीएस 2015, 2016, 2017 की उत्तर कुंजी जारी हुई। सभी में प्रश्नों के गलत उत्तर रखे जाने के कारण उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा परिणाम संशोधित करने का आदेश दिया गया। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने उक्त निर्णय पर रोक लगा दी थी।

आयोग ने प्रस्ताव ही बदल दिया

आयोग ने वर्ष 2018, 2019, 2020 की पीसीएस परीक्षा में उत्तर कुंजी जारी नहीं की। उच्च न्यायालय में याचिकाकर्ता रहे अवनीश पांडेय बताते हैं कि इसके बाद हम फिर से न्यायालय गए। आयोग द्वारा जो हलफनामा लगाया गया, उसमें उल्लिखित है कि उक्त प्रस्ताव बदल दिया गया है। अब अंतिम परिणाम जारी करने के बाद उत्तर कुंजी जारी की जायेगी। इस संबंध में आयोग के सूत्रों का कहना है कि सभी परीक्षाओं के न्यायालय जाने के कारण प्रस्ताव बदलने का निर्णय लिया गया।

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) के खिलाफ अभ्यर्थियों का आंदोलन फिर से सुगबुगाने लगा है। प्रतियोगी छात्रों ने ज्ञापन देकर दो दिन में समाधान नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। मामला प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम जारी करने के पहले उत्तर कुंजी जारी करने को लेकर है। जिससे छात्र अपने उत्तरों का मिलान कर सकें। दशक भर पहले आयोग की प्रारंभिक परीक्षा में 150 प्रश्न सामान्य अध्ययन के हुआ करते थे। जिसमें कई प्रश्नों के उत्तर विकल्प विवादित या गलत होने का आरोप अभ्यर्थी लगाते थे। कई बार किसी प्रश्न का उत्तर आयोग जिसे सही मानता, उसे प्रतियोगी छात्र या पुस्तकें सही नहीं मानती थीं। लेकिन परिणाम आयोग अपने अनुसार जारी कर देता था। इसे लेकर प्रतियोगी छात्रों ने आंदोलन शुरू कर दिया था और न्यायालय की शरण में जाना पड़ा था।

इसी मामले को लेकर न्यायालय ने आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष को तलब भी किया था। याचिकाकर्ता रहे अवनीश पांडेय बताते हैं कि इसके बाद आयोग ने न्यायालय से बचने के लिए 7 सदस्यों की कमेटी बनाई। अगस्त 2014 को निर्णय के अनुसार प्रारंभिक परीक्षाओं के बाद यथाशीघ्र चारों ए, बी, सी व डी सीरीज की उत्तर कुंजी जारी कर अभ्यर्थियों से आपत्ति ली जाएगी। आपत्ति दर्ज किये गए उत्तरों के साथ ही शत-प्रतिशत उत्तरों के परीक्षण के लिए दो अलग एक्सपर्ट कमेटी से आख्या प्राप्त की जायेगी। दोनों आख्या समितियों में अंतर होने पर तीसरी एक्सपर्ट कमेटी गठित कर विवादित प्रश्नों पर अंतिम निर्णय प्राप्त किया जाएगा। इसके बाद संशोधित उत्तर कुंजी प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम घोषित करते समय ही जारी किया जाएगा। इसके बाद भी आयोग ने उत्तर कुंजी जारी नहीं की।

तृतीय चंद्रघंटा

मां दुर्गा की तीसरी शक्ति हैं चंद्रघंटा। नवरात्र में तीसरे दिन इसी देवी की पूजा-आराधना की जाती है। देवी का यह स्वरूप परम शांतिदायक और कल्याणकारी है। इसीलिए कहा जाता है कि हमें निरंतर उनके पवित्र विग्रह को ध्यान में रखकर साधना करना चाहिए। देवी चंद्रघण्टा पूजा से शुक्र ग्रह का प्रभाव बढ़ता है।

बीज मंत्र...ऐं श्रीं शक्तयै नमः।

राजोआना को अब तक क्यों नहीं दी गई फांसी

नई दिल्ली, एजेंसी

करीब 29 वर्षों से जेल में बंद हैं पंजाब के पूर्व सीएम बेअंत सिंह का हत्यारा

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को पूछा कि 1995 में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के लिए मौत की सजा पाए बलवंत सिंह राजोआना को अब तक फांसी क्यों नहीं दी गई। राजोआना पिछले लगभग 29 वर्षों से जेल में बंद है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के. एम. नटराज ने न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया को अपराध की गंभीरता से अवगत कराया। पीठ ने नटराज से पूछा, आपने अब तक उसे फांसी क्यों नहीं दी, इसके लिए कौन जिम्मेदार है। कम से कम हमने तो फांसी पर रोक नहीं लगाई है। शीर्ष अदालत राजोआना की दया याचिका पर फैसले में देरी के आधार पर उसकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदलने की याचिका पर सुनवाई कर रही है। राजोआना की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि उनके मुवक्किल की दया याचिका पर कोई फैसला नहीं हुआ है। नटराज ने कहा कि वह निर्देश लेंगे और पीठ को स्थिति से अवगत कराएंगे।

रोहतगी ने कहा, कोई नहीं जानता कि क्या हो रहा है। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने पहले कहा था कि दया याचिका पर समय पर फैसला किया जाना चाहिए। रोहतगी ने कहा, यदि मृत्युदंड को खत्म करना है तो उसे कम किया जाना चाहिए। यदि सजा कम की जाती है तो वह बाहर आ सकते हैं। रोहतगी ने कहा कि राजोआना एक भारतीय नागरिक हैं और यह भारत-पाकिस्तान का मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने पाया है कि राजोआना ने खुद दया याचिका दायर नहीं की थी, बल्कि यह एक गुरुद्वारा समिति की ओर से दायर की गई है। पीठ ने मामले की सुनवाई 15 अक्टूबर के लिए स्थगित कर दी और कहा कि केंद्र के अनुरोध पर मामले को स्थगित नहीं किया जाएगा। बीस जनवरी को उच्चतम न्यायालय ने केंद्र से राजोआना की दया याचिका पर निर्णय लेने को कहा था। केंद्र ने तब मामले की संवेदनशीलता का हवाला देते हुए कहा था कि दया याचिका विचाराधीन है। पिछले साल 25 सितंबर को शीर्ष अदालत ने राजोआना की याचिका पर केंद्र, पंजाब सरकार और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासन से जवाब मांगा था।

सचिवालय गेट पर हुए विस्फोट में मारे गए थे बेअंत सिंह समेत 17 लोग

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह और 16 अन्य लोगों की 31 अगस्त, 1995 को चंडीगढ़ में स्थित प्रशासनिक सचिवालय के प्रवेश द्वार पर हुए विस्फोट में मौत हो गई थी। एक विशेष अदालत ने जुलाई 2007 में राजोआना को मौत की सजा सुनाई थी। तीन मई 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने उसकी मौत की सजा को कम करने से इन्कार करते हुए कहा था कि सक्षम प्राधिकारी उसकी दया याचिका पर विचार कर सकता है। अपनी नई याचिका में, राजोआना ने 28 साल आठ महीने जेल में बिताए जाने का हवाला दिया, जिसमें से 15 साल से अधिक समय तक वह मौत की सजा पाए अपराधी के रूप में रहा है। राजोआना ने कहा कि मार्च 2012 में, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति ने संविधान के अनुच्छेद 72 के तहत उसकी सजा को माफ करने की मांग करते हुए एक दया याचिका दायर की थी।

केंद्र की याचिका पर सुनवाई करेगा कोर्ट

उच्चतम न्यायालय ने मृत्युदंड के प्रावधान वाले जघन्य मामलों में पीड़ित और समाज केंद्रित दिशानिर्देश तैयार करने के लिए केंद्र की याचिका पर आठ अक्टूबर को सुनवाई करने का निर्णय लिया। यह मामला न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आया। केंद्र ने जनवरी 2020 में शीर्ष अदालत में आवेदन दायर किया था और दलील दी थी कि मौजूदा दिशानिर्देश केवल आरोपी और दोषी केंद्रित हैं। शीर्ष कोर्ट ने 31 जनवरी 2020 को आवेदन की पड़ताल करने पर सहमति जताई थी और विभिन्न हितधारकों से जवाब मांगे थे।

जाम से आमजन परेशान

बुधवार दोपहर कैसर बाग चौराहे पर ट्रैफिक जाम में रेंगते दिखे वाहन। ● अमृत विचार

वोट चोरी वाली सरकार की बिहार से होगी उल्टी गिनती

पटना, एजेंसी

आरक्षण की 50 फीसदी सीमा तोड़ेंगे : राहुल गांधी

पटना। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि देश में आरक्षण की 50 फीसदी की सीमा को तोड़ा जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि संविधान पर लगातार हमला हो रहा है और पूरे देश में लोगों के हक छीने जा रहे हैं। यहां 'अतिपिछड़ा न्याय संकल्प' जारी करते हुए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, न्याय संकल्प में जो 10 घोषणाएं की गई हैं, उनकी गारंटी मेरी है। प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि लोकसभा में उन्होंने दो बातें रखी थीं-पहली, सामाजिक न्याय के लिए 50 फीसदी आरक्षण की दीवार को तोड़कर फेंक दिया जाएगा तथा दूसरी, देश में पिछड़े, अतिपिछड़े और दलितों को उचित भागीदारी नहीं मिली है, इसके लिए जाति-जनगणना कराई जाएगी। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार ने डर कर जाति-जनगणना की बात मान ली है। गांधी ने कहा कि यह संकल्प अतिपिछड़ों की आवाज है और इसे लागू किया जाएगा।

कांग्रेस ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपना अभियान तेज करते हुए बुधवार को कथित वोट चोरी, अर्थव्यवस्था, आरक्षण सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर भाजपा पर तीखा हमला बोला और कहा कि बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से मोदी सरकार के भ्रष्ट शासन के अंत की शुरुआत होगी।

पार्टी की विस्तारित कार्य समिति की बैठक में देश के मुख्य विपक्षी दल ने विदेश नीति को लेकर भी मोदी सरकार को कटघरे में खड़ा किया और दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'हग्लोमैसी' (गले मिलने की कूटनीति) ने भारत को कूटनीतिक रूप से अलग-थलग कर दिया है। बिहार प्रदेश कमेटी के मुख्यालय सदाकत आश्रम में चार घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में दो प्रस्ताव पारित किए गए जिनमें एक राजनीतिक और दूसरा बिहार से संबंधित है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार कांग्रेस कार्य समिति की बैठक बिहार में हुई है। बिहार में इस साल नवंबर में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, जयराम रमेश और नेता शामिल हुए।

नेशनल ब्रीफ

ईडी ने 1.05 करोड़ की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली। ईडी ने कहा कि उसने पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे से धन की हेराफेरी के सिलसिले में 1.05 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्ति कुर्क की है। यह कार्रवाई बुधवार को ईडी के गुवाहाटी क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा शुरू की गई थी। यह मामला पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के पूर्व वरिष्ठ अनुभाग अधिकारी (लेखा) संजय चक्रवर्ती और दो अन्य लोगों पर केंद्रित है। ईडी के एक अधिकारी ने कहा, हमने 22 सितंबर को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत, भारतीय रेलवे से जुड़े 5.13 करोड़ रुपये के धन शोधन के एक मामले में 1.05 करोड़ मूल्य की चल संपत्ति कुर्क की।

मुर्मू की वृंदावन यात्रा के लिए प्रेसिडेंट स्पेशल

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को बृहस्पतिवार सुबह सफदरजंग रेलवे स्टेशन से मथुरा के पास वृंदावन रोड स्टेशन तक ले जाने के लिए दुनिया की सबसे शानदार ट्रेन में से एक महाराजा एक्सप्रेस का इस्तेमाल करेगा। यह ट्रेन सर्दियों के दौरान उच्च श्रेणी के पर्यटकों के लिए भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम द्वारा संचालित की जाती है। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया, 18 डिब्बों वाली इस ट्रेन में महाराजा एक्सप्रेस के 12 डिब्बे होंगे, जिनमें एक प्रेसिडेंशियल सुइट, डीलक्स सुइट, रेस्तरां, लाउंज और राष्ट्रपति और उनके कर्मचारियों के लिए पावर कार होंगी।

चार रास सीट के लिए 24 अक्टूबर को चुनाव

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर से राज्यसभा की चार सीट के लिए द्विवार्षिक चुनाव 24 अक्टूबर को होंगे। ये सीट 2021 से रिक्त हैं। निर्वाचन आयोग ने बुधवार को यह जानकारी दी। कार्यक्रम की घोषणा करते हुए, निर्वाचन आयोग ने कहा कि पूर्ववर्ती जम्मू-कश्मीर राज्य को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया गया है।

71 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में 71 माओवादियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है जिनमें से 30 नक्सलियों पर कुल 64 लाख रुपये का इनाम घोषित था। माओवादियों के आत्मसमर्पण को लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव ने कहा कि 'डबल इंजन' वाली सरकार 31 मार्च, 2026 तक नक्सलवाद का सफाया करने और आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों का पुनर्वास और बेहतर जीवन के लिए प्रतिबद्ध है।

कांग्रेस ने सहयोगियों से ड्राइविंग सीट लेने को बुलाई सीडब्ल्यूसी बैठक: रविशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी

● रविशंकर ने नीतीश कुमार के बारे में खरगे के बयानों की आलोचना की

भाजपा ने बुधवार को दावा किया कि कांग्रेस ने अपने सहयोगी दलों से ड्राइविंग सीट (निर्णायक भूमिका) अपने हाथ में लेने के लिए बिहार में पार्टी की कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक बुलाई, लेकिन लोग एक बार फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को समर्थन देंगे क्योंकि वे लालू प्रसाद यादव के शासनकाल में भय, अपहरण और भ्रष्टाचार के माहौल को नहीं भूले हैं।

भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस, जिसने 85 साल के बाद बिहार में सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाई है, को यह बताना होगा कि जब राज्य में लोगों का अपहरण हो रहा था, सरकारी धन की बंदरबांट हो रही थी और राजद के शासनकाल में पूरे राज्य में जाति के आधार पर हत्याएं हो रही थीं तब वह मौन क्यों रही? उन्होंने पटना में सीडब्ल्यूसी की बैठक में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बारे में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयानों की भी आलोचना की और उनसे कहा कि उन्हें आत्म-मंथन करना चाहिए कि उनकी पार्टी में उनकी क्या स्थिति है, जहां सत्ता की बागडोर किसी और के हाथ में है। प्रसाद ने भाजपा मुख्यालय में कहा कि पटना में कांग्रेस की सीडब्ल्यूसी की बैठक राजनीतिक फायदे के लिए है। उन्हें लगा कि वे नियंत्रण अपने हाथ में ले सकते हैं और बिहार में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए राजद से और सीटें मांग सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इसीलिए उन्होंने (विपक्ष) अब तक राजद नेता तेजस्वी यादव को बिहार में विपक्ष के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में घोषित नहीं किया है।

जुबिन मामले की सीबीआई जांच कराई जाए

गुवाहाटी। असम विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष देबब्रत सैकिया ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर प्रसिद्ध गायक और संगीतकार जुबिन गर्ग की मृत्यु की जांच सीबीआई से कराए जाने का आग्रह किया। गर्ग की पिछले सप्ताह सिंगापुर में समुद्र में डूबने से मृत्यु हो गई थी। असम जातीय परिषद और राइजोर दल (आरडी) जैसे अन्य विपक्षी दलों ने भी जुबिन गर्ग की मौत की जांच सीबीआई द्वारा कराए जाने की मांग की है। साथ ही एक व्यक्ति ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर कर अदालत की निगरानी में जांच की अपील की है।

निर्वाचन आयोग ने ई-सत्यापन प्रणाली की शुरू

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने मतदाता सूची से नाम हटाने की मांग के प्रावधान का दुरुपयोग रोकने के लिए एक ई-सत्यापन प्रक्रिया शुरू की है। मतदाता सूची से नाम हटाने या शामिल करने पर आपत्ति दर्ज कराने वालों को उनके पंजीकृत मोबाइल फोन पर एक बार इस्तेमाल होने वाला पासवर्ड (ओटीपी) मिलेगा।

एक अधिकारी ने बताया कि ऐसे मामले हो सकते हैं, जिसमें नाम हटाने की मांग करने वाला व्यक्ति ऑनलाइन आपत्ति दर्ज कराते समय किसी और का नाम या फ़ोन नंबर दे दे। यह अतिरिक्त सुविधा इस प्रकार का दुरुपयोग रोकेगी। यह सुविधा एक सप्ताह पहले शुरू की गई थी और निर्वाचन अधिकारियों ने कहा था कि यह कर्नाटक के आलंद विधानसभा क्षेत्र में नामों को हटाने के गलत प्रयासों की प्रतिक्रिया नहीं है।

जैसे हाल के दशकों में सूखी गंगा, वैसा पहले कभी नहीं हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

गंगा नदी के जल प्रवाह के 1300 वर्ष के रुझानों के विश्लेषण पर आधारित एक अध्ययन में कहा गया है कि पिछले कुछ दशकों में इस नदी में जलधारा सूखने की जो प्रवृत्ति देखी गई है, वह इस नदी घाटी में जीवन बसर कर रहे लाखों लोगों पर भीषण और अभूतपूर्व प्रभाव डाल सकती है।

राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की पत्रिका 'प्रोसीडिंग्स' में प्रकाशित निष्कर्षों में कहा गया है कि जलधारा सूखने की जैसी प्रवृत्ति '1991 से 2020 तक देखने को मिली वैसी पिछली सहस्राब्दी से पहले देखने को नहीं मिला। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गांधीनगर और अमेरिका के एरिजोना विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने गंगा के सूखने का संबंध दक्षिण-पश्चिम मानसून (जून-सितंबर) के दौरान कम वर्षा से जोड़ा है। दल ने 1991-2020 के दौरान उपकरणों, ऐतिहासिक अभिलेखों और जल प्रवाह के मॉडल के माध्यम से एकत्र किए गए आंकड़ों का उपयोग किया और पिछले 1,300 वर्षों (700-1990 ई.) के जल प्रवाह मॉडल का पुनर्निर्माण किया।

अध्ययन के लेखकों ने कहा, 60 करोड़ से अधिक लोगों के लिए महत्वपूर्ण गंगा नदी घाटी में जलधारा के प्रवाह में गंभीर और अभूतपूर्व कमी की प्रवृत्ति देखी जा रही है, जिससे जल और खाद्य सुरक्षा को खतरा पैदा हो रहा है। दल ने पाया कि 1990 के दशक से गंगा नदी जल प्रवाह के सूखने की जो प्रवृत्ति लगातार लम्बे काल से देखी गई, इसकी तुलना 16वीं शताब्दी में इसी तरह जलधारा सूखने से की जा सकती है किंतु मौजूदा प्रवृत्ति पिछली प्रवृत्ति की तुलना में 76 प्रतिशत अधिक विकट है।

अमृत विचार
लखनऊ, गुरुवार, 25 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

छात्रा ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

अमृत विचार, लखनऊ : बीबीडी इलाके में इंटर की छात्रा ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सुसाइड नोट में उसने सॉरी मम्मी-पापा लिखा है। घटना के कारणों का पता नहीं चला है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना क्षेत्र के बीबीडी ग्रीन निवासी सेजल सक्सेना (17) ने कमरे में दुपट्टे से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। परिजन ने पुलिस को बताया कि रात को खाने के बाद वह अपने कमरे चली गई। कुछ देर बाद मां कमरे में पहुंची तो शव पंखे में लटकता देखा।

मोबाइल चोरी कर खाते से निकाले 1.20 लाख

अमृत विचार, आलमबाग : मूलरूप से हरदोई देहात निवासी प्रज्जवल पाल प्रयागराज में रहकर पढ़ाई करते है। मंगलवार शाम वह प्रयागराज से लखनऊ पहुंचे। चारबाग बस स्टैंड बैठ अपना मोबाइल फोन चला रहे थे। इसी बीच बगल में बैठा अंजान बातचीत करने लगा। बोला कि मुझे बिहार जाना है कृपया मेरी मदद करें। इसी दौरान एक किशोर भी आ गया। उसके बाद तीनों ऑटो में बैठकर आलमबाग मेट्रो स्टेशन पहुंचे। प्रज्जवल ने बस स्टेशन दिखाया। धन्यवाद बोलकर दोनों बस स्टेशन में चले गए। मोबाइल गायब देख छात्र ने एटीएम कार्ड से खाता चेक किया तो पता चला कि 1.20 लाख रुपए निकल चुके है। छात्र ने आलमबाग थाने पहुंच पुलिस को घटना की जानकारी देते हुए लिखित शिकायत की। आलमबाग इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र सरोज ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर सीसी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

मकान से लाखों का सामान चोरी

अमृत विचार, लखनऊ : इंदिरानगर के वैष्ण विहार स्थित एक निजी कर्मी के मकान में चोरों ने जेवर समेत लाखों के माल पार कर दिया। वैष्ण विहार कॉलोनी निवासी निजी कर्मी अब्दुल मुजीब ने बताया कि वह अपने मामा के मकान में रहते हैं। मंगलवार को घर में ताला लगा कर झूटी पर चले गए। रात 10 बजे जब वह घर पहुंचे तो सामान बिखरा पड़ा था। जांच की तो पता चला कि चोरों ने जेवर, नकदी सहित हजारों का माल पार कर दिया। पीड़ित ने चोरी की सूचना डॉयल-112 पर दी। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन की। पीड़ित ने बताया कि चोर करीब दो लाख रुपये व लाखों के जेवर ले गए हैं। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

कक्षा 9 की छात्रा ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

अमृत विचार, लखनऊ : छितवापुर निवासी मजदूर बसीर की बेटी अदीबा (15) निजी स्कूल में कक्षा-9 में पढ़ती थी। एसओ शिवमंगल सिंह ने बताया कि कई दिनों से अदीबा स्कूल नहीं जा रही थी। बुधवार सुबह स्कूल प्रशासन ने मां को कॉल कर बुलाया था। इसपर मां स्कूल चली गई तो अदीबा घर में अकेली थी। उसने मकान की दूसरी मंजिल पर जाकर लोहे एंगल से दुपट्टा बांध कर आत्महत्या कर ली। जानकारी होने पर परिजन उसे फंदे से उतार कर बलरामपुर अस्पताल ले गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने छानबीन के बाद शव का पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

145 पंचायत सहायकों को नोटिस

अमृत विचार, लखनऊ : जिले में खरीफ फसलों का समय पर डिजिटल क्रॉप सर्वे पूरा होते नहीं दिख रहा है। 145 पंचायत सहायकों ने सर्वे शुरू तक नहीं किया है। खराब प्रगति पर काकोरी के 19 पंचायत सहायकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। खरीफ फसलों का वास्तविक आकलन करने के लिए पंचायत सहायकों को कुल 1,71,739 प्लाट यानी गाटे दिए गए हैं। जिन्हें इस माह के अंत तक खेतों में खड़ी फसलों का डिजिटल सर्वे करके फोटो व विवरण अपलोड करना है। लेकिन, सदर, सरोजनी नगर, मोहनलागंज, बीकेटी, मलिहाबाद क्षेत्र में 145 पंचायत सहायकों ने 1,43,007 गाटों में सर्वे शुरू नहीं किया गया है। जबकि अन्य गाटों की प्रगति आधा फीसद से भी कम है। मात्र 13 पंचायत सहायकों ने 100 फीसदी सर्वे पूर्ण किया है। अब तक कुल 28,732 प्लाट (16.73) फीसदी ही सर्वे पूर्ण हो पाया है।

महिला सफाईकर्मी की मौत, दी आर्थिक मदद

अमृत विचार, लखनऊ : वसीरतगंज-गणेशगंज क्षेत्र में सफाई के दौरान मंगलवार को नगर निगम की महिला सफाईकर्मी (गीता) की नेवले के काटने से मृत्यु हो गई। शीतल धर्मशाला के पास सफाई के दौरान यह हादसा हुआ। बुधवार को अपर नगर आयुक्त ललित कुमार और नगर स्वास्थ्य अधिकारी पीके श्रीवास्तव ने गीता के परिजनों से भेंट कर उन्हें 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक प्रदान की।

दो लाख की स्पोर्ट्स बाइक से चेन लूटने वाले चार गिरफ्तार

चार चेन, दो सोने के टुकड़े, आर15 बाइक समेत चार गाड़ी बरामद, चेन बेचकर पूरे करते थे शराब, कपड़े और अन्य शौक

संवाददाता, गोसाईंगंज

अमृत विचार : दो लाख रुपये कीमत की स्पोर्ट्स बाइक आर15 से महिलाओं के गले से चेन लूटने वाले गिरोह के चार सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लूटी गई चेन बेचकर शराब, कपड़े और अन्य शौक पूरे करते थे। आरोपियों के पास से चार चेन, दो सोने की चेन के टुकड़े और लूट में प्रयुक्त चार बाइक बरामद की गई हैं। सीसी कैमरों से बचने के लिए आरोपी बाइक की नंबर प्लेट तोड़ या मोड़ देते थे।

डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि चेन लूटने वाले गिरोह के बिजनौर थाना क्षेत्र के मकऊखेड़ा निवासी वसीर अली, वृंदावन सेक्टर-5 ई निवासी सुमित सिंह, पीएम आवास योजना सुशांत गोल्फ सिटी निवासी अरमान गिरि और पीजीआई थाना क्षेत्र के एकतानगर सभाखेड़ा निवासी सुधीर कुमार को गिरफ्तार किया गया है। इसमें वसीर गिरोह का सरगना है। आरोपियों के पास से आर15 स्पोर्ट्स बाइक बरामद की गई है। एडीसीपी साउथ रल्लापल्ली वसंथ कुमार ने बताया कि सुमित छात्र है, जबकि अरमान ब्लिंकिट का डिलीवरीमैन, सुधीर प्रॉपर्टी डीलिंग करता है और वसीर अंडा रोल का ठेला लगाता है। डीसीपी ने पुलिस टीम को 10 हजार रुपये इनाम की घोषणा की गई है।

पुलिस की गिरफ्त में चेन लूटने के आरोपी। अमृत विचार

पांच महीने में 10 वारदात को दिया अंजाम

- गिरोह के सदस्य आर15 बाइक और अन्य बाइकों से राह चलती महिला को चिह्नित कर पीछा करते थे। बाइक के पीछे की नंबर प्लेट को तोड़कर या मोड़कर चेन खींचते थे। गिरोह ने पांच महीने में तेलीबाग, वृंदावन कालोनी, आशियाना, सुशांत गोल्फ सिटी, कृष्णानगर व गोमतीनगर समेत कई अन्य इलाकों में 10 से अधिक वारदातों को अंजाम दिया है। गिरोह की सदस्यों में वसीर शातिर लुटेरा है। उसने बताया कि वारदात को अंजाम देने के समय सुमित आर15 बाइक चलाता था। दो दिन पहले ही एक महिला की चेन खींचकर सुमित के साथ भाग गया था। आरोपी लूटी गई चेन व अन्य सामान राह चलते बेचकर रुपये बांट लेते थे।उसी पैसे से शराब, कपड़े व अन्य शौक पूरा करते हैं।

दो दिन रेकी के बाद सुमित व वसीर करते थे लूट

- एसीपी ने बताया कि आरोपी अरमान व सुधीर बाइकों से घूमकर महिलाओं को चिन्हित करते थे। वह यह देखते थे कि चेन पहनी महिला कितने बाजार बाजार जाती या वॉक पर निकलती है। दो दिन रेकी करने के बाद साथियों को सूचना देते थे। जिसके बाद सुमित और वसीर वारदात को अंजाम देते थे। आरोपियों ने काफी उधारी लूट की रकम से अदा की है।

इन वारदातों का खुलासा

- **22 सितंबर :** सुशांत गोल्फ सिटी अवध विहार योजना के पास आराधना चौधरी से चेन लूट।
- **21 सितंबर :** पीजीआई में एमिटी स्कूल के पास निधि गौतम की बाली लूटी।
- **02 सितंबर :** सुशांत गोल्फ सिटी सेक्टर-7 प्रधानमंत्री आवास योजना के पास शिवम गुप्ता की मां से चेन लूट।
- **27 जुलाई :** सुशांत गोल्फ सिटी संतुष्टि अपार्टमेंट के पास विनीता तिवारी की चेन छीनी।
- **10 जून :** भागीरथी एंक्लेव निवासी अंजू गुप्ता की चेन खींची।
- **28 मई :** कृष्णानगर वीआईपी रोड पर सरोजनी अवस्थी से चेन लूट।

राजकीय हाईस्कूल और प्राइवेट कॉलेज में चोरी

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बंथरा थाना क्षेत्र में चोरों ने एक राजकीय हाईस्कूल और सरोजनीनगर में एक प्राइवेट कालेज में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। दोनों स्कूलों की प्रधानाचार्य ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। पहली घटना बंथरा के कुरौनी कासिम खेड़ा गांव स्थित राजकीय हाईस्कूल में हुई। प्रधानाचार्या विजयश्री ने बताया कि 13 सितंबर की सुबह वह पहुंची तो प्रधानाचार्य कक्ष और स्टाफ रूम का ताला टूटा मिला। आलमारी से लैपटॉप और टैबलेट गायब मिले। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन की। दूसरी घटना 21 सितंबर की रात को सरोजनीनगर के शांति नगर स्थित सेंट एंजिल्स कॉलेज में हुई। प्रधानाचार्या शालिनी चतुर्वेदी के मुताबिक अगले दिन सुबह जब स्कूल पहुंची तो विद्यालय परिसर से जनरेटर व तीन वाहनों की बैटरियां गायब मिलीं।

सरोजनीनगर तहसील में बार एसोसिएशन ने दिया धरना

संवाददाता, सरोजनीनगर

- 10 दिनों में समस्या दूर न होने पर आंदोलन की चेतावनी

अमृत विचार : सरोजनी नगर बार एसोसिएशन के सदस्यों ने बुधवार को तहसील परिसर में 15 सूत्रीय मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया।

संगठन के अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह और महामंत्री गोविंद प्रताप शुक्ला के नेतृत्व में आयोजित धरने के दौरान अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहे। धरना दे रहे वकीलों ने आरोप लगाया कि जिलाधिकारी के मौखिक आश्वासन के बावजूद तहसील में एसडीएम (न्यायिक) की नियुक्ति अब तक नहीं की गई है। इसके अलावा पट्टे की असंक्रमणीय जमीन को पांच वर्ष पूरे होने पर भी संक्रमणीय भूमिधर घोषित न किए जाने, दाखिल-खारिज प्रक्रिया में तहसीलदार द्वारा 13 बिंदुओं पर रिपोर्ट मांगे जाने और न्यायालयों में सुरक्षित आदेश फाइलों का समय पर निस्तारण न होने जैसे मामलों पर उन्होंने नाराजगी जताई।

धरना दे रहे वकीलों ने कहा कि इन सभी विषयों को लेकर पूर्व में कई बार पत्र दिया गया, लेकिन कार्रवाई न होने से अधिवक्ताओं में आक्रोश व्याप्त है। इस मौके पर अधिवक्ताओं ने 15 सूत्रीय मांग पत्र सरोजनी नगर एसडीएम अंकित शुक्ला को सौंपा। जिसके बाद एसडीएम ने समस्याओं के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन देकर वकीलों को शांत किया। वहीं धरना दे रहा है वकीलों का कहना था कि अगर 10 दिनों के भीतर अगर सारी व्यवस्थाएं सही नही हुईं तो आंदोलन किया जाएगा।

धरना देते सरोजनी नगर बार एसोसिएशन के सदस्य।

नसबंदी बाद बच्ची का जन्म, मुआवजे को छह माह से लगा रहे चक्कर

अमृत विचार, मलिहाबाद : मलिहाबाद क्षेत्र में नसबंदी के बाद महिला ने बच्ची को जन्म दिया है। मुआवजे के लिए करीब छह महीने से अधिकारियों के चक्कर लगा रहे हैं। संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायत के बाद सीएचसी से दोबारा से फाइल भेजने की बात कही गई है।

पति ने बताया कि 19 जुलाई 2024 को सीएचसी मलिहाबाद में पत्नी की नसबंदी डॉ. मोनिका अग्रवाल से कराई थी। लगभग आठ महीने बाद पत्नी ने बच्ची को जन्म दिया। नसबंदी फेल होने पर मुआवजे के लिए सीएचसी मलिहाबाद में संपर्क किया। आरोप है कि अधीक्षक और डॉक्टर मोनिका टरकाते रहे। सीएचसी अधीक्षक डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि महिला ने दोबारा जांच नही कराई इससे मुआवजे की फाइल रद्द कर दी गई है।

जानलेवा हमले में पिता-पुत्र गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : किशोरी से छेड़छाड़ के विरोध में व्यवसायी पर जानलेवा हमले के मामले में फरार आरोपी पिता-पुत्र को पारा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से डंडा बरामद किया है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। पकड़े गए आरोपियों में उदयराज उर्फ उदय यादव और उसके पिता पद्मन यादव निवासी मर्दनखेड़ा हैं।

रूपक कुलकर्णी की बांसुरी और अजय पोहनकर के गायन ने बांधा समां

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के संत गाडगे प्रेक्षागृह में बुधवार को पद्मविभूषण गिरिजा देवी की स्मृति को समर्पित सांगीतिक आयोजन पुष्पांजलि का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष प्रो. जयंत खोत, राजा मान सिंह तोमर संगीत महाविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. साहित्यत कुमार नाहर, संगीत नाटक अकादमी की पूर्व अध्यक्ष डॉ. पूर्णिमा पांडे और अकादमी के निदेशक डॉ. शोभित कुमार नाहर ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। कार्यक्रम में रूपक कुलकर्णी के बांसुरी वादन का आकर्षण देखने को मिला। उन्होंने राग यमन में अत्यंत सुरीली प्रस्तुति दी। उनके साथ तबले पर मिथलेश झा और बांसुरी पर मंजीत सिंह ने संगत की।

जेल से छूटे 30 अपराधियों की कुंडली तैयार, छापेमारी तेज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ जोन के चार जिलों में दबिशें, कई को हिरासत में लिया
- गुडंबा में चेन लूट के दौरान बदमाशों के धक्के से व्यवसायी की मौत का मामला

अमृत विचार : गुडंबा में चार नंबर चौराहे के पास चेन लुटेरों का पीछा करने के दौरान स्कूटी पर लात मारने से अतुल जैन की मौत के मामले में पुलिस ने जेल से छूटे 30 अपराधियों की सूची तैयार कर ली है। यह बदमाश लखनऊ व पड़ोसी जिलों के हैं। सर्विलांस के आधार पर पुलिस ने कई संदिग्धों को हिरासत में लिया है। जिनसे पूछताछ की जा रही है।

इसके साथ ही क्राइम ब्रांच, गुडंबा पुलिस व सर्विलांस सेल समेत छह टीमें लगातार छापेमारी कर रही है। दावा किया जा रहा है कि जल्द ही आरोपी गिरफ्त में होंगे। एसीपी गाजीपुर अनिद्य विक्रम सिंह ने बताया कि उन्नाव, सीतापुर, बाराबंकी के रूटों पर लगे करीब 150 से अधिक सीसी कैमरों को खंगाला गया है। कुछ कैमरों से अपाचे सवार बदमाशों के बारे में इनपुट मिला है। उसी आधार पर टीमें काम कर रही हैं। कैमरों से पता चला कि बदमाश लूट के बाद जानकीपुरम आकांक्षा कॉलोनी से होते हुए सीतापुर रोड पर पहुंचे। यहां बीकेटी तक बदमाश कई जगह लगे सीसी कैमरों में दिखे हैं। वहां से बदमाश किसान पथ की ओर जाते नजर आए हैं।

भाजपा विधायक पहुंचे पीड़ित परिजन से मिलने

- उत्तरी क्षेत्र से भाजपा विधायक नीरज बोरा बुधवार रात घटना में जान गंवाने वाले व्यवसायी अतुल कुमार के घर पहुंचे। भाई आशीष जैन व अन्य परिवारवालों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाया। आश्वासन दिया कि वे और सरकार उनके साथ उनके साथ खड़ी है। हर संभव मदद का आश्वासन दिया। इसके बाद पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर से फोन पर बात कर परिवार की सुरक्षा और घटना के जल्द खुलासे के लिए कहा।

स्वदेशी उद्यमिता विकास यात्रा आज से

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- स्वदेशी के समर्थन में यात्रा कई जिलों का करेगी भ्रमण

अमृत विचार : स्वदेशी जागरण मंच स्वदेशी भारत अभियान एवं अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के संयुक्त तत्वावधान में स्वदेशी उद्यमिता विकास यात्रा लखनऊ से गुरुवार को प्रारंभ होगी। अवध प्रांत के 13 जनपदों में भ्रमण करेगी।

स्वदेशी जागरण मंच के पूर्वी क्षेत्र संयोजक अनुपम श्रीवास्तव, संदीप बंसल, लघु उद्योग भारती की प्रदेश उपाध्यक्ष रीता मित्तल, यात्रा संयोजक अमित सिंह ने बताया कि यात्रा कौशल विकास मिशन ऑडिटोरियम अलीगंज से शुरू होगी। यहां से कपूरथला, रहीमनगर, निशातगंज, महानगर, आईटी कॉलेज जाएगी। यात्रा 26 को रायबरेली, 27 को अंबेडकरनगर, अयोध्या 28 को गोंडा, बलरामपुर 29 को, श्रावस्ती बहराइच 30 को, लखीमपुर खीरी, सीतापुर 1 अक्टूबर को, हरदोई उन्नाव और 2 अक्टूबर को बाराबंकी पहुंचकर पहले चरण की यात्रा संपन्न हो जाएगी।

स्वदेशी के समर्थन में निकाली जा रही यात्रा को लेकर वार्ता करते व्यापारी और संगठन के लोग।

प्रमुख सचिव से मिले व्यापारी, दिया सुझाव पत्र

- **अमृत विचार, लखनऊ :** अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल उत्तर प्रदेश राज्य कर के प्रमुख सचिव एम देवराज से लाल बहादुर शास्त्री भवन में मिले और उन्हें 18 सूत्रीय सुझाव पत्र सौंपा। अध्यक्ष ने कहा कि विभाग के अधिकारी जीएसटी के लिए डराए नहीं व्यापारियों का सहयोग करें क्योंकि व्यापारी ही उत्तर प्रदेश को उद्योग और व्यापार की दृष्टि से पहले स्थान पर लाएगा। उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन, कपड़ा, स्टेशनरी जैसे व्यापार पर एक ही प्रकार का टैक्स होना चाहिए और खास तौर पर लखनऊ की चिकनकारी हस्तशिल्प के अंतर्गत आता है उसे पर कर समाप्त होना चाहिए। महानगर अध्यक्ष सुरेश छाबलानी, श्रवण अग्रहरि, राजीव बंसल, अनिल उपाध्याय, जावेद बेग उपस्थित रहे। राज्य कर से संयुक्त आयुक्त मुकेश चंद्र पांडे, विशेष सचिव ज्योत्सना आदि उपस्थित रहे।

बंसल ने कहा कि प्रत्येक भारतीय स्वदेशी के महत्व को समझे और अपने दैनिक जीवन में स्वदेशी इस्तेमाल करें इसके लिए इस यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। 25 सितंबर पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती से इसका शुभारंभ किया जा रहा है। यह यात्रा 2:00 बजे से प्रारंभ होगी। इस दौरान कुलदीप खरे, सुरेश छबलानी, श्रवण अग्रहरि, हर्षवर्धन सिंह, अनिल शुक्ला उपस्थित रहे।

परिचित ने बैंक में बंधक मकान का करा दिया बैनामा

अमृत विचार, लखनऊ: परिचित ने धोखाधड़ी कर आजमगढ़ के व्यवसायी को बैंक में गिरवी मकान का बैनामा करवा दिया। बैंक का वसूली नोटिस चस्पा होने पर जानकारी हुई। साजिश के तहत ही आरोपियों ने व्यवसायी पर ही वाद दायर कर दिया। पीड़ित ने फर्जीवाड़े में बैंक प्रबंधक के शामिल होने का भी आरोप लगाया है। जिलाधिकारी के आदेश पर बीबीडी पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मूल रूप से आजगमढ़ के छपरा भीलमपुर बुढनपुर निवासी व्यवसायी राकेश कुमार ने मकान खरीदने के सिलसिले में तीन साल पहले विनम्र खंड-2 निवासी राजेश शुक्ला से मुलाकात की। राजेश ने उनकी मुलाकात ग्राम हासेमऊ बीबीडी निवासी भगवान यादव से मिलवाया। हासेमऊ स्थित 480 वर्ग फीट का मकान देखकर सौदा तय कर लिया। राकेश के पिता मिश्रीराम ने लोन लेकर 10 लाख रुपये भुगतान कर मकान का बैनामा करा लिया। 31 मई 2024 को मकान पर आर्यावर्त बैंक का 14,63,674 रुपये का वसूली नोटिस चस्पा था। इंस्पेक्टर राम सिंह ने बताया कि बैंक अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध हैं। पूछताछ की जाएगी।

सिटी डायरी

गर्भवती महिलाओं की गोदभराई करतीं अपर्णा यादव।

गर्भवती लें पौष्टिक आहार : अपर्णा

अमृतविचार, निगोहां : राष्ट्रीय पोषण माह के तहत बुधवार को राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव निगोहां के लालपुर गांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचीं। इस अवसर अर्पणा यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों को फूल माला पहनाकर अन्नप्राशन कराया, साथ ही गर्भवती महिलाओं की गोदभराई और कन्याओं को भोज कराया। वहीं मौजूद महिलाओं को सही तरीके से पोषाहार लेने की सलाह दी और जागरूक किया। बताया कि महिलाएं सुबह उठते ही चाय की जगह पौष्टिक आहार जैसे दलिया, दूध, दही, व फलों, का प्रयोग करें, तो गर्भ में पल रहे बच्चे के साथ खुद भी स्वस्थ्य रहेंगी। इसके बाद आंगनबाड़ी केंद्र के प्रांगण में पौधरोपण भी किया। कार्यक्रम में सीडीपीओ दिलीप सिंह, सुपरवाइजर सुनीता बाजपेई, महिला ग्राम प्रधान नीरज सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एक दिन की खंड शिक्षा अधिकारी बनीं सोनाक्षी के साथ अधिकारी।

छात्रा ने संभाला अधिकारी का कामकाज

अमृत विचार, मोहनलालगंज : मिशन शक्ति के तहत बेटियों को सशक्त बनाने की दिशा में बेसिक शिक्षा विभाग ने एक अनूठी पहल शुरू की है, जिसमें बच्चियों को एक दिन का अधिकारी बनाया जा रहा है। मोहनलालगंज में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की कक्षा-7 की छात्रा सोनाक्षी को खंड शिक्षा अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया। छात्रा ने कक्षाओं का निरीक्षण कर बच्चों की उपस्थिति जांची एवं राष्ट्रीय आय योग्यता आधारित परीक्षा फॉर्म भरने के निर्देश दिए, साथ ही पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया। खंड शिक्षा अधिकारी सुशील कुमार ने बताया कि मिशन शक्ति पांच उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है। इस अवसर पर ब्लॉक मोहनलालगंज की एआरपी अदिति पांडे ने छात्रा को शुभकामनाएं दीं।

जागरूकता कार्यक्रम में मौजूद छात्राएं।

साइबर सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

अमृत विचार, निगोहां : बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए निगोहां पुलिस द्वारा बुधवार को रघुनाथ खेड़ा के एसबीएन इंटर कॉलेज में छात्राओं के लिए विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महिला पुलिसकर्मियों की टीम ने छात्राओं को सोशल मीडिया पर सुरक्षित रहने के तरीके, फर्जी कॉल, ब्लैकमेलिंग, अश्लील मैसेज और संदिग्ध लिंक से बचने के उपाय विस्तार से बताए। छात्राओं को यह भी बताया गया कि वे कभी भी अपनी बैंक डिटेल्स, ओटीपी, पासवर्ड या कोई भी व्यक्तिगत जानकारी किसी अज्ञात व्यक्ति से साझा न करें। पुलिस टीम ने ऑनलाइन गेमिंग के नाम पर हो रही ठगी पर विशेष रूप से प्रकाश डाला।

महिलाओं को टब और बाल्टी देते आयोजक और अतिथि।

शिविर आयोजित

अमृत विचार, काकोरी : काकोरी में एमसीएच विंग की ओर से स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन जय देवी कौशल, सदस्य विधानसभा मलिहाबाद एवं जिलाध्यक्ष भाजपा विजय मौर्य ने संयुक्त रूप से किया। शिविर में बलरामपुर चिकित्सालय से डॉ. अभय सिंह तथा उनकी टीम द्वारा मानसिक रोगियों के उपचार के लिए जांच करते हुए दवा वितरण किया गया। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष विपिन राजपूत उपस्थित रहे।

चयन | रोडवेज परिषद की केंद्रीय कार्यकारिणी के चुनाव संपन्न

गिरिजा शंकर अध्यक्ष, गिरीश मिश्र बने महामंत्री

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद की केंद्रीय कार्यकारिणी का चुनाव चारबाग बस स्टेशन, लखनऊ में हुआ। प्रदेश भर की 200 से अधिक प्राथमिक इकाइयों, 20 क्षेत्रीय इकाइयों और विशिष्ट इकाइयों के प्रतिनिधियों ने इस चुनाव में हिस्सा लिया। चुनाव प्रक्रिया की निगरानी चुनाव अधिकारी घनश्याम यादव महासचिव, उप्र राज्य निगम कर्मचारी महासंघ ने की।

सभा में गिरिजा शंकर तिवारी को लगातार दूसरी बार प्रांतीय अध्यक्ष और गिरीश चंद्र मिश्र को 12वीं बार प्रांतीय महामंत्री पद पर निर्विरोध चुना गया। इस अवसर पर निगम महासंघ के अध्यक्ष मनोज कुमार मिश्र मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अन्य निर्वाचित पदाधिकारियों में रविन्द्र कुमार वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अरविन्द कुरील, गुलजार अहमद, महेश कुमार राय, सुरेश चन्द्र पांडेय उपाध्यक्ष, संजय कुमार राणा अपर महामंत्री, चन्द्र हंस, सुरेश चन्द्र मिश्र, विवेकानंद सिन्हा, सतीश कुमार उप महामंत्री, बीके शुक्ल कोषाध्यक्ष, धर्मेन्द्र सिंह संगठन मंत्री और वेदरत्न वर्मा प्रचार व सांस्कृतिक मंत्री शामिल हैं। साथ ही 42 सदस्यीय कार्यकारिणी भी सर्वसम्मति से निर्विरोध चुनी गई। घनश्याम यादव ने बताया कि चुनाव में प्रतिनिधियों का जोश व भागीदारी उल्लेखनीय रही और पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित हुई।

उत्तर प्रदेश रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के चुनाव में विजयी सदस्य। अमृत विचार

अमृत विचार

लखनऊ महानगर

www.amritvichar.com

लखनऊ, गुरुवार, 25 सितंबर 2025

सुविचार

सफलता हमेशा असफलता के स्तंभ पर खड़ी होती है। इसलिए किसी को भी असफलता से घबराना नहीं चाहिए।

-सुभाष चंद्र बोस

लखनऊ के प्रमुख समाचार

- 72 घंटे बाद फिर दिखा तेंदुआ II
- महोत्सव में उठे लैंगिक समानता व स्त्री अस्मिता के सवाल III
- 400 महाविद्यालयों की मान्यता की हो रही जांच IV

शहर में आज

- राजभवन में नारी शक्ति वंदन एवं 5100 कन्याओं के पूजन, एचपीवी टीकाकरण एवं कैंसर जागरूकता कार्यक्रम– 9 :30 बजे।
- बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में सेवा पखवाड़ा के तहत विविध कार्यक्रम– 10 :00 बजे।
- इंदिरा नगर स्थित विकास भवन के लोहिया सभागार में राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव की अध्यक्षता में 'पोषण पंचायत– 12 :30 बजे।
- ऐशबाग ईदगाह से इस्लामिक सेंटर ऑफ़ इंडिया की और से पंजाब के बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री के वाहन की रवानगी– 1 :30 बजे।
- कैसरबाग स्थित सनतकदा में लखनऊ बायोस्कोप की ओर से कार्यक्रम पन्नों के भीतर में आदिल अहमद की किताब तहजीब : अवध के खानपान की परंपराओं का पाठ– 7 :00 बजे।

सिटी ब्रीफ

आज अमृत सरोवर पर करेंगे श्रमदान

अमृत विचार, लखनऊ : स्वच्छता ही सेवा अभियान गुरुवार को अमृत सरोवर पर श्रमदान करके मनाया जाएगा। ''एक दिन, एक घंटा, एक साथ'' पहल से लोग भागीदारी निभाएंगे। अमृत सरोवर परिसर में साफ–सफाई की जाएगी और स्वच्छता संबंधित अन्य कार्य किए जाएंगे। इसमें जनप्रतिनिधि, अधिकारी व ग्रामीणों की सहभागिता रहेगी।

रेरा ने 111 एजेंट को बांटे प्रमाण पत्र

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र रियल एस्टेट रेगुलेटरी प्राधिकरण (रेरा) ने बुधवार को मुख्यालय में ''एजेंट प्रशिक्षण प्रमाणन कार्यक्रम'' आयोजित किया। इस दौरान अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने 16वें, 17वें और 18वें बैच के सफल अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। कहा कि यह प्रशिक्षण सभी एजेंट के लिए अनिवार्य है। अब तक 20 बैचों के प्रशिक्षण में 1620 अभ्यर्थियों ने भाग लिया है। इनमें 803 अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र दिए हैं।

कुट्टू आटा, मूंगफली सहित 18 नमूने सील

अमृत विचार, लखनऊ : नवरात्र के पर्व पर खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी पर अंकुश लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग (एफएसडीए) टीम ने बुधवार को विभिन्न प्रतिष्ठानों पर छापेमारी कर कुट्टू आटा, मूंगफली, साबूदाना सहित 18 नमूने सील कर प्रयोगशाला जांच के लिए भेजे। सहायक आयुक्त खाद्य विजय प्रताप सिंह ने बताया कि स्पेन्सर्स रिटेल लिमिटेड से सिंघाड़ा आटा, कुट्टू आटा, मूंगफली, साबूदाना, जेगरी, नमकीन, किशमिस, पंजीरी लड्डू के नमूने भरे गए। उन्होंने बताया कि जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

मंडल के 36,202 कर्मियों को मिलेगा बोनस

अमृत विचार, लखनऊ : केंद्र सरकार ने रेलवे के कर्मचारियों को बोनस देने की घोषणा की है। इसका लाभ उत्तर और पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के करीब 36,202 कर्मचारियों को मिलेगा। एनआरएमयू के शुभ्रांशु तिवारी ने बताया कि कर्मचारियों को 17,951 रुपए बोनस के तौर पर मिलेंगे।

रेजीडेंट डॉक्टर्स ने ओपीडी में तीन घंटे नहीं बनने दिए पर्चे

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में तीसरे दिन भी हुआ बवाल, मरीजों में रही अफरातफरी, बड़ी संख्या में बिना इलाज ही लौटे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- कुलपति ने दिया चारों रेजीडेंट के निलंबन वापसी का आश्वासन
- दोनों पक्षों में एफआईआर वापस लेने पर भी बनी सहमति
- दोपहर 2:30 बजे शुरू हो पाया पंजीयन, बढ़ाया गया समय

अमृत विचार : केजीएमयू में नर्सिंग अधिकारी और रेजीडेंट डॉक्टरों में मारपीट के बाद शुरू हुआ बवाल शांत नहीं हो रहा है। बुधवार को रेजीडेंट डॉक्टर्स ने ओपीडी में हंगामा कर पंजीकरण बंद करवा दिया। करीब तीन घंटे चले हंगामे के बाद कुलपति ने निलंबन स्थगित करने का आश्वासन दिया और दोनों पक्षों में एफआईआर रद्द कराने पर सहमति बनी तब रेजिडेंट डॉक्टर्स शांत हुए। दोबारा पंजीकरण शुरू कराने के साथ समय दोपहर 2:30 बजे तक बढ़ा दिया गया, लेकिन तब तक बड़ी संख्या में मरीज लौट चुके थे। हंगामे के कारण सबसे ज्यादा परेशानी दूरदराज से आए मरीजों को हुई।

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में नर्सिंग अधिकारी से मारपीट के आरोप में चार रेजिडेंट के निलंबन के साथ नौ के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई थी। इसके विरोध में सोमवार से मंगलवार सुबह चार बजे तक रेजिडेंट डॉक्टर ने हंगामा किया।

इसकी वजह से इलाज प्रभावित हुआ था। वह मुकदमे के साथ 24 घंटे में निलंबन वापसी की मांग कर रहे थे। केजीएमयू प्रशासन ने जांच के लिए डीन प्रो. वीरेंद्र आतम की अध्यक्षता में समिति गठित की थी।

समिति को अपनी रिपोर्ट देनी है। इससे पहले बुधवार सुबह करीब 9 :30 बजे रेजिडेंट डॉक्टर्स ने ओपीडी पंजीकरण काउंटर बंद करा दिए। हंगामे के चलते वहां अफरातफरी मच गई।

काफी देर बवाल चलने से ज्यादातर मरीज लौट गए, लेकिन दूसरे से आए बड़ी संख्या में मरीजों ने हंगामा खत्म होने की उम्मीद में परिसर में ही डेरा जमा लिया।

निराश बैठी मरीज अफसाना।

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय की ओपीडी में पर्चे न बनने से परेशान मरीजों को फर्श पर लिटाकर उनके आसपास बैठे तीमारदार। अमृत विचार

मरीज योगराज सिंह के टांके नहीं कट पाए।

फिलहाल के लिए निलंबन स्थगित हो गया है। इसके बाद रेजिडेंट ने कार्य बहिष्कार वापस ले लिया है। एफआईआर वापस लेने की भी दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति की बात चल रही है। अभी पूरे प्रकरण की जांच चल रही है।

– डॉ. केके सिंह, प्रवक्ता केजीएमयू

कुलपति से वार्ता होने के बाद निलंबन की कार्रवाई को वापस ले लिया गया है। एफआईआर रद्द करवाने की प्रक्रिया भी जल्द पूरी कराई जाएगी। फिलहाल कुलपति के आश्वान पर विरोध खत्म कर दिया गया है।

– डॉ. रणविजय पाटिल, अध्यक्ष आरडीए केजीएमयू

बच्चे के साथ बैठे बस्ती निवासी दिलीप।

बस्ती, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, रायबरेली और कानपुर से आए मरीजों को नहीं मिल पाया इलाज

- बस्ती के दुगौलिया बाजार निवासी दिलीप कुमार पांच वर्षीय बेटे के इलाज के लिए आए थे। बच्चे के मलद्वार नहीं था। दो बार ऑपरेशन हो चुका है। बच्चे को डॉक्टर को दिखाने लाए थे, लेकिन पंजीकरण नहीं हो पाया। इसी तरह पिपरिया बाईपास, लखीमपुर निवासी अफसाना भी भाई हारून के साथ आई थी। अफसाना के गुर्दे सिकुड़ गए हैं। पंजीकरण न होने से निराश बैठे थे। सीतापुर महोली के रहने वाले प्रशांत कुमार भी मां नीलम गुप्ता के साथ इलाज के लिए आए थे। नीलम ने बताया बुखार आने के बाद प्रशांत की किडनी में दिक्कत आ गई है। रायबरेली से योगराज सिंह भी हर्निया के ऑपरेशन के बाद टांके कटवाने के लिए आए थे। वह वॉकर के सहारे चल रहे थे, लेकिन पंजीकरण न होने से डॉक्टर ने नहीं देखा। ऐसी तरह कानपुर से से पवन सिंह भी मां मंजू को दिखने के लिए आए थे। पवन ने बताया मां के गले में फोड़ा है। कानपुर के अस्पताल में दिखाने पर डॉक्टरों ने कैंसर की आशंका होने पर केजीएमयू रेफर किया हैं। वहीं, निगोहा से आए रामसागर सहित दूर दर्ज से आए सैकड़ों मरीजों को इलाज नहीं मिल सका। इसके लिए वह रेजिडेंट के सामने गुहार लगाते रहे, लेकिन रेजिडेंट ने उनकी एक नहीं सुनी।

बीमार बेटे के पास बैठीं सीतापुर की नीलम गुप्ता।

घर बैठे ऑनलाइन देखें जमीनों की स्थिति

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- एलडीए ने शुरू की हाईटेक सुविधा
- वेबसाइट ldalucknow.in पर पूरा ब्योरा उपलब्ध

अमृत विचार : लखनऊ विकास प्राधिकरण ने जमीन खरीद की दिशा में एक हाईटेक सुविधा शुरू की है। इससे लोग फर्जीवाड़े का शिकार और गुमराह होने से बचेंगे। जो शहर में भूखंड खरीदना चाहते हैं वह ऑनलाइन घर बैठे एलडीए की वेबसाइट ldaluc know.in से जमीन की स्थिति जान सकते हैं। इससे सटीक जानकारी से मनपसंद जगह पर भूखंड खरीद सकेंगे।

भू-उपयोग की स्थिति जानने के लिए खरीदारों को वेबसाइट में सिटिजन सर्विस पर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसके बाद स्वामित्व सम्बंधी दस्तावेज, खसरा डिटेल व लोकेशन देनी होगी। यह विकल्प भरते ही जमीन का पूरा ब्योरा सामने होगा। जमीन आवासीय है या व्यावसायिक इसकी जानकारी मिलेगी। इसके अलावा जमीन सरकारी है या निजी, ग्रीन बेल्ट या अन्य कार्य के लिए आरक्षित है यह भी पता चलेगा। इस डिजिटल प्रक्रिया से जमीन की वास्तविक स्थिति का पता तो चलेगा ही साथ सही जानकारी मिलने से लोग मनपसंद जगह पर जमीन खरीद सकेंगे।

अर्जन भूमि की सीधे रजिस्ट्री, मौके पर भुगतान

- **अमृत विचार, लखनऊ :** लखनऊ विकास प्राधिकरण अब किसानों से समझौते के आधार पर जमीन लेकर तुरंत निबंधन कार्यालय में अपने पक्ष में रजिस्ट्री कराएगा। साथ ही किसानों को सीधे बैंक ड्रॉफ्ट के माध्यम से मौके पर प्रतिफल का भुगतान करेगा। इससे रजिस्ट्री कराने में समय की बचत होगी और बिना विवाद जमीन मिलने से जल्द आवासीय योजनाएं धरातल पर उतारी जा सकेंगी। एलडीए ने नवरात्र से नैमिष नगर और वरुण विहार योजना से नई व्यवस्था की शुरुआत कर दी है। बीकेटी स्थित नैमिष नगर योजना के लिए 140 किसानों ने सहमति से 27 .3418 हेक्टेयर भूमि देने के लिए सहमति पत्र दिए हैं। इनमें एलडीए ने तीन खातेदारों का सत्यापन करके 1 .80 बीघा जमीन लेकर सीधे निबंधन कार्यालय में अपने पक्ष में रजिस्ट्री कराई है। मौके पर ही बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से किसानों को 2,31,45,000 रुपये प्रतिफल दिया है। इसी तरह काकोरी स्थित आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस–वे स्थित वरुण विहार योजना के लिए 155 किसानों ने 41 हेक्टेयर भूमि देने के लिए समझौता पत्र दिए हैं। इनमें एलडीए ने चार किसानों से 9 .5 बीघा जमीन लेकर अपने पक्षी में सीधे रजिस्ट्री कराते हुए 6 .5 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। गौरतलब है कि पहले रजिस्ट्री और भुगतान की प्रक्रिया जिला प्रशासन के माध्यम से होती थी। जांच, भुगतान, कागजी प्रक्रिया, रजिस्ट्री आदि में महीनों लगते थे। भुगतान और रजिस्ट्री के बाद भी विवाद की स्थिति बनी रहती थी। बिचौलिये भी हावी रहते थे। आरोप–प्रत्योप लगते थे। किसान विरोध में धरना–प्रदर्शन भी करते थे। इससे योजनाएं प्रभावित होती थी और समय पर तैयार नहीं हो पाती थी। अब समझौता से जमीन लेकर सीधे रजिस्ट्री कराने से किसी तरह के विवाद की स्थिति नहीं बनेगी। संयुक्त सचिव सुशील प्रताप सिंह ने बताया कि इस व्यवस्था से किसानों को फायदा होगा। समय व भागदौड़ बचेगी। सीधे एलडीए के संपर्क में रहेंगे।

टाइम्स स्क्वॉयर समेत दो निर्माण पुनः सील

- लखनऊ विकास प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने बुधवार को मोहनलालगंज में पद्मजा डेवलपर्स की 60 बीघा में अवैध प्लाटिंग बुलडोजर से ध्वस्त कर दी। दूसरी ओर विभूति खंड में स्वीकृत मानचित्र के विपरीत टाइम्स स्क्वॉयर समेत दो निर्माण पुनः सील किए। प्रवर्तन जोन–1 की जोनल अधिकारी संगीता राघव ने बताया कि विभूति खंड में तौफीक, तौसीफ व अन्य द्वारा भूखंड संख्या–बी–98ए पर 990 वर्गमीटर में अवैध रूप से टाइम्स स्क्वॉयर कॉमर्शियल नाम से बिल्डिंग का निर्माण कराया जा रहा है। इसी क्षेत्र में भूखंड संख्या–बी–78 पर 243 वर्गमीटर में अर्चना वर्मा व अन्य द्वारा व्यावसायिक भवन का निर्माण कराया जा रहा है। दोनों निर्माण प्राधिकरण से स्वीकृत मानचित्र के विपरीत बनाने पर सील किए गए। इससे पहले भी दोनों निर्माण नियमों का उल्लंघन करने पर सील किए थे। प्रवर्तन जोन–2 के जोनल अधिकारी विराग करवरिया ने बताया कि मोहनलालगंज के ग्राम अतरौली में रेलवे क्रासिंग के पास मेसर्स पद्मजा इन्फ्रा बिल्ड प्रालि के राजीव सिंह, राम प्रताप सिंह व अन्य द्वारा 60 बीघा क्षेत्रफल में अनाधिकृत रूप से प्लाटिंग करके कॉलोनी विकसित की जा रही। निर्माण का प्राधिकरण से ले–आउट स्वीकृत न कराने पर टीम ने डेवलपर्स द्वारा बनाई गई सड़क, नाली, बाउन्ड्रीवॉल समेत अन्य स्थायी निर्माण ध्वस्त कर दिए।

यात्री सुरक्षा के लिए रेलवे ने जारी की अपील

अमृत विचार, लखनऊ : पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल प्रशासन ने यात्रियों के लिए एक अपील जारी की है, जिससे त्योहारों पर सुरक्षित यात्रा के साथ स्पेशल ट्रेनों का संचालन बेहतर तरीके से हो सके। रेलवे प्रशासन ने स्टेशनों और फुट ओवर ब्रिज पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए लोगों से एकत्र न होने की अपील की है। साथ ही रेलवे ट्रैक को पार करने के लिए फुट ओवर ब्रिज का इस्तेमाल करने, लावारिस वस्तुओं को बिना छुए,आरपीएफ व जीआरपी को जल्द से जल्द सूचित करने को कहा है। इसके अलावा ज्वलनशील सामग्री को साथ न ले जानें, यात्रा के दौरान ट्रेन के पायदान और छत पर न बैठने की सलाह दी है। वहीं रेल संबंधी किसी भी समस्या का त्वरित और प्रभावी समाधान के लिए हेल्पलाइन 139 और वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in व रेल मदद एप का इस्तेमाल करने की सलाह दी है।

150 करोड़ खर्च, फिर भी नहीं मिल पा रही 24 घंटे बिजली

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- 50 करोड़ के मेंटीनेंस बजट के बाद भी त्योहारों पर पटरी नहीं आ रही बिजली व्यवस्था

अमृत विचार : शहर में निर्बाध आपूर्ति के लिए बिजली विभाग 150 करोड़ रुपये खर्च कर चुका है। इसके बावजूद फाल्ट्र, ट्रपिंग और लो वोल्टेज की समस्या से निजात नहीं मिल रही है। नवरात्र में भी 24 घंटे बिजली आपूर्ति करने का दावा खोखला ही साबित हो रहा है। पिछले 48 घंटे में विभिन्न क्षेत्रों में ट्रांसफार्मर के फुंकने, जम्फर, पेटीबॉक्स, एबीसी लाइन में आए फॉल्ट से आपूर्ति बाधित रही।

राजधानी के करीब साढ़े 14 लाख उपभोक्ताओं को 24 घंटे बिजली मुहैया कराने के लिए विभाग ने मरम्मत के लिए 50 करोड़ का बजट जारी किया। इससे तार, ट्रांसफार्मर, अंडरग्राउंड केबल, पेटीफ्यूज, जम्फर, फीडरों के रखरखाव, बिजली के खंभों को बदलने सहित कई तकनीकी खामियां दूर की जा रही हैं। इसके बावजूद आलमबाग, गोमतीनगर, अलीगंज, महानगर, इंदिरानगर, चौक, ऐशबाग, यहियागंज, पुरनिया, बंगला बाजार, सरोजनीनगर, बीकेटी, डालीगंज सहित शहर के विभिन्न इलाकों में 5-6 घंटे से सप्लाई बाधित है।

मुख्य अभियंता ट्रांसगोमती ओपी सिंह का कहना है कि बजट से जरूरी सभी काम कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही अधिकारियों और कर्मचारियों को क्षेत्र में लगे बिजली उपकरणों को लगातार चेक करने के निर्देश दिए गए हैं। हमारी पूरी कोशिश रहेगी कि हम त्योहार में उपभोक्ता को 24 घंटे आपूर्ति मुहैया करा सके, इसके लिए जो भी कदम उठाने होंगे, उठाए जाएंगे।

इसके पहले हो चुका है 100 करोड़ खर्च

- शहर में सुचारु बिजली आपूर्ति के लिए लेसा की ओर से कुछ वर्षों से आरडीएसएस योजना के तहत 100 करोड़ रुपये से अधिक की रकम को खर्च किया जा चुका है। बावजूद इसके त्योहार के इस सीजन में विभाग की ओर से 24 घंटे आपूर्ति मुहैया नहीं कराई जा सकी है। कई इलाकों में घंटों सप्लाई बंद होने के साथ ट्रिपिंग, लो वोल्टज, ट्रांसफार्मर में फॉल्ट होना बदस्तूर जारी है।

अपर निदेशक को ज्ञापन देते संघ के पदाधिकारी। अमृत विचार

मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ: संयुक्त राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ उप्र. की ओर से एनएचएम संविदा कर्मचारियों ने बुधवार को उप मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के अपर निदेशक डॉ. जीपी गुप्ता को सौंपा गया। अन्य जिलों में भी ज्ञापन सौंपे गए। संघ के महामंत्री योगेश उपाध्याय ने बताया कि ज्ञापन में तय समय पर वेतन, निगम की तरह लाभ, एनएचएम संविदा कर्मचारियों के लिए स्थायी वेतन नीति बनाने की मांग की गई है। ज्ञापन देने वालों में जिलाध्यक्ष डॉ. अभयानंद, प्रदेश उपाध्यक्ष अम्मार जाफरी, राम लालित, दुर्गेश, ललित, राघवेंद्र, सुबोध, अशोक समेत अन्य रहे। ज्ञापन देने के कुछ देर बाद अगस्त के बकाया वेतन के लिए बजट जारी कर दिया गया है। संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अनिल गुप्ता ने इस सकारात्मक पहल के लिए मिशन निदेशक का आभार जताया।

राहत | उच्च कोटि की तकनीक का प्रयोग कर कैंसर की कोशिकाओं पर विकिरण से वार करेगी मशीन

कैंसर संस्थान में जल्द शुरू होगी साइबर नाइफ रेडियोथेरेपी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : चक गंजरिया स्थित कल्याण सिंह सुपर स्पेशलिटी कैंसर संस्थान में साइबर नाइफ रेडियोथेरेपी मशीन आ गई है। जल्द ही इसे संस्थान में स्थापित कर दिया जाएगा। इस मशीन से कैंसर की कोशिकाओं पर विकिरण के जरिए वार करके मरीजों का इलाज किया जाएगा। अभी केवल गुजरात के अहमदाबाद में कैंसर रिसर्च सेंटर में ये मशीन हैं।

संस्थान के निदेशक डॉ. एमएलबी भट्ट ने बताया कि ये अत्याधुनिक, अति परिष्कृत रोबोटिक मशीन उच्च कोटि की तकनीक का प्रयोग करके कैंसर की कोशिकाओं पर विकिरण का वार करती है। इसके जरिए दिमाग, रीढ़, फेफड़े, लिवर, अग्न्याशय और प्रोस्टेट आदि अंगों में पाए जाने वाले जटिल, ऑपरेशन न हो सकने वाले या पुनः विकसित ट्यूमर का गैर इनवेसिव और अत्यंत सटीक इलाज संभव हो पाएगा। चलायमान ट्यूमर जैसे की फेफड़ों के कैंसर का इलाज भी संभव होगा।

सुविधा का लाभ पड़ोसी देशों जैसे नेपाल, बंगलादेश, भूटान आदि के मरीजों को भी मिलेगा। संस्थान में पहले से ही स्थापित दो उच्च तकनीक वाले लीनियर एक्सेलरेटर पर रोजाना करीब 150 मरीजों को विकिरण चिकित्सा प्रदान की जा रही है। अब इस मशीन के लगने के बाद मरीजों की संख्या बढ़ेगी।

कैंसर संस्थान के वित्त अधिकारी एवं संयुक्त निदेशक एमएम रजनीकांत वर्मा ने बताया कि रोबोट माउंटेड एसआरएस एवं एसबीआरटी सिस्टम अर्थात साइबरनाइफ का ई टेंडर इसी सात जनवरी को जारी हुआ था। उच्च स्तरीय क्रय समिति की स्वीकृति के बाद 30 मार्च को इसका क्रय आदेश जारी हुआ। बाद में एलसी 26 जून को स्थापित हुई। अब यह मशीन संस्थान में पहुंच चुकी है। इसकी स्थापना की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जिससे मरीजों को जल्द से जल्द लाभ मिल सके।

इलाज और शोध के लिए कैंसर संस्थान लोहिया में हुआ एमओयू

अमृत विचार, लखनऊ : कैंसर मरीजों को बेहतर इलाज देने और ऐसे मरीजों से जुड़े शोध आगे बढ़ाने के लिए डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान और कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान मिलकर काम करेंगे। इसके लिए दोनों संस्थान के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुआ है। कैंसर संस्थान के निदेशक डॉ. एमएलबी भट्ट और लोहिया संस्थान के निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने एमओयू हस्ताक्षर किए हैं।डॉ. भट्ट ने बताया कि ऑन्कोलॉजिकल सेवाओं का विस्तार करने, कैंसर की रोकथाम, निदान, इलाज और कैंसर मरीजों पर वैक्सीन परीक्षणों समेत संयुक्त सामुदायिक कार्यक्रम में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एमओयू किया गया है। इस मौके पर कैंसर संस्थान से डीन डॉ. सबुही कुरैशी, कार्यकारी रजिस्ट्रार डॉ. आयुष लोहिया, एमएस डॉ. डॉ. वरुण विजय और लोहिया संस्थान के सीएमएस डॉ. विक्रम सिंह, एमएस डॉ. अरविंद कुमार सिंह मौजूद रहे। लोहिया संस्थान के निदेशक ने बताया कि यह एमओयू देश के अग्रणी कैंसर अनुसंधान संस्थानों में शामिल कैंसर संस्थान और सुपर स्पेशियलिटी चिकित्सा संस्थान के बीच शिक्षण, प्रशिक्षण और शोध के क्षेत्र में एक रणनीतिक सहयोग की शुरुआत है। इस साझेदारी का उद्देश्य सहयोगात्मक अनुसंधान और नए हस्तक्षेप के विकास के लिए संकायों, वैज्ञानिकों, शोध छात्रों के आदान–प्रदान के माध्यम से ऑन्कोलॉजी और इससे संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान के क्षेत्र में नैदानिक, तकनीकी और समुदाय आधारित क्षमताओं को बढ़ाना है।

एमओयू का उद्देश्य

- अत्याधुनिक ऑन्कोलॉजिकल समाधानों और समुदाय आधारित गतिविधियों पर केंद्रित संयुक्त अनुसंधान की नई योजनाओं पर कार्य करना।
- कैंसर का शीघ्र पता लगाने और इलाज के लिए नई तकनीकों का विकास और उपयोग।
- सहयोगी शिक्षण और नवाचार के लिए वैज्ञानिक विशेषज्ञता और संकायों का आदान–प्रदान करना।
- यह समझौता कैंसर के खिलाफ भारत की लड़ाई में एक अहम कदम का प्रतिनिधित्व करता है।

उपनगरीय सेवा में जुड़ीं 20 बसें, यात्रियों को राहत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- त्योहारों को देखते हुए लिया गया फैसला

अमृत विचार: परिवहन निगम ने महानगर से उपनगरीय क्षेत्रों के आवागमन के लिए 20 बसें रूट पर उतारी हैं। इनमें 10 बसें कैसरबाग डिपो और 10 बसें हैदरगढ़ डिपो से ली गई हैं। ये बसें महिलाबाद, माल, रहिमाबाद, नगराम, शुक्ल बाजार, मौरावां, जगदीशपुर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों को शहर से जोड़ेंगी।

इन क्षेत्रों से प्रतिदिन हजारों कामकाजी लोग राजधानी आते हैं, लेकिन बसों की भारी कमी के कारण उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। वर्तमान में मौरावां के लिए चलने वाली एकमात्र बस ही इस सेवा की पहचान बनी हुई थी, जबकि बाकी रूटों पर यात्री घंटों बसों के इंतजार में भटकते रहे हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2005 में उपनगरीय बस सेवा की शुरुआत ग्रामीण अंचलों को लखनऊ जैसे बड़े शहर से जोड़ने के उद्देश्य से की गई थी। शुरुआत में यह सेवा कारगर रही, पर समय के साथ बसों की कमी और रख-रखाव के अभाव में यह सेवा लगातार कमजोर होती गई। क्षेत्रीय प्रबंधक आरके त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि नवरात्र और आगामी त्योहारों के मद्देनज़र यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि इन बसों के संचालन से यात्रियों को समय पर आवागमन की सुविधा मिलेगी और उन्हें राहत महसूस होगी।

सिटी ब्रीफ

घर में लगी आग गृहस्थी जली

अमृत विचार, पीजीआई : थाना क्षेत्र के एल्डिको उद्यान-2 स्थित सेक्टर-ई में बुधवार तड़के करीब 3 बजे एक मकान की चौथी मंजिल के कमरे में आग लग गई। हादसे में सिक्योरिटी गार्ड वरुणेंद्र सिंह का घरेलू सामान जल गया। चौथी मंजिल पर किराए के मकान में रह रहे वरुणेंद्र सिंह घटना के समय ड्यूटी पर थे। उनकी पत्नी संतोष, बेटियां वैष्णवी व लकी छत पर सो रही थीं। आग फ्रिज में शार्ट-सर्किट से लगी। उसके बाद आग धीरे-धीरे पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में नकदी, जेवर, बच्चों की किताबें, राशन और घरेलू सामान सब कुछ जल गया। तेज लपटों से दीवारों में भी दरारें पड़ गईं। दो दमकल गाड़ियों ने करीब दो घंटे में आग पर काबू पाया।

प्लॉट दिलाने के नाम पर ऐंठे 6 लाख रुपये

अमृत विचार, लखनऊ : प्लॉट दिलाने के नाम पर जालसाज ने एक व्यक्ति से छह लाख रुपये ऐंठ लिए। मूल रूप से बस्ती के सिविल लाइन निवासी शैलेंद्र कुमार प्रजापति ने बताया कि 2024 में पॉलिटेक्निक चौराहे पर जयप्रकाश सिंह से मुलाकात हुई। बातचीत में आरोपी ने चिनहट इलाके में प्लॉट दिलाने का झांसा दिया। जाल में फंसे पीड़ित ने ऑनलाइन व चेक से 6 लाख रुपये दिए। उसके बाद से आरोपी ने आनाकानी शुरु कर दी। रुपये वापस मांगने पर आरोपी जयप्रकाश ने गाली-गलौज कर धमकाया। एसीपी गाजीपुर अनिद्य विक्रम सिंह के आदेश पर गाजीपुर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

अमृत विचार, आशियाना : थाना क्षेत्र के रजनीखंड रेलवे ट्रैक पर बुधवार सुबह 22 वर्षीय मो. इरफान का शव पड़ा मिला। आशियाना पुलिस ने शव की शिनाख्त के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आशियाना इंस्पेक्टर छत्रपाल सिंह ने बताया कि इरफान पुत्र मो रुस्तम रजनीखंड लखनऊ का निवासी था। प्राथमिक जांच में पता चला है कि वह नशे का आदि था। उसकी जेब से थ्रीनर भी बरामद हुआ।

मकान में चोरी का प्रायास

अमृत विचार, आशियाना : थाना क्षेत्र के मानसरोवर योजना सेक्टर-ओ में पान मसाले की एक गुमटी के कारण इलाके में अराजकतत्व और शराबियों का जमावड़ा लगातार लग रहा है। इसी वजह से पड़ोसियों को सुरक्षा और परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। 22 जून की रात चार युवकों ने बाउंड्री फांद कर स्मिता चंद्रा के घर में चोरी करने का प्रयास किया। ग्राउंड फ्लोर पर सो रहे उनके पुत्र ने शोर मचाया तो चोर बगल के मकान से फरार हो गए। आशियाना इंस्पेक्टर छत्रपाल सिंह ने बताया कि पीड़िता ने मंगलवार को रिपोर्ट दर्ज कराई है।

इंस्टा पर दोस्ती कर बनाया वीडियो, मांगे रुपये

अमृत विचार, लखनऊ : महिला कर पति शराब पीकर मारपीट करता था। आए दिन घर से भगा देता था। मार्च में इंस्टाग्राम पर एक आईडी से मैसेज आया। मैसेज करने वाले ने अपना नाम सुरेंद्र कुमार निवासी कानपुर बताया। दोनों ने मोबाइल नंबर शेयर कर बातचीत शुरू कर दी। सुरेंद्र ने महिला को शादी का आश्वासन दिया। बातों में उलझाकर नग्न होकर वीडियो कॉल कराया और वीडियो रिकार्ड कर लिया। इसके बाद 50 हजार रुपये मांगे। रुपये न देने पर 5 सितंबर को वीडियो वॉयरल कर दिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने रंगदारी, धमकी व आईटी एक्ट की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

सपा विधायक के साले ने घर में फंदा लगाकर की आत्महत्या

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- अवसाद की बात आई सामने नहीं मिला सुसाइट नोट
- गोमतीनगर के सृजन विहार कॉलोनी की घटना

अमृत विचार : सपा विधायक कावेंद्र चौधरी के साले का शव बुधवार सुबह गोमतीनगर स्थित सृजन विहार कॉलोनी में फंदे पर लटका मिला। कई महीनों से वह अवसाद में थे, इसके के चलते आत्मघाती कदम उठा लिया। पुलिस ने कमरे में छानबीन की लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। कावेंद्र बस्ती जिले की कप्तानगंज विधानसभा सीट से विधायक हैं। उनके पिता राम प्रसाद चौधरी मंत्री रह चुके हैं।

कार्तिकेय राज

इंस्पेक्टर गोमतीनगर बृजेश चंद्र तिवारी ने बताया कि मूल रूप से अंबेडकरनगर जिले के बसखारी के आइनलपुर निवासी कार्तिकेय राज वर्मा (27) राजधानी के सृजन विहार में पिता शोभाराम वर्मा, मां नीलम, नानी के साथ रहते थे। उनके पिता बलिया में जिला पंचायत विभाग में इंजीनियर हैं। मंगलवार रात शोभाराम शहर से बाहर थे। परिवार के अन्य सदस्य खाना खाने के बाद सो गए। बुधवार सुबह सफाई के दौरान नौकर रामपाल कमरे कार्तिकेय को फंदे पर लटका देख चीख पड़ा। शोर होने पर परिजन पहुंचे और फंदे से उतारकर कार्तिकेय को राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। डॉयल-112 पर सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची।

परिजन ने पुलिस को बताया कि कार्तिकेय काफी समय से अवसाद में था। इंस्पेक्टर ने बताया कि मोबाइल को कब्जे में लिया गया है। जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। एसीपी गोमतीनगर बृज नारायण सिंह भी मौके पर पहुंचे। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर साक्ष्य जुटाए। शोभाराम के रिश्तेदार रिटायर्ड डीआईजी देवेंद्र कुमार चौधरी पहुंचे। उन्होंने भी अवसाद में होने की जानकारी दी। वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। कुछ माह पहले अंबेडकर नगर में होटल शुरु किया था।

सोशल मीडिया अकाउंट रिकवर करने का प्रयास

- पुलिस ने जांच शुरु की तो पता चला कि कार्तिकेय के सोशल मीडिया अकाउंट भी फॉरमेट है। पुलिस साइबर क्राइम सेल की मदद से उन अकाउंट का डाटा रिकवर करने का प्रयास कर रही है। इंस्पेक्टर ने बताया कि परिवारवालों की हालत सामान्य होने के बाद दोबारा बात की जाएगी।

किराना दुकानदार खुदकुशी मामले में पत्नी ने दी तहरीर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : मानकनगर के मेहंदीखेड़ा में किराना व्यवसायी वीरू यादव (44) खुदकुशी मामले में पत्नी ने पुलिस पर आरोपियों को बचाने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने पड़ोसियों के साथ ही एक दरोगा पर भी सुनवाई नहीं करने का आरोप लगाया है।

वहीं, एसीपी कृष्णानगर विकास पांडेय ने बताया कि पीड़िता ने तहरीर दी है। तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है। पत्नी नीलम ने बताया कि पति वीरू ने जहरीला पदार्थ खा लिया था। मंगलवार को उनकी मौत हो गई थी। पति को मोहल्ले में रहने वाले लोग प्रताड़ित कर रहे थे। सुसाइड नोट में भी मोहल्ले में रहने वाले सुरजीत और अन्य लोगों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया था। एसओ मानकनगर अजीत सिंह ने बताया कि सुसाइड नोट की हैंड राइटिंग का मिलान किया जा रहा है। साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

72 घंटे बाद रुचि खंड में फिर दिखा तेंदुआ

स्थानीय लोगों ने कैमरे में कैद कर सोशल मीडिया पर किया वायरल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- वन विभाग ने तीन टीमें बनाई, ट्रैप कैमरे भी लगाए गए
- लोगों से अंधेरा होने पर घरों से न निकलने की अपील

अमृत विचार : कैंट क्षेत्र रुचि खंड इलाके में 72 घंटे बाद बुधवार को फिर तेंदुआ नजर आया। सड़क पर टहलते तेंदुए की फोटो मोबाइल में कैद कर स्थानीय लोगों ने सोशल मीडिया पर वायरल की हैं। इसके बाद सक्रिय हुई वन विभाग की टीम ने माइक से अनाउंसमेंट कर लोगों से अंधेरे में घरों से बाहर न निकलने की अपील की है। बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी बरतने को कहा गया है।

इलाके में 21 सितंबर को तेंदुआ देखा गया था। तब एक कार सवार ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड किया था। वन विभाग की टीम को गन्ना संस्थान के पास तेंदुए के पैरों के निशान भी मिले थे। तब से वन विभाग की टीमें 24 घंटे निगरानी कर रही थीं। बुधवार को फिर तेंदुआ दिखने पर 3 टीमें गठित की गई हैं। जगह-जगह ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं। डीएफओ लखनऊ सितांशु पाण्डेय ने बताया कि तेंदुए पर नजर रखने और दबोचने के लिए सभी उपाय किए जा रहे हैं। शारदानगर प्रथम के पार्षद हिमांशु अंबेडकर ने बताया कि उन्हें तेंदुआ देखे जाने की जानकारी मिली है। वह मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लेने जा रहे हैं।

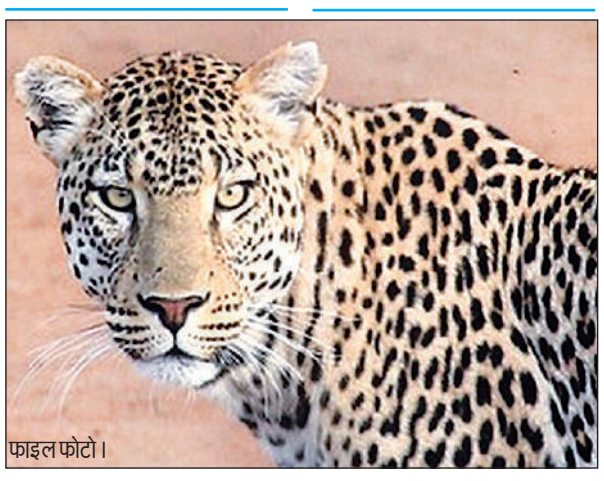

फाइल फोटो।

श्रद्धालुओं में भय का माहौल

- कैंट क्षेत्र में हनुमान सेतु, नवग्रह और दुर्गा मंदिर जैसे प्रसिद्ध धार्मिक स्थल हैं। तेंदुए की मौजूदगी के कारण इन मंदिरों में श्रद्धालुओं की आवाजाही पर भी असर पड़ा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शाम के समय पूजा-पाठ करने जाने से लोग अब डरने लगे हैं। इससे धार्मिक गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं।

सुरक्षा के लिए अलर्ट मोड पर वन विभाग

- ताजा घटनाक्रम के बाद वन विभाग और पुलिस दोनों ही पूरी सतर्कता बरत रहे हैं। रात में गश्त बढ़ा दी गई है और लोगों को जागरूक करने के लिए माइक से घोषणाएं की जा रही हैं। विभाग की कोशिश है कि जल्द से जल्द तेंदुए को सुरक्षित रेस्क्यू किया जा सके।

भाकियू ने घेरा नगर निगम मुख्यालय

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) के बैनर तले 14 दिनों से चल रहा किसानों का प्रदर्शन बुधवार को समाप्त हो गया। महापौर के निर्देश पर किसानों की भैंसों को बिना जुर्माना लिए छोड़ दिया गया।

किसानों की मांगों पर नगर निगम प्रशासन द्वारा 24 सितंबर की दी गई तारीख पर बुधवार को सैकड़ों किसान मुख्यालय पहुंच गए। उनके आने की सूचना मिलते ही गेट के सभी चैनल सुरक्षा गार्डों ने ताला लगा बंद कर दिए। इसके बाद किसान बाहर ही सड़क पर तिरपाल बिछाकर पंचायत करने लगे। महिलाओं ने खाना तैयार किया वहीं किसानों ने ढोल मंजीरा बजाते हुए लोकगीत के माध्यम से विरोध जताया। इससे सड़क पर भारी जाम लग गया।

नगर निगम मुख्यालय के गेट पर धरना देकर नारेबाजी करते भाकियू पदाधिकारी व सदस्य। अमृत विचार

- नगर निगम प्रशासन ने मानीं मांगें जुर्माना जमा करा छोड़ीं भैंस
- चैनल पर जड़ा ताला तो किसान सड़क पर तिरपाल बिछा करने लगे पंचायत

जिलाध्यक्ष आलोक वर्मा की अगुवाई में सुनवाई न होने से नाराज किसानों ने विरोध-प्रदर्शन करते हुए मुख्यमंत्री आवास के लिए कूच करने का ऐलान कर दिया। इससे पुलिस-प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए। किसानों के भारी आक्रोश को देखते हुए उनकी मांगें मान ली गईं। किसान नेता तौकीर ने बताया कि बिना जुर्माने के नगर निगम ने भैंस छोड़ दी हैं। इसलिए धरना समाप्त कर दिया गया।

> किसानों की ओर से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जुर्माना जमा कराके भैंस छोड़ दी गई है। इसके बाद किसानों ने धरना समाप्त कर दिया है। बिना जुर्माना जमा कराए पशु छोड़ने का नगर निगम में प्रावधान नहीं है।
>
> **-डॉ. अभिनव वर्मा,** पशु कल्याण अधिकारी, नगर निगम

पांच लोगों के खाते से उड़ाए 3.96 लाख

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : एसजीपीजीआई कर्मी व अधिवक्ता समेत पांच के खातों से जालसाजों ने 3.96 लाख रुपये उड़ा लिए। पुलिस चारों मामलों को दर्ज कर साइबर क्राइम सेल की मदद से जांच कर रही है।

आलमबाग के आदर्श नगर निवासी राजीव डेनिस जोसफ ने बताया कि टेलीग्राम पर होटलों की स्टॉर रेटिंग का झांसा दिया गया। दो दिन में कुछ रुपये मिले। उसके बाद क्रिप्टो करेंसी में निवेश के लिए समझाया गया। पीड़ित ने निवेश किया तो मुनाफे के साथ रुपये मिले। उसके बाद जालसाज ने कई बार में 1,35,900 रुपये ऐंठ लिए।

वहीं, गोमतीनगर के छोटी जुगौली निवासी अधिवक्ता विनेश कुमार सिंह ने बताया कि 17 सितंबर को मोबाइल चोरी हो गया। जालसाज ने मोबाइल पर यूपीआई बनाकर खाते से 1 लाख की ऑनलाइन शापिंग कर डाली। उधर, इंदिरानगर सेक्टर-19 निवासी प्रियांशु सिंह ने बताया कि टेलीग्राम पर जालसाज ने पार्ट टाइम जॉब का मैसेज भेजा। संपर्क करने पर जालसाज ने होटल रेटिंग व रिव्यू का काम बताया। जाल में फंसाने के बाद पैड टॉस्क के नाम पर तीन बार में 56 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। इसके अलावा गोसाईंगंज के अमेठी नगर पंचायत स्थित वार्ड मुंशीगंज निवासी मीना देवी का खाता यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में है।

- आलमबाग, गोमतीनगर, गाजीपुर, गोसाईंगंज व आशियाना के मामले

ध्वस्तीकरण पर एकल पीठ के स्थगन से दो सदस्यीय खंडपीठ चकित

विधि संवाददाता, लखनऊ

- खंडपीठ धवस्तीकरण आदेश का अनुपालन न होने पर अपना रही थी सख्त रुख
- इसी दौरान एकल पीठ ने पारित कर दिया स्थगन आदेश

अमृत विचार: राजधानी के खुर्रम नगर इलाके में अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण के आदेश का अनुपालन न होने पर हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच की दो सदस्यीय खंडपीठ ने सख्त रुख अपनाया हुआ है, जबकि एकल ने अपील के निस्तारण तक ध्वस्तीकरण पर रोक लगा दिया दी है। दो सदस्यीय खंडपीठ ने आश्चर्य जताते हुए एकल पीठ के समक्ष दाखिल याचिका का रिकॉर्ड तलब किया है। कोर्ट ने कहा कि हम देखना चाहते हैं कि आखिर मामले में ऐसी क्या तत्कालिता थी कि जिस दिन याचिका दाखिल हुई, उसी दिन सुनवाई हो गई। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 27 अक्टूबर की तिथि नियत की है।

ये आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार की खंडपीठ ने हेमंत कुमार मिश्रा की ओर से वर्ष 2016 में दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। याचिका में कहा गया है कि 10 मई 2016 को सक्षम अधिकारी द्वारा उक्त अवैध निर्माण के ध्वस्तीकरण का आदेश दिया गया था। किंतु ध्वस्तीकरण के बजाए एलडीए के सील को हटाकर अवैध निर्माण को और विस्तार देते हुए, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बना लिया गया। मामले की सुनवाई एके दौरान एलडीए के अधिवक्ता रत्नेश चंद्रा ने कोर्ट को बताया कि 2016 के ध्वस्तीकरण आदेश के बाद बिल्डर्स ने कम्पाउंडिंग प्रार्थना पत्र दिया था, जिसे निरस्त करते हुए, 2022 में नया ध्वस्तीकरण आदेश पारित किया गया। कहा गया कि कोर्ट के 13 अगस्त 2025 के आदेश के बाद एलडीए कोई कार्रवाई करती, इसके पूर्व ही 11 सितंबर 2025 को बिल्डर फारुक सिद्दीकी व एक अन्य की याचिका पर एलडीए, चेयरमैन के समक्ष ध्वस्तीकरण के विरुद्ध दाखिल अपील के निस्तारण तक, कार्रवाई पर रोक एकल पीठ द्वारा लगा दी गई। यह भी बताया गया कि फारुक सिद्दीकी व एक अन्य की याचिका जिस दिन दाखिल हुयी, उसी दिन याचियों की तत्कालिकता (अरजेंसी) के अनुरोध पर इसकी सुनवाई भी हो गई।

इस पर दो सदस्यीय खंडपीठ ने कहा कि ध्वस्तीकरण का आदेश पारित हुए तीन साल बीत चुके थे, ऐसे में मामले में क्या तत्कालिकता थी कि उसी दिन याचिका पर सुनवाई हो गई? साथ ही यह भी एक बहस का विषय है कि उक्त याचिका एकल पीठ के समक्ष पोषणीय कैसे थी? कोर्ट ने मामले के जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई के अपने पिछले आदेश के अनुपालन की जानकारी भी एलडीए उपाध्यक्ष से मांगी है। कोर्ट ने उपाध्यक्ष को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई के दौरान उपस्थित होने का भी आदेश दिया है।

शिक्षक ने छात्र को पीटा, सुनाई देना हुआ कम

- **अमृत विचार, लखनऊ :** कृष्णानगर स्थित अवध कॉलेजिएट स्कूल के हिंदी के शिक्षक के खिलाफ महिला बेटे को पीटने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। हिंदनगर निवासी रीना मिश्रा का बेटा देवराज अवध कॉलेजिएट में पढ़ता है। उन्होंने बताया कि 2 सितंबर को क्लॉस में हिंदी के शिक्षक अमरनाथ निषाद ने उसे थप्पड़ मार दिया। कान में दर्द के चलते बच्चा चार दिन स्कूल नहीं गया। उसे सुनाई थी कम देने लगा। दर्द बढ़ने पर 15 सितंबर को ईएनटी के दो डॉक्टरों को दिखाया तो पता चला कि बेटे के कान में छेद है। रीना ने बताया कि दोबारा स्कूल पर शिक्षक अमरनाथ ने और बच्चों से कहा कि मैं बहुत बुरा मारता हूं। मेरे हाथ डंडे से भी तेज पड़ते हैं, चाहे तो देवराज से पूछ लो। आरोप है कि बच्चे को शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना दी जा रही है। रीना की शिकायत पर कृष्णानगर कोतवाली पुलिस ने शिक्षक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर कृष्णानगर पीके सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

एसीपी गोसाईंगंज करेंगे मौत मामले की जांच

- **अमृत विचार, गोसाईंगंज :** सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में पढ़ाई के साथ एचसीएल कंपनी में नौकरी करने वाली खुशी की मौत के मामले की जांच एसीपी गोसाईंगंज ऋषभ रूणवाल करेंगे। घटना के हालात के आधार पर हत्या का आरोप लगाकर पिता ने डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल व पुलिस आयुक्त अमरेंद्र कुमार सेंगर को प्रार्थना पत्र दिया था। झारखंड के कोडरमा के डोमर्चाच निवासी रमेश कुमार ने बताया कि बेटी खुशी कुमारी (22) सुशांत गोल्फ सिटी स्थित एक अपार्टमेंट में किराए पर रहती थी। पीड़ित पिता ने बताया कि 28 अगस्त की देर रात एक बजे फोन पर एक व्यक्ति ने सूचना दी कि आपकी बेटी का एक्सीडेंट हो गया है। उसे पीजीआई क्षेत्र में स्थित बेलशन मेडिसिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रमेश कुमार परिवार संग लखनऊ आकर अस्पताल पहुंचे, जहां खुशी ने दम तोड़ दिया। आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने इस बीच इलाज के नाम पर तीन लाख रुपये जमा करा लिए। एम्बुलेंस से शव को झारखंड के लिए भेज दिया। पीड़ित पिता का आरोप है कि उन्हें जब खुशी का मोबाइल मिला तो गैलरी, व्हाट्सएप समेत सभी सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट थे। डीसीपी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

अमृत विचार
अवध बाज़ार

GSTIN:09CUOPT8181M1ZE
THE SOLAR POWER
We Deals: Residential & Commercial Solar System
On-Grid & Off Grid Consultation, Installation
SS-2 SEC D1 1679 B LDA OPP
LAW COLLEGE ROAD ASHIYANA LUCKNOW 226012
Loan available at just 7% interest
Ankur tiwari
CONTACT : +917705009011
PM MUFT BIJLI YOJNA

Hotel EKAS
Wedding | Engagement | Anniversary
Rooms | Conference | Restaurant | Kitty Party
| Birthday Party Rooftop Opening Soon
Capacity of Banquet starting form 50 to 800 Pax
279/48, Behind Charbagh Bus Station
Mawaiya Scheme 81, Kanpur Road,
Pan Dariba Lucknow - 226005
0522-4115460, +91-9936024555,

शराब की लत से परेशान है?
स्मैक, गाँजा, चरस, DRUGS वाईटनर, केप्सूल, भांग, सिगरेट, गुटखा, तम्बाकू से नशे के उपचार के लिए मिलें।
दुबले-पतले लड़के/ लड़कियाँ/ बच्चे
जो मोटे नहीं होते ज्यादा खाये आयुर्वेदिक औषधि द्वारा खाया पिया पचा कर 15 दिनों में फर्क महसूस करें। सेहत व वजन बढायें।
विबग्योर क्लीनिक
लेखराज मार्केट-1, इन्दिरा नगर, लखनऊ- 9935056088
9415011172

GSTIN:09CFBPB7686B1ZJ
Dot Energy Enterprises
We Deals: Residential & Commercial Solar System
On-Grid & Off Grid Consultation, Installation
Add : 367/21, Fatuhabad, Sahadatganj,
Near Samrahi chowki Lucknow, Uttar Pradesh
Mob: 8948021107
PM MUFT BIJLI YOJNA

आमंत्रण
रत्नराशि ज्वैलर्स
Ratanrashi Jewellers
सोना, चाँदी व हीरे के जेवरात एवं राशि रत्न
नीलगिरि चौराहा, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर लखनऊ
फोनः 0522 2355399, + 91 9415142856, 7007633030

Residential/ Investment Plots available
CIVILIAN GREEN
CIVILIAN'S DREAM
CIVILEA GREEN CITY
Kanpur Road, Lucknow
Mob: 9616826300
OFFICE :- CIVILEA CONSTRUCTION
Near Kaiserbagh Kotwali Lucknow

CurePoint Homeopathic Clinic
क्योर पाइंट होम्योपैथिक क्लीनिक
डॉ. आकांक्षा पाण्डेय
BSc, B.H.M.S.
विशेषता :- स्त्री, बाल्य व चर्म रोग
प्रतिदिन
मो. 9044270667
डॉ. रूपेश कुमार पाण्डेय
B.H.M.S., MD(Hom.)
विशेषता :- जटिल, असाध्य रोग
रविवार अवकाश
मो.9580301000
पता : भारत पेट्रोलियम पम्प के सामने, SBI बुद्धेश्वर के पीछे, बुद्धेश्वर चौराहा, लखनऊ

विश्व फार्मासिस्ट दिवस आज

दवा और मरीज के बीच सेतु की भूमिका में रहते फार्मासिस्ट

सरकारी अस्पतालों में फार्मासिस्ट के 1455 से अधिक पद रिक्त

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

कपिल वर्मा

राजीव पटेल

सुनील यादव

आनंद सिंह

अजय पांडेय

अजय कश्यप

अमृत विचार : किसी भी अस्पताल में दवा और मरीज के बीच फार्मासिस्ट की भूमिका एक सेतु की तरह होती है। अस्पतालों से लेकर सीएचसी और पीएचसी में जहां मरीजों का दबाव साल दर साल बढ़ता जा रहा है, वहीं प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में फार्मासिस्ट के करीब 1455 से अधिक पद रिक्त पड़े हैं। इससे मरीजों को दुश्वारियां झेलनी पड़ रहीं है।

बलरामपुर अस्पताल व डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के जिला मंत्री कपिल वर्मा का कहना है कि प्रदेश में फार्मासिस्ट के करीब 1455 पद खाली हैं। फार्मासिस्ट के 7200 पद में से करीब 1100 खाली हैं। वहीं चीफ फार्मासिस्ट के 1550 पद में 300 और प्रभारी फार्मेसी अधिकारी के 82 में से 55 पद खाली हैं। इसके अलावा ओएसडी और ज्वाइंट डायरेक्टर के एक-एक पद रिक्त हैं। कपिल वर्मा कहना है कि संगठन लगातार सरकार से फार्मासिस्ट के खाली पद भरने की मांग कर रहा है।

दवा के दुष्प्रभाव पर टोल फ्री नंबर पर भी ली जा सकती है मदद

- डिप्लोमा फार्मासिस्ट राजपत्रित संगठन के कोषाध्यक्ष अजय कश्यप ने बताया यदि कोई भी दवा गलत प्रतिक्रिया देती है तो टोल फ्री नंबर 1800 18 030 24 या पीवीपीआई ऐप पर रिपोर्ट कर सकते हैं। कोई भी स्वस्थ इंसान या मरीज स्वयं यह रिपोर्ट कर सकता है। इसमें मरीज की गोपनीयता का विशेष ध्यान रखा जाता है।

डिप्लोमा फार्मासिस्ट राजपत्रित अधिकारी संगठन के जिला मंत्री राजीव पटेल कहा कि फार्मासिस्ट मरीजों के इलाज में रीढ़ काम करते हैं। उनकी भूमिका डॉक्टरों से कम नहीं है। आज फार्मासिस्ट दवा वितरण तक ही समिति नहीं हैं। शोध में भी सहयोग कर रहे हैं। वहीं, फार्मासिस्टफेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव का कहना है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र 24 घंटे संचालित किये जा रहे हैं। यहां दो फार्मासिस्ट तैनात हैं। इन्हें दिन से लेकर रात की ड्यूटी करनी पड़ रही है। ओपीडी, इमरजेंसी से लेकर भर्ती रोगियों को दवा वितरण, काउंसलिंग से लेकर इंजेक्शन समेत अन्य दूसरे काम करने पड़ते हैं। प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग की ओर से संचालित 15 ट्रॉमा सेंटरों में फार्मासिस्ट के पद स्वीकृत नहीं किये गए हैं। सीएचसी और पीएचसी के फार्मासिस्ट की ड्यूटियां लगायी जा रही हैं।

सिविल अस्पताल के आनंद सिंह ने कहा प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में रोगी दो गुने से अधिक बढ़ गए हैं, लेकिन फार्मासिस्ट नहीं बढ़ाए गए हैं। रोगियों के इलाज में फार्मासिस्ट की अहम भूमिका होती है, सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए। डीपीए के कोषाध्यक्ष अजय पांडेय ने कहा आज फार्मासिस्टों की भूमिका दवा वितरण से लेकर, रखरखाव, इंजेक्शन, इमरजेंसी, मेडिको लीगल, ब्लड बैंक और पोस्टमार्टम में सहयोग करने तक में है। फरि भी अस्पतालों और सीएचसी में मानक से काफी कम फार्मासिस्ट हैं।

महोत्सव में उठे लैंगिक समानता व स्त्री अस्मिता के सवाल

लखनऊ विश्वविद्यालय में चल रहे गोमती पुस्तक महोत्सव में नामचीन रचनाकारों ने अपनी कविताओं से बांधा समां

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में चल रहे गोमती पुस्तक महोत्सव के 5वें दिन लैंगिक समानता और स्त्री अस्मिता के सवाल भी उठे और अनुवाद में तकनीक के बढ़ते दखल पर भी चर्चा हुई। नामचीन रचनाकारों ने अपनी कविताओं से समां बांधा और बच्चों की कार्यशालाओं में एक से बढ़कर एक मजेदार गतिविधियां हुईं।

कविता और संस्कृति का संगम : महोत्सव की 5वें दिन की शाम कविताओं से चहक उठी। कवि सम्मेलन में डॉ. संजय मिश्रा शौक़, डॉ. सूर्य कुमार पांडेय, राम प्रकाश बेख़ुद, मुकुल महान, डॉ. सुमन दुबे, अनुपम श्रीवास्तव, ज्ञान प्रकाश अंकुर, पंकज प्रसून, शशि श्रेय, सोमनाथ कश्यप और पवन प्रगीत जैसे विख्यात कवियों ने अपनी सशक्त कविताओं से श्रोताओं को मुग्ध कर दिया।

सिखाया गया बुक मार्क बनाना : राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र ने बच्चों को बुकमार्क बनाना सिखाया और उन्हें राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय ऐप से परिचित कराया। जिसमें भारतीय भाषाओं और विविध विषयों की 3000 से अधिक ई-पुस्तकें निःशुल्क उपलब्ध हैं।

लेखकगंज में सुनाई दिए क्षेत्रीय पहचान और लैंगिक समानता के स्वर: साहित्यिक संवाद की पहली कड़ी थी अनुवाद में तकनीक का दखल। इसमें पंजाबी-हिंदी अनुवादक सुभाष नीरव, ओड़िया अनुवादक डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र और मराठी अनुवादक समीक्षा तैलंग शामिल हुए। समन्वयक के रूप में अनुवादक प्रितपाल कौर मौजूद थीं।

वक्ताओं ने भाषाओं की विशिष्टताओं, मुहावरों और सौंदर्य पर प्रकाश डाला तथा अनुवाद में तकनीक की उपयोगिता के साथ ही उसके संभावित ख़तरों पर भी विचार रखे।

लैंगिक भेदभाव और स्त्री अस्मिता के सवाल : स्त्री अस्मिता के प्रश्न : कुछ भीतर- कुछ बाहर शीर्षक से हुए सत्र में महिलाओं के मुद्दों, लैंगिक भेदभाव और अधिकारों पर विचारोत्तेजक विमर्श हुआ। इसमें डॉ. रजनी गुप्ता, डॉ. विवेक मिश्रा, कंचन सिंह चौहान और स्वाति चौधरी जैसे प्रतिष्ठित साहित्यकारों ने भाग लिया। वक्ताओं ने घरेलू कार्यों में समान भागीदारी के साथ-साथ शिक्षा और आर्थिक अवसरों में समानता पर बल दिया।

लखनऊ विश्वविद्यालय में गोमती पुस्तक महोत्सव में अपनी पसंद की पुस्तकें देखतीं युवतियां। अमृत विचार

बाल मंडप में उमड़ी भीड़

- बाल मंडप में सुबह से ही 9 स्कूलों के 800 बच्चों की भीड़ उमड़ी। बच्चे पुस्तकों और रचनात्मकता की दुनिया से जुड़ने के लिए नया शिल्प सीखने को आतुर थे। दिन की शुरुआत अमृत नागपाल के साथ स्टोरी बोर्ड से हुई। इसमें बच्चों को कहानी गढ़ने और सामूहिक विचारों को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत करने का अनोखा तरीका सिखाया गया। नामिक शेरपा ने बच्चों को जापानी कला ओरिगामी से परिचित कराया। उन्होंने कागज़ से अलग-अलग तरह के हवाई जहाज बनाए।

अरे यह बुक देखकर तो मजा आ गया। पुस्तक मेले में पहुंचे स्कूली बच्चे।

कार्यशाला में ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण पर हुई बात

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय और इंटैक कंजर्वेशन इंस्टीट्यूट के संयुक्त तत्वावधान में ऐतिहासिक भवनों की स्थिति का आंकलन और संरक्षण विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला की बुधवार को शुरुआत हुई। यह कार्यशाला इंटैक कंजर्वेशन इंस्टीट्यूट में की गई। कार्यशाला का उद्घाटन राज्य पुरातत्व निदेशालय की निदेशक रेनू द्विवेदी और इंटैक के निदेशक धर्मेंद्र मिश्रा ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। रेनू द्विवेदी ने कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय देते हुए ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। निदेशक इंटैक धर्मेंद्र मिश्रा, इंटैक की शोध अधिकारी अंशिका ने पारंपरिक निर्माण सामग्रियां विषय पर सचित्र व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यशाला में पुरातत्व एवं सिविल इंजीनियरिंग विषय के विद्यार्थियों सहित अन्य विधाओं से जुड़े प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर पुरातत्व विभाग के सहायक पुरातत्व अधिकारी डॉ. मनोज यादव, बलिहारी सेठ, अभयराज सिंह, मयंक, अभिषेक, हिमांशु, निर्भय आदि मौजूद रहे।

संदेह हरने वाली आराध्या हैं मां संदोहन देवी एकादशी को होते भव्य चरण के दर्शन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- छठी शताब्दी से जुड़ा है मंदिर का ऐतिहासिक महत्व, लेटी मुद्रा में स्थापित हैं मां की पिंडी

अमृत विचार: चौपटिया क्षेत्र में स्थित मां संदोहन देवी मंदिर श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां नवरात्र के पश्चात पड़ने वाली एकादशी के दिन मां भक्तों को पूर्ण श्रृंगार में अपने श्री चरणों के दिव्य दर्शन देती हैं। अन्य दिनों में मां के चरण वस्त्रों से ढके रहते हैं। मां के इस अलौकिक रूप के दर्शन के लिए दूर-दराज़ से श्रद्धालु उमड़ते हैं।

मां संदोहन देवी के नाम का अर्थ है-शंका और संदेह का हरण करने वाली देवी। मंदिर के पुजारियों के अनुसार जो भक्त नवरात्र में नौ दिन मां के विभिन्न स्वरूपों का दर्शन करता है, उसकी मनोकामना मां के चरण-दर्शन से पूर्ण होती है।

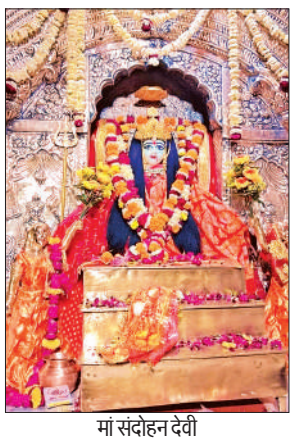

मां संदोहन देवी

छठी शताब्दी से जुड़ा है मां का इतिहास : मंदिर के मुख्य सेवादार अनूप वर्मा ने बताया कि मां के पिंडी रूप की कार्बन डेटिंग से यह पुष्टि हुई है कि यह छठी शताब्दी की है।

किंवदंती के अनुसार 1300वीं शताब्दी में एक संत को नवरात्र के दौरान लगातार नौ दिनों तक मां ने स्वप्न में दर्शन दिए और तालाब से पिंडी निकालने का आदेश दिया। भक्तों की मदद से वह पिंडी मिली और एकादशी के दिन उसकी स्थापना की गई। अगले दिन जब श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे तो देखा कि मां की पिंडी लेटी हुई है। बार-बार प्रयासों के बाद भी पिंडी अगली सुबह लेटी हुई ही मिलती थी। तब मां की इच्छा मानते हुए उन्हें लेटी हुई मुद्रा में ही स्थापित कर दिया गया।

मां चंद्रघंटा की भक्ति में लीन रहे श्रद्धालु, गूंजे जयकारे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- नवरात्र के तीसरे दिन शहर के देवी मंदिरों में उमड़ी आस्था की भीड़

अमृत विचार: शारदीय नवरात्र के तीसरे दिन श्रद्धालु मां दुर्गा के तृतीय स्वरूप माता चंद्रघंटा की भक्ति में लीन नजर आए। बुधवार को शहर के प्रमुख देवी मंदिरों में तड़के से ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने घंटा, शंख और जयकारों की गूंज के साथ माता की आराधना की। मंदिरों में 'या देवी सर्वभूतेषु मां चंद्रघंटा रूपेण संस्थिता' मंत्रोच्चारण की दिव्य ध्वनि से माहौल भक्तिमय बना रहा।

शहर के बड़ी काली माता मंदिर, शास्त्रीनगर दुर्गा मंदिर, शीतला माता मंदिर, चौपटिया स्थित संदोहन मंदिर, कठवारा स्थित चंद्रिका माता मंदिर, कालीबाड़ी मंदिर समेत सभी प्रमुख देवी स्थलों पर सुबह 5 बजे से ही श्रद्धालु पहुंचने लगे थे। मां चंद्रघंटा की पूजा में भक्तों ने विधिपूर्वक गंगाजल व पंचामृत से अभिषेक किया और हलवा, चना, नारियल, पीली मिठाइयों का भोग अर्पित किया।

सुहागिन महिलाओं ने माता को चुनरी ओढ़ाई और सिंदूर, चूड़ी, बिंदी आदि सुहाग का सामान अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। अनेक भक्तों ने माता को प्रिय पुष्पों और व्यंजनों का भोग लगाया। आरती के दौरान कपूर व घी के दीपक प्रज्वलित किए गए और श्रद्धालुओं ने दुर्गा चालीसा व सप्तशती का पाठ कर माता से आशीर्वाद मांगा।

ज्योतिषाचार्य एसएस नागपाल ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार माता चंद्रघंटा की उपासना से साधक को रोग-दोष, भय और मानसिक तनाव से मुक्ति मिलती है। जीवन में आत्मविश्वास, ज्ञान और सौभाग्य की वृद्धि होती है और परिवार में शांति और समृद्धि का वास होता है। रात को कई मंदिरों में महिलाओं और युवतियों ने ढोलक-झांझ की थाप पर भजन-कीर्तन और नृत्य कर वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया।

छितवापुर भुइयन देवी मंदिर में भक्तों की भीड़। अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

जीवन को जीने की कला है रामकथा

अमृत विचार, लखनऊ : आशियाना में बुधवार को शुरू हुई रामकथा में अयोध्या से पधारे कथाव्यास स्वामी प्रद्युम्न प्रियाचार्य प्रभाकर ने कहा कि रामकथा मात्र कथा नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है। यह हमें धर्म, कर्तव्य, प्रेम और मर्यादा का मार्ग दिखाती है। उन्होंने रामचरितमानस के मंगलाचरण श्लोकों के वाचन से रामकथा से शुरुआत की। स्वामी जी ने बताया कि गोस्वामी तुलसीदास ने प्रारंभिक मंगलाचरण में ही संपूर्ण सात कांडों की अनुक्रमणिका प्रस्तुत कर दी है। इससे पूर्व रामकथा के मुख्य यजमान विनोद कुमार सिंह और नरेंद्र बहादुर सिंह ने राम की पूजा-अर्चना की और निर्विघ्न कथा होने के लिए गणेश जी का आह्वान किया। इस अवसर पर शारदा नगर के पार्षद हिमांशु, भोजपुरी कवि कृष्णानंद राय, पवन पाल सहित अन्य लोग मौजूद थे। कथा से पहले हरे रामा हरे कृष्णा भजन और राम कीर्तन हुआ। कथा 2 अक्टूबर तक रोजाना शाम 6 बजे से रात 9:30 बजे तक और प्रगति महोत्सव 26 अक्तूबर तक चलेगा।

ईपीएस-95 पेंशनर कल करेंगे प्रदर्शन

अमृत विचार, लखनऊ : ईपीएस-95 पेंशनर न्यूनतम पेंशन 7,500 रुपये प्रति माह, महंगाई भत्ता और पति-पत्नी को मुफ्त चिकित्सा सुविधा जैसी मांगों को लेकर 26 सितंबर को ईपीएफओ कार्यालय पर प्रदर्शन करेंगे। मुख्य समन्वयक उमाकांत सिंह ने बताया कि पिछले 9 वर्षों से पेंशनरों द्वारा लगातार आंदोलन किया जा रहा है, लेकिन सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस घोषणा नहीं हुई, जिससे पेंशनरों में भारी रोष है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केएस तिवारी और राष्ट्रीय सचिव राजीव भटनागर के नेतृत्व में लखनऊ, सीतापुर, रायबरेली, हरदोई सहित कई जिलों के पेंशनर प्रदर्शन में शामिल होंगे और श्रम मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। संगठन ने गुरुवार को जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को भी ज्ञापन भेजने की योजना बनाई है। प्रदर्शन पूर्णतः शांतिपूर्ण रहेगा।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को दिया प्रशिक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय की ओर से सेवा पखवाड़ा के तहत मातृ सम्मेलन का आयोजन कर माताओं को शिशु स्वास्थ्य, पोषण एवं शिक्षा संबंधी जानकारी दी गईं। आंगनबाड़ी केंद्रों का भ्रमण कर वहां बच्चों की गतिविधियां देखी गईं। विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व सहायिकाओं के लिए कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें उन्हें समुचित प्रशिक्षण और संसाधनों की जानकारी दी गई। आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के जन्मदिवस का आयोजन किया गया, जिससे बच्चों को आत्मीयता एवं उत्सव का अनुभव प्राप्त हो सके। भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए ग्राम में विशेष कार्यक्रम किये गए जिसमें ग्रामीणों को स्वास्थ्य, स्वच्छता व शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने कहा कि भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय न केवल शैक्षिक क्षेत्र में योगदान दे रहा है, बल्कि सामाजिक सरोकारों को भी प्राथमिकता देते हुए सेवा पखवाड़ा जैसे आयोजनों के माध्यम से जन-कल्याण में सक्रिय भागीदारी निभा रहा है। विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. सृष्टि धवन ने बताया कि सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित यह सभी कार्यक्रम विश्वविद्यालय की सामाजिक जिम्मेदारियों की पुष्टि करते हैं।

खुले नाले में गिरी गाय, निकाला

नाले में गिरी गाय को बाहर निकालने का प्रयास करते स्थानीय लोग।

अमृत विचार, लखनऊ : इस्माइलगंज द्वितीय वार्ड के अजन नगर मोहल्ले में बुधवार को गाय खुले गहरे नाले में गिर गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर पूर्व पार्षद रुद्र प्रताप सिंह और भाजपा युवा मोर्चा के नेता दीपक पाठक सहित स्थानीय निवासियों ने नगर निगम के सहयोग से 4 घंटे की मेहनत के बाद गाय को बाहर निकाला। गाय को निकालने के लिए नाले के पत्थर को जेसीबी से तोड़ना पड़ा। पूर्व पार्षद ने बताया कि वार्ड में कई स्थानों पर सफाई के दौरान नाले के ढ़क्कन टूट गए हैं, जिससे नाला जगह-जगह खुला है। इससे आमजन की जान-माल का खतरा है। उन्होंने नगर निगम से नालों को हर जगह पत्थर से ढकने

रामलीला | ऐशबाग की रामलीला में सीता के स्वयंवर का हुआ मंचन

जनक नंदिनी ने राम के गले में डाली वरमाला

गुरु विश्वामित्र के साथ अयोध्या के राजकुमार राम और लक्ष्मण भी सीता स्वयंवर में शामिल होने के लिए पहुंचे।

महानगर में रामलीला 26 से

- महानगर की रामलीला में इस वर्ष सीता जन्म, रावण बाणासुर प्रसंग और जटायु प्रसंग शामिल किया गया है, जो मुख्य आकर्षण होगा। रामलीला समिति महानगर की ओर से रामलीला महोत्सव का आयोजन 26 सितम्बर से 3 अक्टूबर तक रोजाना रात 8:30 बजे से किया जायेगा। अध्यक्ष ललित मोहन जोशी, महासचिव गिरीश जोशी, मुख्य संयोजक दीपक पांडेय, सचिव संजय पांडेय रामलीला की तैयारियों में जुटे हुए हैं।

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : ऐशबाग की ऐतिहासिक रामलीला में बुधवार को मिथिला नरेश राजा जनक की पुत्री सीता के स्वयंवर का शानदार दृश्य देखने को मिला। इस स्वयंवर की शर्त है कि जो योद्धा शिव के धनुष को उठाकर उसकी प्रत्यंचा चढ़ा देगा, उसी से सीता का विवाह होगा। तमाम बलशाली राजाओं के अलावा गुरु विश्वामित्र के साथ अयोध्या के राजकुमार राम और लक्ष्मण भी सीता स्वयंवर में शामिल होने के लिए पहुंचे।

सभी बलवान राजाओं ने धनुष को उठाने का प्रयास किया लेकिन कोई भी इस धनुष को हिला तक नहीं सका। यह देख जनक विकल हो उठे, तब गुरु विश्वामित्र की आज्ञा लेकर राम शिव धनुष को उठाकर उसकी प्रत्यंचा चढ़ाने का प्रयास करते हैं तो वह टूट जाता है। इसके बाद जनक नंदिनी सीता राम के गले में वरमाला पहना देती हैं। इस दृश्य के साथ ही पूरा रामलीला मैदान सियावर रामचन्द्र की जय के जयकारों से गूंज उठा।

उधर धनुष तेज आवाज के साथ टूटा तो उसकी गूंज को सुनकर परशुराम भी वहां पर पहुंच गए और फिर उनके और लक्ष्मण के बीच तीखे संवाद हुए। परशुराम-लक्ष्मण संवाद सुनकर दर्शक रोमांचित हो उठे। इसके बाद राम ने अपने विनम्र वचनों से परशुराम के क्रोध की अग्नि को शांत किया।

इसके बाद यह संदेश अयोध्या जाता है तो वहां पूरी नगरी में हर्ष छा जाता है और अयोध्या नरेश दशरथ बारात लेकर जनकपुर पहुंचते हैं। सीताराम का विवाह सम्पन्न होता है साथ ही भरत का माण्डवी के साथ लक्ष्मण का उर्मिला के साथ और शत्रुघ्न का विवाह श्रुतकीर्ति के साथ कराने के बाद बारात विदा होती है।

रामलीला मंचन से पूर्व नृत्य मंथन स्कूल ऑफ डांस ने देवी स्तुति जग जननी मां दुर्गा..., मैया रानी कृपा कीजिए..., ओ शेरोवाली... गीतों पर नृत्य निर्देशक अंकिता बाजपेयी के साथ आराध्या, ईशानी, आस्था, श्रेष्ठा व मनस्वी ने नृत्य प्रस्तुतियां दीं। डॉ. राघवेन्द्र प्रताप सिंह एवं समूह ने भी यहां नृत्य प्रस्तुतियां दीं। इसमें पहली प्रस्तुति देवी गीत पर दूसरी केवट भजन पर तीसरी प्रस्तुति देवी आराधना पर डांडिया नृत्य और चौथी प्रस्तुति मयूर नृत्य पर दी गईं। जिसे मृणालिनी यादव, आभ्या, वान्या चौधरी, अविका चतुर्वेदी, शमायरा चावला, आरवी शुक्ला, ममता यादव, ज़ैनब ख़ान, सिमरन चावला, माही, आराध्या सिन्हा, वागिशा उपाध्याय ने नृत्य निर्देशक डॉ. राघवेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देशन में प्रस्तुत किए।

रेलवे की रामलीला में भरत को गद्दी मिली, राम को वनवास

- आलमबाग स्थित वेजिटेबिल ग्राउंड में चल रही रेलवे रामलीला में राम सीता संग जनकपुरी से विवाह के बाद अयोध्या वापस आ गए हैं, पूरी अयोध्या खुशहाल है, इधर राजा दशरथ राम को अयोध्या की गद्दी पर बैठाने के लिए राजगद्दी की तैयारियों में लगे हैं, सभी अयोध्यावासी इस निर्णय से अत्यंत प्रसन्न हैं। दूसरी ओर कैकई की प्रिय दासी मंथरा कैकई को पुरानी घटना याद दिलाती है। युद्ध के दौरान राजा दशरथ ने उनकी जान बचाने के बदले आपको ये वचन दिया था कि आप जब चाहें उनसे कोई भी 2 वरदान मांग सकती हैं, कैकई न चाहते हुए भी मंथरा के झांसे में आ जाती हैं, और कई दिनों तक निर्जला अवस्था में अपने महल में गुमसुम बैठी रहती हैं। जैसे ही ये जानकारी राजा दशरथ को मिलती है, वे तत्काल कैकई से भेंट करने आते हैं। मंथरा ने जैसा पढ़ाया था ठीक वैसे ही कैकई राजा दशरथ भरत को अयोध्या का समस्त राजपाट व दूसरे वर में राम को 14 वर्षों का वनवास मांग लेती है। सुनकर राजा दशरथ सुन्न हो गए, लेकिन कैकेई अपनी शर्तों पर अड़ी रही। हृदय पर पत्थर रखकर राजा दशरथ ने कैकेई की शर्तें मान लीं। आदेश सुनने के बाद राम अपनी मां कौशल्या को बताते हैं कि राज के बदले माताजी, मुझको मिल गया हुकुम फकीरी का, खड़ा मुंतजिर ऐ माता, हुकुम तेरे आखिरी का, दिया भरत को राज पिता ने, मुझे हुकुम वन जाने का, 14 साल रहूं मैं वन में, हुकुम नहीं यहां आने का। यह सब सुनकर कौशल्या की आंखों से आंसू निकल पड़े। राम सीता और लक्ष्मण के साथ वन को प्रस्थान करते हैं और इधर दशरथ अपने प्राण त्याग देते हैं। रामलीला में सत्यम यादव, हर्षित सोनकर, विनायक वर्मा, जसवंत सिंह माटा, जगजीत सिंह जूली, बादल वर्मा और अरविंद कुमार ने उल्लेखनीय भूमिकाएं अदा कीं।

सिटी डायरी

प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागी को सम्मानित करतीं शिक्षिकाएं।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के तहत स्वच्छता पर हुई प्रतियोगिता

अमृत विचार, लखनऊ : नेशनल पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत स्वच्छोत्सव थीम पर आधारित कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. देवेंद्र कुमार सिंह व राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. पी.के. सिंह, डॉ. अर्चना सिंह और डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर छात्राओं ने विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग क्विज 2026 में सक्रिय सहभागिता दर्ज की। साथ ही पोस्टर निर्माण, गायन, नृत्य व क्विज प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेविका अंकिता रस्तोगी द्वारा किया गया। आयोजन का संयोजन कार्तिकेय दीक्षित, अनुज, सुकृति, सार्थक, विदुषी, मानवी, मुस्कान तथा अर्पित द्वारा किया गया।

रैली निकालते बधिर छात्र।

बधिर छात्रों ने निकाली जागरूकता रैली

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय बधिर सप्ताह, अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस के अवसर पर छात्रों ने जागरूकता रैली निकाली। इस अभियान के दौरान बधिर लोगों की संस्कृति, उनकी शैक्षणिक आवश्यकताओं, बधिर लोगो के साथ कार्यालय में कार्य संयोजन स्थापित करने जैसे विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। विश्वविद्यालय के श्रवण-बाधितार्थ विभाग के अंतर्गत संचालित पीडीसीडी पाठ्यक्रम के सभी शिक्षकों ने राजकीय संकेत विद्यालय, मोहान रोड के बधिर छात्रों के साथ मिलकर एक जागरूकता रैली निकाली। इस रैली का मुख्य उद्देश्य सांकेतिक भाषा के महत्व एवं शैक्षिक उपयोग के प्रति बधिर छात्रों एवं समाज में जागरूकता फैलाना था।

कार्यक्रम में बोलते सुरेश खन्ना।

विश्वविद्यालय चरित्र निर्माण का सबसे बड़ा साधन : सुरेश खन्ना

अमृत विचार, लखनऊ : बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में व्याख्यान कक्ष परिसर की आधारशिला रखी गयी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार सुरेश कुमार खन्ना और विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल उपस्थित रहे। सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि विश्वविद्यालय में निर्मित होने वाला नया व्याख्यान कक्ष विद्यार्थियों के लिए एक अवसर के समान है, क्योंकि यह उनके शैक्षणिक, बौद्धिक और व्यावसायिक विकास को नई दिशा प्रदान करेगा।

बीबीएयू के कुलपति डॉ. आरके मित्तल को सम्मानित करती लविवि की कुलपति डॉ. मनुका खन्ना।

दीक्षारंभ का आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन संकाय ने छात्र प्रेरण कार्यक्रम दीक्षारंभ का आयोजन किया। एमबीए के नए बैच के छात्रों का स्वागत करने के लिए आयोजित किया गया था। उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल और लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन अध्ययन संकाय की अधिष्ठाता प्रो. संगीता साहू उपस्थित थे।

सिटी ब्रीफ

लखनऊ के ओम व तनुश्री ने जीते पदक

अमृत विचार, लखनऊ : दक्षिण कोरिया में हाल ही में आयोजित नौवीं एशियन सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में लखनऊ के ओम यादव और तनुश्री पांडेय ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को कुल तीन कांस्य पदक दिलाए। ओम यादव ने पुरुष टीम इवेंट और मिक्स्ड टीम इवेंट में दो कांस्य पदक अपने नाम किए, जबकि तनुश्री पांडेय ने मिक्स्ड टीम इवेंट में कांस्य पदक जीतकर राजधानी का नाम रोशन किया। टूर्नामेंट के दौरान दोनों खिलाड़ियों ने कई कड़े मुकाबलों में जीत दर्ज की और निर्णायक क्षणों में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया।

सीएमएस के छात्र ने जीता स्वर्ण पदक

अमृत विचार, लखनऊ : सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर एक्सटेंशन कैम्पस के कक्षा-8 के छात्र श्रेयल श्रीवास्तव ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित ब्रेनोब्रेन वन्डरकिड अन्तर-विद्यालयी प्रतियोगिता-2025 में गोल्ड मेडल अर्जित किया है। साथ ही ऑल इण्डिया 12वीं रैंक अर्जित किया है। प्रतियोगिता का आयोजन शैक्षिक संस्था ब्रेनोब्रेन के तत्वावधान में किया गया। इस प्रतियोगिता में देश भर के करीब 2500 से अधिक विद्यालयों से लगभग 75,000 छात्रों ने प्रतिभाग किया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सी.एम.एस. के इस प्रतिभाशाली छात्र ने गणित, जनरल नॉलेज, हैण्डराइटिंग एवं तार्किक योग्यता जैसे विषयों में अपनी दक्षता के बलबूते ऑल इण्डिया 12रैंक के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया।

हार्मोनल डिसऑर्डर पर किया जागरूक

अमृत विचार, लखनऊ : शिया पीजी कालेज व मेयर ऑर्गेनिक्स प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त तत्वाधान में पीसीओएस हार्मोनल डिसऑर्डर पर एक जागरूकता अभियान हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. सफिया फातिमा द्वारा तिलावत-ए-कुरान से की गई, प्रो. जर्रीन जेहरा रिज़वी द्वारा कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विख्यात स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रुखसाना खान का स्वागत किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. संगीता मेहरोत्रा, डॉ. नाहिद व डॉ. अपूर्वा थी। डॉ. रुखसाना खान ने अपने संबोधन में छात्राओं को पीसीओएस के बारे में बताया, जिसमें उनके द्वारा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया गया। उन्होंने छात्रों से जंक फूड से बचने की अपील की और नियमित व्यायाम और संतुलित पोषण की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

महर्षि विवि के छात्रों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में चल रहे गोमती पुस्तक महोत्सव में महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इन्फ़ॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दिया। कार्यक्रम में बीए तृतीय वर्ष की छात्राएं आस्था और मुस्कान ने मनमोहक युगल गीत प्रस्तुत किया। बीए द्वितीय वर्ष की छात्राएं प्रांजल और उर्वशी ने ऊर्जावान युगल नृत्य से मंच को जीवंत बना दिया। वहीं बीएसडब्ल्यू तृतीय वर्ष की छात्रा तुषा और उपासना ने अपनी भावपूर्ण कविता पाठ से श्रोताओं को प्रभावित किया।

कुलपति की पत्नी ने बच्चों से की बातचीत

अमृत विचार, लखनऊ : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय में सेवा पखवाड़ा के तहत कुलपति प्रो. जेपी पांडे की पत्नी सरोज पांडे ने विशेष बच्चों के अनाथालय दृष्टि सामाजिक संस्थान पहुंचकर उपहार वितरित किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों के साथ वक्त बिताए। अनाथालय में चल रही सुविधाओं की जानकारी भी ली। इस मौके पर सहायक कुल सचिव सुनील पांडे सहायक कुलसचिव डॉक्टर आयुष श्रीवास्तव एवं पूजा नगरिया भी मौजूद रहीं।

400 महाविद्यालयों की मान्यता की हो रही जांच

जिला प्रशासन ने बनाईं 25 टीमें, खंगाल रहीं ब्योरा

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

- रामस्वरूप कॉलेज में हंगामे के बाद प्रदेश भर के विश्वविद्यालय जांच के घेरे में
- टीमें यह देखेंगी विश्वविद्यालय में सीटों के मुकाबले कितने एडमिशन
- बिना मान्यता कोर्स संचालित होते मिले तो कार्रवाई होनी तय

अमृत विचार : बाराबंकी स्थित रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी में बिना मान्यता के दाखिला लिये जाने के आरोप के बाद छात्रों ने जमकर हंगामा किया था। विरोध कर रहे छात्रों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज की घटना के बाद शासन ने इसका संज्ञान लेते हुए पूरे प्रदेश में मैनेजमेंट और इंजीनियरिंग सहित अन्य कॉलेजों की जांच के आदेश दिए हैं।

इसी क्रम में लखनऊ में जिला प्रशासन ने लगभग 400 कॉलेजों की सूची तैयार की है। जिलाधिकारी विशाख जी के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी ट्रांस गोमती राजकुमार मित्तल ने 25 संयुक्त टीमें गठित करके जांच शुरू कर दी है। टीम में अपर नगर मजिस्ट्रेट, सहायक पुलिस आयुक्त और एक वरिष्ठ शिक्षक शामिल हैं। ये टीमें कॉलेजों में जाकर सत्यापन कर रही हैं। जल्द ही टीमें जांच पूरी करके अपनी रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंपेंगी। जिला प्रशासन से रिपोर्ट शासन को भेज दी जाएगी। रिपोर्ट के आधार पर कमियां पाये जाने पर संस्थान के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कॉलेज की मान्यता जांचेंगी टीमें : अपर जिलाधिकारी ट्रांस गोमती राज कुमार मित्तल ने बताया कि टीमें जांच में यह देखेंगी कि कॉलेज ने किस विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त की है। कॉलेज में उपलब्ध सीटों के मुकाबले कितने छात्र अध्ययन कर रहे हैं। किस कोर्स या डिग्री के लिए कितने छात्रों को प्रवेश दिया है। यह भी चेक किया जाएगा कि कॉलेज जो कोर्स चला रहा है उसे यूजीसी की सूची में शामिल विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त है या नहीं।

खुनखुन जी गर्ल्स कॉलेज में आयोजित हुआ कार्यक्रम

अमृत विचार, लखनऊ : खुन खुन जी गर्ल्स डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के अवसर पर एक दिवसीय शिविर का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि डॉ. सुषमा मिश्रा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के द्वारा हुई। डॉ. सुषमा मिश्रा द्वारा छात्राओं को संबोधित करते हुए एनएसएस के महत्व व विकास पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने बताया कि एनएसएस का मुख्य उद्देश्य युवाओं को समाज सेवा के लिए प्रेरित करना और उन्हें समाज के विकास में योगदान देने के लिए तैयार करना है। इस अवसर महाविद्यालय में पोस्टर प्रतियोगिता स्वच्छ भारत अभियान का भी आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में शालू मौर्या बी.ए प्रथम वर्ष प्रथम स्थान, सोनम गौतम बीए प्रथम वर्ष द्वितीय स्थान पर रही। कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रुचि यादव ने मुख्य अतिथि का धन्यवाद ज्ञापित किया।

95 साल पुरानी परंपरा ला मार्टिनियर में बंद

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- कोलकाता के बिशप ने पत्र लिखकर लखनऊ ला मार्टिनियर का किया बहिष्कार
- लखनऊ के छात्रों को अनुशासनहीन और बदतमीज कहा
- कोलकाता में हुए मैच के दौरान हुई थी मारपीट की घटना

अमृत विचार: ला मार्टिनियर स्कूलों का 95 वर्षों से चला आ रहा इंटर-मार्टिनियर मीट लखनऊ के साथ अब नहीं होगा। कोलकाता के बिशप ने इस बारे में सख्त चिट्ठी लिखकर रोक लगा दिया है। इस इंटर-मार्टिनियर मीट में विभिन्न प्रतियोगिताएं व खेलकूद आयोजित किया जाता था, जो अब नहीं होगा। मामला कोलकाता में हुए मीट में फुटबाल मैच के दौरान कोलकाता और लखनऊ के छात्रों के बीच हुई मारपीट को बताया जा रहा है। यह मैच पिछले 26-27 अगस्त को हुआ था।

लखनऊ के ला मार्टिनियर कॉलेज के छात्रों द्वारा इंटर-मार्टिनियर मीट 2025 के दौरान हिंसा किए जाने के बाद भविष्य में होने वाली सभी इंटर-मार्टिनियर मीट्स को रद्द कर दिया गया है। कोलकाता मीट के दौरान छात्रों के बीच झड़प हुई थी। इस दौरान

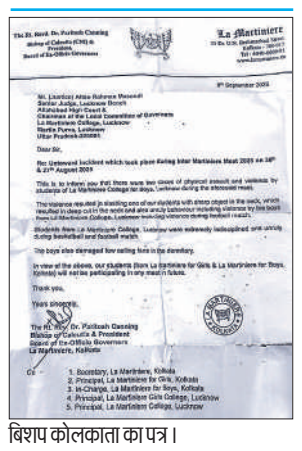

बिशप कोलकाता का पत्र।

लखनऊ के ला मार्टिनियर कॉलेज के छात्रों ने दो छात्रों पर हमला किया और एक छात्र को तेज वस्तु से गहरा घाव पहुंचाने का आरोप है। कोलकाता के बिशप डॉ. पारितोष कैनिंग ने एक पत्र में लिखा है कि ला मार्टिनियर कॉलेज लखनऊ के छात्रों ने बास्केटबॉल और फुटबॉल मैचों के दौरान अत्यधिक अनुशासनहीन और बदतमीजी भरा व्यवहार किया।

छात्रावास के पंखे तोड़ने का आरोप

- बिशप डॉ. पारितोष कैनिंग ने पत्र में लिखा है कि लखनऊ के छात्रों ने कोलकाता स्कूल के छात्रावास में लगे पंखों को तोड़ दिया है। इसके अलावा भी परिसर में अराजकता, अशांति फैलाया है। हालांकि ला मार्टिनियर से जुड़े लोगों का कहना है कि यह निर्णय आवेश में लिया गया है और आशा है बिशप इस पर पुनर्विचार करेंगे।

फॉल्कंस रिजर्व ने लखनऊ सिटी क्लब को 3-0 से हराया

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- सतीश शुक्ला मेमोरियल फुटबॉल लीग का आयोजन
- उजय क्लब को वॉकओवर शोभित और अमन ने किया शानदार प्रदर्शन

अमृत विचार: सतीश शुक्ला मेमोरियल फुटबॉल लीग के सुपर लीग मुकाबले में बुधवार को लखनऊ फॉल्कंस रिजर्व ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लखनऊ सिटी फुटबॉल क्लब को 3-0 से शिकस्त दे पूरे अंक बटोरे। वहीं, दिन के दूसरे मुकाबले में एक्स स्टूडेंट फुटबॉल क्लब के मैदान में न पहुंचने के कारण उजय फुटबॉल क्लब को वॉकओवर मिल गया। यह मुकाबला कैंट स्थित दिलकुशा खेल मैदान पर खेला गया।

मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों ने आक्रामक रुख अपनाया। खेल के तीसरे ही मिनट में फॉल्कंस रिजर्व के शोभित ने लखनऊ सिटी की डिफेंस को चकमा देते हुए शानदार फील्ड गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। शुरुआती झटके के बाद लखनऊ सिटी ने वापसी की कोशिश की, हमले भी तेज किए, लेकिन गोल करने में असफल रहे। मैच के 36वें मिनट में फॉल्कंस रिजर्व के अमन ने साथी खिलाड़ी के मिले पास पर गोल दागते हुए स्कोर को 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ की शुरुआत में भी फॉल्कंस रिजर्व का दबदबा बरकरार रहा। 51वें मिनट में एक बार फिर शोभित ने मौका नहीं गंवाया और अपना दूसरा गोल करते हुए टीम को 3-0 की निर्णायक बढ़त दिला दी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच आक्रामक खेल जारी रहा, लेकिन कोई कोई भी गोल करने में कामयाब नहीं हो सका। अंत में लखनऊ फॉल्कंस रिजर्व ने 3-0 से मैच को जीत लिया।

टीईटी अनिवार्यता के खिलाफ शिक्षकों ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

हस्ताक्षर अभियान चलाते शिक्षक। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: सुप्रीम कोर्ट द्वारा टीईटी अनिवार्यता के संबंध में पारित आदेश से शिक्षकों में जहां एक तरफ निराशा व्याप्त है, वहीं दूसरी तरफ आंदोलन कर रहे हैं। प्रदेश सरकार द्वारा पुनर्विचार याचिका दाखिल करने के बाद भी शिक्षक शांत होने का नाम नहीं ले रहे हैं

अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के आह्वान पर अब शिक्षक काली पट्टी बांधकर स्कूलों में अध्यापन कार्य कर रहे हैं और हस्ताक्षर अभियान चला रहे हैं। जिला अध्यक्ष लखनऊ वीरेंद्र प्रताप सिंह और मंत्री बृजेश कुमार मौर्य ने कहा कि संगठन के आदेश से 15 अक्टूबर तक शिक्षक काली पट्टी बांधकर अध्यापन कार्य करेंगे और बृहद स्तर पर हस्ताक्षर अभियान चलाकर प्रधानमंत्री से शिक्षा के अधिकार अधिनियम में हुए संशोधन को निरस्त करने की मांग करेंगे।

जिला कोषाध्यक्ष हरिशंकर राठौर और संयुक्त मंत्री मोहम्मद रियाज ने बताया गोसाईगंज मोहनलालगंज, मलिहाबाद आदि सभी ब्लॉकों में मीना गुप्ता, ममता त्यागी, मनोज मौर्य, लईक अहमद, संतोष दिवाकर, शशि प्रभा सिंह, गीता देवी, गोविंद सिंह, अभिषेक पटेल, विनीत कुमार, धर्मेंद्र वर्मा, रुचि अवस्थी, आलोक कुमार, राकेश कुमार, बृजेश कुमार सहित सैकड़ों शिक्षकों ने हस्ताक्षर अभियान में हिस्सा लिया।

विधिक सहायता शिविर में बैड टच-गुड टच बताया

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि छात्रों ने किया जागरूक

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की संस्था विधिक सहायता केंद्र व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में अस्ती गांव में छात्रों को जागरूक किया गया। बक्शी का तालाब स्थित इस गांव के निवासियों के लिए निःशुल्क विधिक सहायता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को पॉक्सो (लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012) की संक्षिप्त जानकारी दी गई। जिसके अंतर्गत ओजस्वी सिंह ने पोक्सो अधिनियम का परिचय दिया तथा अच्छे स्पर्श और बुरे स्पर्श के बारे में भी जानकारी साझा की। सहज आनंद ने बच्चों के यौन अपराधों की वर्तमान स्थिति, अपराधों के प्रकार और अपराधों को रिपोर्ट करने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी साझा की।

निमिता गर्ग ने महिला हेल्पलाइन 181, वन स्टॉप सेंटर योजना, उज्जवला योजना, पीएम आवास योजना, पीएम जनधन योजना, आयुष्मान भारत योजना, सुकन्या समृद्धि योजना एवं अन्य सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी सांझा की। कार्यक्रम के दौरान विधिक सहायता केंद्र के सदस्यों द्वारा गांव के लगभग 20 परिवारों में सरकारी योजनाओं से संबंधित एक डोर टू डोर सर्वे किया गया। शिविर का आयोजन प्रो. (डॉ.) आरके वर्मा, अधिष्ठाता, विधि संकाय, प्रो. अभिषेक कुमार तिवारी, प्रो. आलोक कुमार यादव, अध्यक्ष, प्रो-बोनो क्लब, अनिल कुमार सिंह, देवेन्द्र प्रताप सिंह, अनिता विश्वकर्मा, कुसुम कश्यप, जिला विधिक सहायता केंद्र के नेतृत्व में किया गया।

आस्ट्रेलिया ए ने भारत ए को बैकफुट पर धकेला

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

विकेट मिलने पर खुशी जताते आस्ट्रेलिया ए के खिलाड़ी। अमृत विचार

अर्धशतक लगाने वाले साई सुर्दशन

अमृत विचार: इकाना स्टेडियम में खेले जा रहे चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट मुकाबले में आस्ट्रेलिया ए ने भारत ए को बैकफुट पर धकेल दिया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए आस्ट्रेलिया ए ने अपनी पहली पारी में 420 रन बनाए, जिसके जवाब में भारत ए की पूरी टीम सिर्फ 194 रन पर सिमट कर रह गई। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक आस्ट्रेलिया ए ने अपनी दूसरी पारी में तीन विकेट खोकर 16 रन बना लिए हैं। अब मैच के दो दिन का खेल शेष है और भारत ए पर हार का खतरा गहराता जा रहा है।

भारत ए की ओर से पहली पारी में साई सुदर्शन को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज़ टिक कर नहीं खेल सका। सलामी बल्लेबाज़ केएल राहुल (11) के रूप में भारत को पहला झटका 27 के स्कोर पर लगा। इसके बाद टीम ताश के पत्तों की तरह बिखरती चली गई। हेनरी थॉर्नटन (10-2-36-4) और टॉड मर्फी (12.5-3-48-2) ने मिलकर भारतीय बल्लेबाजों को विकेट पर जमने नहीं दिया। टीम इंडिया की ओर से सर्वाधिक रन साई सुदर्शन ने बनाए। उन्होंने 140 गेंदों का सामना करते हुए 75 रनों की जुझारू अर्धशतकीय पारी खेली, जिसमें छह चौके और एक छक्का शामिल था। उनके अलावा जगदीशन (38) कुछ देर विकेट पर टिके, लेकिन बाकी बल्लेबाज़ संघर्ष करते ही नज़र आए। भारत ए की पारी शुरुआत से ही काफी खराब रही। 75 रनों पर टीम ने अपने पांच अहम विकेट गंवा दिए। देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरैल और नीतीश रेड्डी सिर्फ एक-एक रन बनाकर चलते बने। आयुष बदोनी (16) कुछ देर टिके पर मर्फी की गेंद पर आउट हो गए। प्रसिद्ध कृष्णा बाउंसर लगने से चोटिल हो गए और उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। बाकी बल्लेबाज़ों में सिराज और बरार एक-एक रन बनाकर आउट हो गए। वहीं दूसरे दिन आस्ट्रेलिया ए ने अपनी पहली पारी को नौ विकेट पर 350 रनों से आगे बढ़ाया। टॉड मर्फी और हेनरी थॉर्नटन ने मिलकर 70 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की और स्कोर को 420 तक पहुंचाया। बरार ने मर्फी को जुरैल के हाथों कैच कराकर पारी का अंत किया।

दूसरी पारी में वापसी की उम्मीद

- दूसरी पारी में आस्ट्रेलिया ए की शुरुआत भी लड़खड़ाई। टीम ने 16 रन के स्कोर तक अपने तीन विकेट गंवा दिए। सैम कॉन्स्टास (3) को बरार ने आउट किया, वहीं सिराज ने कैंबल को खाता खोलने का मौका नहीं दिया। मानव सुथार की गेंद पर पडिक्कल ने शानदार कैच पकड़कर ऑलिवर पिक (1) को चलता किया। दिन का खेल समाप्त होने तक कप्तान नेथन मैकस्वीनी (11 रन) क्रीज पर टिके हुए थे।

भारत ए पर हार का संकट

- अब मुकाबले में दो दिन का खेल शेष है और भारत ए को किसी भी कीमत पर दूसरी पारी में शानदार प्रदर्शन करना होगा। फिलहाल गेंदबाजों ने भारत को वापसी का हल्का मौका जरूर दिया है, लेकिन बल्लेबाज़ों को संयम और सूझबूझ दिखानी होगा, वरना यह मुकाबला भारत ए की हार में बदल सकता है।

सिटी डायरी

सीआईसी क्लब ने दर्ज की जीत

मैन ऑफ द मैच के खिताब के साथ शुलभ।

अमृत विचार, लखनऊ : 5वीं लाइफ केयर ट्रॉफी के तहत लॉर्ड्स बालाजी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए एकतरफा टी-20 मुकाबले में सीआईसी क्लब ने आरबीएन क्लब को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। टीम के लिए शुलभ सिंह चौहान ने घातक गेंदबाज़ी कर चार महत्वपूर्ण विकेट झटककर मैन ऑफ़ द मैच का खिताब अपने नाम किया। मैच की शुरुआत आरबीएन क्लब के टॉस जीतने से हुई, जिन्होंने पहले बल्लेबाज़ी करने का फ़ैसला किया जो कि टीम के हक में नहीं गया। सीआईसी क्लब की धारदार गेंदबाज़ी के सामने आरबीएन क्लब की पूरी टीम सिर्फ 91 रनों पर सिमट गई। गेंदबाज शुलभ सिंह चौहान ने घातक गेंदबाज़ी करते हुए 4 बल्लेबाजों को पैवलियन का रास्ता दिखाया, जिनमें यूपी टी-20 के जाने-माने ऑलराउंडर मोहम्मद शारिम का विकेट भी शामिल था।

महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम में शिक्षिकाएं।

महिला सशक्तिकरण पर हुआ कार्यक्रम

अमृत विचार, लखनऊ : अवध गर्ल्स डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस पर एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने नृत्य व महिला सशक्तिकरण पर आधारित नाटक प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि बुलबुल गोडियाल ने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) से सुरक्षा अधिनियम पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार मार्गदर्शन व कानून कार्यस्थल पर कार्यरत महिलाओं के जीवन को सशक्त और सुरक्षित बना रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों मीना कुमारी, कविता यादव एवं डॉ सुप्रीत सहाय के निर्देशन में हुआ। कॉलेज की प्राचार्या प्रो. बीना राय ने छात्राओं को राष्ट्र एवं समाज के प्रति निःस्वार्थ सेवाभाव से कर्तव्यों का पालन करने हेतु प्रेरित किया।

साइकिल से शैक्षिक भ्रमण के लिए निकलते छात्र-छात्राएं।

साइकिल से हुआ शैक्षिक भ्रमण

अमृत विचार, लखनऊ : ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में आयोजित 10वें दीक्षांत समारोह के अंतर्गत "दीक्षोत्सव 2025" प्रारंभ हो गया है। इस अवसर पर साइकिल यात्रा व शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। यात्रा का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में सामाजिक संवेदनशीलता, सामुदायिक जुड़ाव और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। छात्र-छात्राओं ने कस्तूरबा बालिका विद्यालय इंटर कॉलेज का भ्रमण किया। साइकिल यात्रा मोहम्मद शारिक व डॉ. हसन मेहंदी के पर्यवेक्षण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के संचालन व समन्वय में सुहेल, कृतिका, गुफरान, अशोक, शादाब, सिमरन, ज़ीनत, सोनम, अशोक यादव और लाला यादव ने विशेष योगदान दिया।

बॉल पर कब्जे को लेकर भिड़ते दोनों टीमों के खिलाड़ी। अमृत विचार

खेल | 43वीं अखिल भारतीय केडी सिंह बाबू आमंत्रण प्राइजमनी पुरुष हॉकी टूर्नामेंट

उत्तर प्रदेश हॉकी एकादश ने 6-0 से जीता मुकाबला

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- ओलंपियन ललित की मौजूदगी से यूपी टीम का जोश दोगुना

अमृत विचार: 43वीं अखिल भारतीय केडी सिंह बाबू आमंत्रण प्राइजमनी पुरुष हॉकी टूर्नामेंट में उत्तर प्रदेश हॉकी एकादश ने अपने शानदार खेल से दर्शकों दिल जीत लिया। मंगलवार को गोमती नगर विजयंत खंड स्थित पद्मश्री मोहम्मद शाहिद हॉकी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में यूपी हॉकी टीम ने जीएसटी एंड सेंट्रल एक्साइज को 6-0 के बड़े अंतर से पराजित कर दिया। टीम में ओलंपियन ललित उपाध्याय की मौजूदगी ने खिलाड़ियों के उत्साह को दोगुना कर दिया। ललित ने अपने अनुभव और बेहतरीन खेल से न सिर्फ टीम का मनोबल बढ़ाया, बल्कि विपक्षी टीम की डिफेंस को भी कई बार छकाया। उत्तर प्रदेश हॉकी टीम की अगुवाई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी उत्तम सिंह ने की।

मैच की शुरुआत से ही टीम ने आक्रामक रुख अपनाया और पांचवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के जरिए उज्ज्वल पाल ने पहला गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। 19वें मिनट में ललित उपाध्याय ने शानदार मैदानी गोल दागकर स्कोर को 3-0 कर दिया। 22वें मिनट में एक बार फिर पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे उज्ज्वल पाल ने सटीक तरीके से गोल में बदलकर टीम की बढ़त को और मजबूत किया। तीसरा क्वार्टर गोल रहित रहा, लेकिन अंतिम क्वार्टर में यूपी टीम ने रक्षात्मक रुख में खेल रही जीएसटी टीम पर ताबड़तोड़ तीन गोल दाग दिए। 46वें मिनट में अजय यादव, 51वें मिनट में केतन कुशवाहा और 52वें मिनट में गौरव यादव ने एक-एक गोल कर स्कोर 6-0 तक पहुंचा दिया। जीएसटी की टीम पूरे मैच में संघर्ष करती रही लेकिन यूपी की तेजतर्रार आक्रमण पंक्ति और मजबूत डिफेंस के सामने वह बेबस नजर आई।

स्प्रिंग डेल में हुआ छात्रों का सम्मान समारोह

सम्मानित किए गए विद्यार्थी।

अमृत विचार, लखनऊ : स्प्रिंग डेल संस्थान में 24 सितंबर को संस्थापक बीएस सूद की जयंती के उपलक्ष्य में प्रति वर्ष सम्मान समारोह मनाया जाता है। लगभग 180 छात्रों को बोर्ड परीक्षा और गृह परीक्षा में उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना द्वारा सम्मानित किया गया। संस्थान की निदेशिका रीता खन्ना और संगीता मिड्ढा ने भी छात्रों के प्रयासों की सराहना की।

न्यूज ब्रीफ

बुखार से पीड़ित इंस्पेक्टर की मौत

कानपुर। मूलरूप से इटावा के भरथना डांडी कटेहरा निवासी 39 वर्षीय इंस्पेक्टर वरुण प्रताप सिंह की बुखार के बाद अस्पताल में मौत हो गई। वे 2010 बैच के थे। परिवार में पत्नी रूबी और दो बच्चे हैं। पिता रामशरण सिंह ने बताया कि वरुण मौजूदा समय पुलिस लाइन में तैनात थे। इससे पूर्व वह सचेंडी, नौबस्ता और महाराजपुर में भी तैनात रहे। कुछ दिनों से उन्हें बुखार आ रहा था। अचानक तबियत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां बुधवार सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह स्पष्ट न होने पर विसरा रखा गया है। पुलिस लाइन में उन्हें अंतिम विदाई दी गई।

कुशाग्र हत्याकांड में एफआईआर लेखक से जिरह शुरू

कानपुर, अमृत विचार। रायपुरवा थाना के चर्चित कुशाग्र हत्याकांड में सुनवाई जारी है। एडीजीसी भास्कर मिश्रा ने बताया कि बुधवार को हुई सुनवाई में एफआईआर लेखक से जिरह शुरू हुई। केस में आरोपी प्रभात शुक्ला के वकील से एफआईआर लेखक की जिरह हुई। वहीं समय कम होने के चलते अब मामले की अगली सुनवाई 26 सितंबर को होगी। इससे पहले की सुनवाई में चाचा सुमित कनौडिया की जिरह पूरी हो चुकी है। बता दें कि कपड़ा कारोबारी मनीष कनोडिया के बेटे कुशाग्र की 30 अक्तूबर 2023 को बेरहमी से अपहरण करके हत्या कर दी गई थी। मामले में पुलिस ने ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, प्रभात शुक्ला और शिवा गुप्ता को दोषी मानकर उनको जेल भेजा था।

बहराइच : बच्ची को मां की गोद से छीन ले गया भेड़िया

ग्रामीणों के दौड़ाने पर मरणासन्न कर खेत में छोड़ा, मौत

संवाददाता, कैसरगंज, बहराइच

अमृत विचार : स्थानीय तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत मंझारा तौकली के मजरा बाबा पटाव में बुधवार की शाम भेड़िया मां की गोद में खेल रही तीन वर्षीय मासूम को छीन ले भागा। बच्ची की चीख सुनकर परिजन और ग्रामीण लाठी-डंडा लेकर भेड़िया के पीछे दौड़े। भेड़िए ने क मासूम को निवाला बनाने की कोशिश की। ग्रामीण उसके नजदीक पहुंचे तो वह बच्ची को छोड़कर खेत में भाग गया। गंभीर रूप से घायल मासूम को परिजन लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कैसरगंज पहुंचे। जहां पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

गंभीर रूप से घायल बच्ची को इलाज के लिए ले जाते परिजन। अमृत विचार

ग्राम पंचायत मझारा तौकली के मजरा बाबा पटाव निवासी बाबूलाल की तीन वर्षीया पुत्री सोनी अपनी मां की गोद में खेल रही थी। गर्मी के कारण उसकी मां घर बाहर बैठी थी। कुछ महिलाएं और भी बैठी थीं। इसी बीच आदमखोर भेड़िया मां की गोद से मासूम को छीन लिया। परिजन व ग्रामीणों ने लाठी-डंडे लेकर करीब 500 मीटर दूर तक भेड़िया का पीछा किया। ग्रामीणों को आता देख वह बच्ची को खेत में छोड़कर गया। बच्ची की हालत गंभीर थी। परिजन उसे सीएचसी लाये जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अभी एक दिन पहले भेड़िए ने गांव में एक मासूम को अपना निवाला बनाने की कोशिश की थी। लेकिन ग्रामीणों ने उसके मुंह से मासूम को बचा लिया था। अभी उसका इलाज चल रहा है।

अवैध मदरसे के बाथरूम में बंद मिलीं 40 किशोरियां, जांच शुरू

पयागपुर, बहराइच, अमृत विचार : स्थानीय तहसील के पटीहाट चौराहे पर एक अवैध मदरसे में प्रशासनिक टीम ने छापेमारी की। उपजिलाधिकारी अश्वनी पाण्डेय के नेतृत्व में कार्रवाई की गयी। इस दौरान 40 नाबालिग लड़कियां बाथरूम में बंद मिलीं। एसडीएम ने इन लड़कियों को मदरसा संचालक की सुपुर्दगी में देते हुए यहां पुलिस बल तैनात कर दिया है। साथ ही इसकी सूचना अल्पसंख्यक विभाग को भी दे दी है। छापेमारी के दौरान, मदरसे के संचालक खलील अहमद ने पहले तो एसडीएम को अंदर जाने से रोका, लेकिन सख्ती बरतने पर उन्हें अंदर जाने दिया गया। अंदर जाकर पता चला कि लड़कियों को मदरसे के अंदर मौजूद बाथरूम में बंद करके रखा गया था। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। इसके साथ ही, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग को भी इस पूरे मामले से अवगत करा दिया गया है। इस संबंध में एसडीएम पांडेय ने बताया कि इस मामले में बाहरी फंडिंग की बात भी सामने आ रही है। उन्होंने कहा कि ईडी को पत्रचार कराकर मामले की जांच करवाई जायेगी। एसडीएम ने कहा कि पुलिस जांच कर रही है।

तालाब और गड्ढे में डूबने से दो किशोरों की हुई मौत

संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : थानगांव इलाके में दो स्थानों पर पानी में डूबने से दो किशोरों की मौत हो गई। ग्वारी और नयापुरवा मजरा तरसेवरा हलीमनगर गांव में हुए हादसे की खबर पाकर क्षेत्रीय विधायक गांव पहुंचे और परिवारीजनों से मुलाकात की।

बता दें कि इलाके में बाढ़ और नदियों का पानी सड़क और आसपास पर भरा हुआ है। बताते हैं कि 10 वर्षीय रोशन घर से निकलकर गांव के बाहर था। सड़क पार करते समय अचानक उसका पैर गहरे पानी में चला गया। गड्ढे की गहराई अधिक होने के कारण वह बाहर नहीं निकल सका। जिससे उसकी मौत हो गई। दूसरा हादसा नयापुरवा मजरा तरसेवरा हलीमनगर में हुआ। परिजनों के मुताबिक, 14 वर्षीय आकिब पोखरा जाने वाले रपटा पुल पर अपने दोस्तों के साथ था। लोगों की मानें तो वो नहाने के लिए उतरा, तभी उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में डूब गया। राहगीरों ने शव को पानी से बाहर निकाला।

नहाते समय नदी में डूबने से छात्र की गयी जान

इमलिया सुल्तानपुर, सीतापुर, अमृत विचार: थाना क्षेत्र में नदी में नहाने गए एक छात्र की डूबने से मौत हो गई। ग्रामीणों की मदद से बालक के शव को नदी से बाहर निकाला गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के सहरोई गांव निवासी 12 वर्षीय सोनू पुत्र संजय बुधवार दोपहर करीब एक बजे सहरोई-सिकटिहा रेंज से निकले सरायन नदी में रपटा पुल जिंद बाबा स्थान के निकट नहाने गया था। बताते हैं कि नहाते समय सोनू नदी की गहराई में चला गया और डूबने से उसकी मौत हो गई।

यूट्यूब चैनल हैक कर फिरौती मांगने में दो बंदी

बलरामपुर, अमृत विचार : साइबर थाना पुलिस ने यूट्यूब चैनल हैक कर 8 लाख फिरौती मांगने वाले दो साइबर अपराधियों को बिहार से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से एक एंड्रायड फोन और एक आईफोन 13 बरामद किया है। विनय कुमार ने साइबर थाना में तहरीर दी थी कि उनके यूट्यूब चैनल को हैक कर लिया गया है। आरोपितों ने चैनल लौटाने के लिए 8 लाख की मांग की थी तथा 1.60 लाख रुपये पहले ही ले चुके थे। प्रभारी निरीक्षक आरपी यादव के नेतृत्व में टीम वादी को साथ लेकर कटिहार रेलवे स्टेशन पहुंची, जहां आरोपित मो. शाहिल रजा व मो. शब्बीर रजा, निवासी पूर्णिया (बिहार) को गिरफ्तार कर लिया गया।

पत्नी का सिर काटने वाले दरोगा को उम्रकैद

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। पत्नी की हत्या में दरोगा ज्ञानेंद्र सिंह को एडीजे-चार शुचि श्रीवास्तव की कोर्ट ने दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। वहीं सबूतों के अभाव में पांच आरोपियों को न्यायालय ने बरी किया है। कोर्ट ने दरोगा पर 60 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया। 2015 में दरोगा की पत्नी का सिर कटा शव कौशांबी के महेवा घाट स्थित पुल के पास मिला था। जेवर, घड़ी व टैटू से मृतका की पहचान हुई थी। पीड़ित परिजनों को 10 साल बाद न्याय मिला तो आंखों से आंसू छलक आए।

काकादेव के नवीननगर की रहने वाली विनीता सचान की बेटी ईशा ने मूसानगर थानाध्यक्ष रहे चित्रकूट के मऊ थाना छिवलाहा गांव निवासी ज्ञानेंद्र सिंह से 10 मार्च 2013 को शादी की थी। दोनों की एक बेटी शनाया भी है। शादी के कुछ समय बाद ईशा को पता चला कि ज्ञानेंद्र ने पहली शादी छिपाकर उससे विवाह किया है। इस पर दोनों के बीच विवाद हुआ और ईशा मायके में आकर रहने लगी। मां विनीता के अनुसार 17 मई 2015 को ईशा के मामा ने अपने घर पर बुलाकर दोनों के बीच समझौता कराया था। इसके बाद 18 मई को ज्ञानेंद्र घर आया और मुक्ता देवी दर्शन कराने की बात कहकर बेटी को अपने साथ कार से ले गया। उसी दिन रात आठ बजे तक बेटी घर नहीं पहुंची तो फोन किया, लेकिन बेटी के साथ ज्ञानेंद्र का मोबाइल स्विच ऑफ मिला। इस पर विनीता काकादेव थाने पहुंची, लेकिन पुलिस ने उन्हें टरका दिया।

दरोगा ज्ञानेंद्र सिंह।

इसके बाद एसएसपी के आदेश पर 19 मई को ज्ञानेंद्र के खिलाफ काकादेव थाने में अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया। 22 मई को काकादेव पुलिस को कौशांबी के महेवा घाट में एक सिरकटी लाश मिलने की जानकारी मिली। ईशा के परिजन भी कौशांबी पहुंचे, जहां टैटू, हैंडवॉच और जेवर से ईशा के शव की पहचान हुई। पुलिस ने मुकदमे में हत्या की धाराएं बढ़ाई और ज्ञानेंद्र, ट्रैवेल एजेंसी संचालक मनीष कठेरिया, उसके भाई बच्चा कठेरिया, अर्जुन सिंह, अवंतिका, आदर्श कुमार सविता व बच्चा कठेरिया को गिरफ्तार कर जेल भेजा।

> मामले में सभी आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई थी। अभियोजन की ओर से 11 कोर्ट में पेश किए गए। कोर्ट ने ज्ञानेंद्र को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास व 60 हजार जुर्माने की सजा सुनाई है। बाकी पांच आरोपियों को साक्ष्यों के अभाव में कोर्ट ने बरी कर दिया।
> –प्रदीप बाजपेई, एडीजीसी

दिल्ली में कृत्रिम बारिश कराएगा आईआईटी कानपुर

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आईआईटी कानपुर दिल्ली में क्लाउड सीडिंग (कृत्रिम बारिश) कराएगा। इसके लिए आईआईटी कानपुर को डीजीसीए से अनुमति मिल गई है। यह बारिश 1 अक्टूबर से 30 नवंबर के बीच कराई जाएगी।

कृत्रिम बारिश उत्तरी दिल्ली के क्षेत्र में कराई जाएगी। आईआईटी कानपुर को अनुमति दिए जाने के साथ ही डीजीसीए की ओर से कई शर्तें भी लगाई गई हैं। क्लाउड सीडिंग उड़ान के दौरान सभी नागरिक नियमों उड़ान नियमों और सुरक्षा मानकों का ख्याल रखा जाना जरूरी है। उड़ान से पहले एटीसी की भी अनुमति भी लेना भी जरूरी है। प्रयोग के दौरान किसी भी विदेशी पायलट या दल का भी शामिल किया जाना अनुमति को रद्द कर सकता है। यह प्रयोग पूरी तरह से भारतीय पायलटों की ओर से किया जाएगा। आईआईटी कानपुर के एयरोस्पेस इंजीनियिरिंग विभाग की यह पहल विज्ञान और मौसम नियंत्रण के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस दौरान विभाग की टीम यह देखेगी कि क्लाउड सीडिंग के उचित परिणाम मिल रहे हैं या नहीं। क्लाउड सीडिंग तकनीक में बादलों में रासायनिक तत्वों का छिड़काव किया जाता है।

होमगार्ड कानून व्यवस्था के अहम अंग : प्रमोद पाल

अयोध्या कार्यालय, अमृत विचार : होमगार्ड पुलिस के सहायक बल के रूप में कानून-व्यवस्था और ट्रैफिक व्यवस्था में योगदान देते हैं। वह धूप और कठिन परिस्थितियों में भी पुलिस के साथ ड्यूटी निभाते हैं। इनकी भर्ती राज्य सरकार के नियमों के अनुसार ही होती है। यह बातें होमगार्ड के डीआईजी प्रमोद कुमार पाल ने कहीं।वह बुधवार को अयोध्या पुलिस लाइंस सभागार में मंडल के सभी जिलों के होमगार्ड कमांडेंट के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने आवश्यक सुविधाओं को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इस दौरान डिविजनल कमांडेंट अमित कुमार मिश्र, अयोध्या कमांडेंट राघवेंद्र कुमार शुक्ल, अंबेडकर नगर के कमांडेंट अंतिम सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

होमगार्ड के डीआईजी प्रमोद पाल का स्वागत करते जिला कमांडेंट राघवेंद्र शुक्ल।

अपहरण व दुष्कर्म में 10 वर्ष की कैद

विधि संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: किशोरी के अपहरण व दुष्कर्म मामले में स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट नीरज कुमार श्रीवास्तव ने दोषी विजय विश्वकर्मा को 10 साल के कैद की सजा सुनाई। दोषी पर 15 हजार रुपए अर्थदण्ड भी लगाया है जिसकी सम्पूर्ण रकम कोर्ट ने पीड़िता को देने का आदेश भी दिया है।

अमेठी जिले के संग्रामपुर थाने के एक गांव की रहने वाली पीड़िता किशोरी की मां ने एक मई 2024 की घटना बताते हुए स्थानीय थाने में मुकदमा दर्ज कराया। आरोप के मुताबिक स्थानीय थाने का रहने वाला आरोपी विजय विश्वकर्मा उनकी 16 वर्षीय पुत्री को बहलाकर बुलाया और अपहरण कर ले गया और दुष्कर्म जैसी वारदात को अंजाम दिया। मामले का विचारण स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट की अदालत में चला। अभियोजन पक्ष से विशेष लोक अभियोजक सीएल द्विवेदी ने केस की पैरवी की। कोर्ट ने अभियोजन पक्ष के साक्ष्यों के आधार पर दोषी को उसकी करनी की सजा भुगतने के लिए जेल भेज दिया।

डकैती में चार को 5 साल कैद

बाराबंकी, अमृत विचार : न्यायालय ने नौ साल पूर्व हुई डकैती के प्रकरण में 4 अभियुक्तों को 5 वर्ष कठोर कारावास व 2-2 हजार रुपये अर्थदण्ड अदा करने की सजा सुनाई है। थाना कोतवाली नगर पर डकैती के अपराध के सम्बन्ध में पंजीकृत मुकदमें से सम्बन्धित नजर हुसैन उर्फ वाफिर उर्फ पंजाबी उर्फ जंगली उर्फ नत्थू, शाबिद उर्फ कोकी, अजमल निवासीगण सदीमपुर थाना असमौली संभल, इस्तिखार उर्फ जोनी उर्फ रमेश निवासी बेला थाना बेला औरैया को न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या- 4 द्वारा 5 वर्ष का कठोर कारावास की सजा से दण्डित किया गया।

निकाह के 38 साल बाद दिया तीन तलाक, केस

लहरपुर, सीतापुर : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम नेवादा मजरा गणेशपुर निवासी मोजमा बानो ने पुलिस को शिकायत दी कि उसके पति नुसरत अली ने निकाह के 38 साल बाद उसे तीन तलाक दे दिया। पीड़िता ने बताया कि उनका विवाह 20 अप्रैल 1986 को हुआ था। पति का व्यवहार शुरू से ठीक नहीं था और वह लखनऊ के डालीगंज में अपनी भाभी के साथ रहता था। लगभग दो वर्ष पूर्व पति ने दूसरी शादी कर ली और अप्रैल व जून में नोटिस भेजकर तलाक दिया। कोतवाली प्रभारी विजयेंद्र सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुस्लिम विवाह अधिकारों की सुरक्षा अधिनियम की धारा के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

मवई को मिला नया आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज

मवई, अयोध्या, अमृत विचार : ब्लॉक क्षेत्र के मांजनपुर गांव में निर्मित आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज अब क्षेत्रवासियों को समर्पित होने को तैयार है। लगभग 49 करोड़ रुपये की लागत से बना यह कॉलेज आने वाले समय में ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं और छात्रों को शिक्षा का अवसर प्रदान करेगा। कॉलेज के नोडल अफसर डॉ. महेंद्र सिंह विष्णु ने बताया कि कॉलेज का निर्माण कार्य वर्ष 2021-22 में शुरू कराया गया था। जिम्मा कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज को सौंपा गया था। निर्धारित समय सीमा में संस्था द्वारा भवन का निर्माण पूरा कर लिया गया है। इसे हैंडओवर लेकर प्रारंभिक दो वर्षों तक चिकित्सा सेवाएं और ओपीडी जैसी सुविधाएं शुरू की जाएंगी।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
मो0-9696715133

देह व्यापार में पकड़े गए लोगों पर हो बुलडोजर कार्रवाई : सांसद अवधेश

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : रामनगरी में देह व्यापार जैसा अनैतिक कार्य आठ साल से चला रहा था, जो निंदनीय है। यह बात सांसद अवधेश प्रसाद ने कही। वह बुधवार को शहर के एक होटल में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की कि वह इस मामले को गंभीरता से लेते हुए बुलडोजर कार्रवाई करें।

फतेहगंज स्थित खीर वाली गली में सामने आए गेस्ट हाउस कांड पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह स्वयं मौके पर गए थे, जहां मोहल्ले के अनेक लोगों ने आरोप लगाया कि यह अवैध कारोबार लंबे समय से संचालित हो रहा था, जिसकी शिकायत समय-समय पर स्थानीय पुलिस चौकी को दी जाती रही, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। कहा कि सात वर्षों में जितने भी चौकी प्रभारी यहां तैनात रहे, उनकी विस्तृत जांच होनी चाहिए और दोषी पाए जाने पर कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने गेस्ट हाउस में चल रही अवैध गतिविधियों की उच्चस्तरीय जांच करने, दोषी पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई करने व शामिल व्यक्तियों पर बुलडोजर कार्रवाई करने की मांग की।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते सांसद अवधेश प्रसाद।

अलग-अलग हुए सड़क हादसों में दो लागों की मौत, वृद्ध घायल

बाराबंकी, अमृत विचार : विभिन्न थाना क्षेत्रों में हुए सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक वृद्ध घायल हो गया। देवा-चिनहट मार्ग पर मंगलवार की देर रात कार ने बाइक सवार युवक को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 25 वर्षीय विकास गौतम की मौत हो गई। वहीं रामनगर थाना क्षेत्र के ग्राम बसंतपुर निवासी गुरुचरन (20) एक हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इलाज के दौरान बुधवार को उसकी मौत हो गई। मसौली थाना क्षेत्र के बड़ागांव क्रासिंग पर बुधवार को राष्ट्रीय राजमार्ग पार करते समय रोडवेज बस ने स्कूटी सवार मो. तूफेल (65) को टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सीएचसी बड़ागांव में भर्ती कराया गया है।

सूचना
मेरा मूल दस्तावेज बैनामा दिनांकित 01/06/2015 को बही सं. 1 जिल्द सं. 6493 पृष्ठ सं. 379 से 420 पर क्रमांक 4785 पर कार्यालय उपनिबंधक तहसील सदर जनपद महाराजगंज में रजिस्ट्रीकृत है। जो आराजी मौजा पिपर देउरा (राजीव नगर आराजी सं. 589/0.013 हेक्टेयर) कहीं खो गया है। उसे किसी बैंक या वित्तीय संस्था में बंधक नहीं किया गया है, उसे भारतीय स्टेट बैंक मिनी आर. ए. सी. पी. सी. पडरौना, कुशीनगर में बंधक कर ऋण ले रहा हूँ।
– राकेश कुमार पटेल पुत्र देवी शरन नि–ग्रा.–पकरी सिसवा, त. सदर, महाराजगंज

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना
निम्नलिखित कार्यो के लिये "खुली" निविदा वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/सा० पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती हैः–
क्रम सं.-1, निविदा सं.: वमंविइ-लजं०-29-2025, कार्य का विवरणः कटरा स्टेशन पर रिमॉडलिंग के तहत इंटरलॉकिंग के प्रावधान, आरपीएफ चौकी का निर्माण, कटरा स्टेशन पर 20 बिस्तरों वाले आरपीएफ बैरक का प्रावधान, बढ़नी में 03 स्टेबलिंग लाइन का प्रावधान, जगतबेला में डाउन विस्तारित लूप पाइन का प्रावधान और विभिन्न रेलवे स्टेशनों के 10 पीपी शेल्टर का विस्तार/प्रावधान कुल 20 बे के लिये विद्युत कार्य। अनुमानित लागतः₹ 74,69,276.13, बयाना राशिः ₹ 1,49,400/-, निविदा मूल्यः ₹ 0.00, कार्य सम्पादन की अवधिः 06 माह। **क्रम सं.-2,** निविदा सं.: वमंविइ-लजं०-32-2025, कार्य का विवरणः मैलानी स्टेशन पर एचएस–एसपीएआरटी के लिये बुनियादी सुविधाओं का निर्माण, लखीमपुर में आरपीएफ बंदीगृह (पुरूष और महिला) की वायरिंग, एमएलएन में 20 बेड का आरपीएफ बैरक और दुधवा, बीआरके, एमएलएन, मिहींपुरवा और जीकेपी रेलवे स्टेशन पर डीप ट्यूबवेल का प्रावधान। अनुमानित लागतः ₹ 83,38,560.25, बयाना राशिः₹ 1,66,800/-, निविदा मूल्यः₹ 0.00, कार्य सम्पादन की अवधिः 06 माह। **क्रम सं.-3,** निविदा सं.: वमंविइ-लजं०-33-2025, कार्य का विवरणः इलेक्ट्रिक लोको की होमिंग के लिये डीजल शेड में सुविधाओं का विस्तार, एलजेएन डिवीजन के जीडी, जीकेपी, जीकेसी, बीएसटी, जेईए, जीडी, बीयूडब्ल्यू, जीटीएनआर, एसटीपी, बीएलपी, एमएलएन और एसयूबीआर स्टेशन पर पाथवे लाइटिंग सुविधाओं और पोर्टा केबिन का प्रावधान। अनुमानित लागतः₹ 99,67,305.23, बयाना राशिः ₹ 1,99,400/-, निविदा मूल्यः ₹ 0.00, कार्य सम्पादन की अवधिः 06 माह। **क्रम सं.-4,** निविदा सं.: वमंविइ-लजं०-34-2025, कार्य का विवरणः लोको शेड गोण्डा में स्टोर डिपो के बुनियादी ढांचे में सुधार, ईएलएस जीकेपी में इलेक्ट्रिकल और नेट सुविधा की स्थापना के साथ स्टोर बिल्डिंग, स्टॉकिंग वार्ड का प्रावधान, बीयूडब्ल्यू, टीकेयूआर, एसडीएम, बीएनवाई और एनटीवी स्टेशन पर शंटिंग कार्य और क्रू स्टाफ के आवागमन के लिये मार्ग का प्रावधान और जेईए में गहरे ट्यूबवेल का प्रावधान। अनुमानित लागतः ₹ 87,91,782.86, बयाना राशिः ₹ 1,75,800/-, निविदा मूल्यः ₹ 0.00, कार्य सम्पादन की अवधिः 06 माह।
• उक्त निविदा बन्द होने की अंतिम तिथि व समयः 15-10-2025 को 15:00 बजे।
नोटः- इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट *http://www.ireps.gov.in* को देखें।
वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/सामान्य
मुजाधि/विद्युत–142 लखनऊ
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

सूचना
मैंने अपने पुत्र का नाम Raja से बदलकर Harsh Rajput कर दिया है। उसे भविष्य में इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। Jeevan Lal S/O Sri Shyam Lal, R/O Village & Post-Bhitauli Kalan, Nababganj, District-Barabanki 225003

सूचना
मैं, **सान्या पत्नी श्री गिरीश कुकरेजा 91 रतन लाल नगर, कानपुर – 208022,** यह घोषणा करती हूँ कि मैंने अपना नाम सान्या से बदलकर सान्या सिंघानी कर लिया है। यह नाम परिवर्तन सभी आगामी कार्यो और दस्तावेज़ों में प्रभावी रहेगा।

सूचना
मैने अपना नाम HASAN BANO से बदलकर HASAN VANI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-RAHAMAT ULLAH ग्राम–गोल्हीपुर जिला–बलरामपुर (उ0प्र0)

सूचना
मैने अपना नाम MOHAMMAD ARSHI से बदलकर MOHAMMAD ARSHI KHAN रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-KAMMAL AHMAD ADD-356/225/433, ASHOK NAGAR NEAR DHANIYA MEHRI PUL RAJAJIPURAM DIST-LUCKNOW-226017 (U.P)

सूचना
मैं **कृष्ण कुमार यादव पुत्र स्व0 सरदार सिंह निवासी–555ज/80, मेंहदी खेड़ा, मानकनगर, लखनऊ,** मेरी पुत्री का सही नाम हनी यादव (HONEY YADAV) है। पुत्री के अंग्रेजी नाम में त्रुटिवश हनी यादव (HUNNEY YADAV) हो गया है जो कि गलत है। पुत्री के अंग्रेजी नाम की स्पेलिंग में (HUNNEY YADAV) की जगह (HONEY YADAV) लिखा जाये जो कि सत्य एवं सही है।

सूचना
विदयानिवास बनाम सरकार ग्राम–बभनगांव, परगना– बुढ़ापायर तहसील – मनकापुर, जनपद–गोण्डा धारा – 80 (2) उ0प्र0 राजस्व सहिंता 2006 गाटा सं0–397/0.3060 हे0 में से 0.0180हे0 की धारा–80 (2) यू0पी0आर0 सी0 घोषित करने हेतु आवेदन किया गया है। यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो न्यायालय उपजिलाधिकारी मनकापुर के न्यायालय पर आकर आपत्ति कर सकता है।
उपजिलाधिकारी
मनकापुर जनपद गोंडा

सूचना
मैं, **संदीप पांडेय, पुत्र श्री रामचंद्र पांडेय निवासी ग्राम देनवा, पोस्ट गोसाईगंज, तहसील जयसिंहपुर, जनपद सुल्तानपुर,** मेरा पुत्र अथर्व पांडेय का जन्म दिनांक 09/09/2016 है। यह जन्मतिथि उसके जन्म प्रमाण पत्र तथा आधार कार्ड में अंकित है और सत्य एवं सही है। किन्तु स्थानांतर प्रमाण पत्र कक्षा चार (4) की (TC) में भूलवश उसकी जन्मतिथि 09/09/2015 अंकित हो गई है, जो कि गृलत है। अतः मेरे पुत्र अथर्व पांडेय की सही जन्मतिथि 09/09/2016 मानी जाए और विद्यालय के अभिलेखों में उसी के अनुसार दर्ज की जाए।

सूचना
मैं **आयुष अग्रवाल पुत्र आशीष अग्रवाल निवासी 41/146 रामरतन बाजपेयी रोड नरही लखनऊ,** मेरी हाईस्कूल मार्कशीट/सार्टिफिकेट अनुक्रमांक– 23222899 मेरे नाम की स्पेलिंग AYUSH AGRAWAL अंकित है जबकि वास्तविक स्पेलिंग AYUSH AGARWAL तथा माता व पिता के भी SHRUTI AGRAWAL व पिता में ASHISH AGRAWAL के स्थान पर सही स्पेलिंग SHRUTI AGARWAL व ASHISH AGARWAL अंकित किया जाये।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा इण्टरमीडिएट सीबीएसई बोर्ड वर्ष– 2020, जिसका अनुक्रमांक– 5170920 है, जिसका अंकपत्र व सहप्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया है। साथ ही स्थानांतरण प्रमाण पत्र भी कही खो गया है। **हिमांशी रंजन पुत्री राकेश रंजन ग्राम व पोस्ट– बरवारीपुर, कादीपुर, जनपद–सुलतानपुर।**

सूचना
मैं **महफ़ूज़ अहमद पुत्र श्री मुनीर अहमद निवासी–485/250, लकड़मण्डी, बब्बू वाली गली, डालीगंज, फिश मार्केट के पास, निराला नगर, लखनऊ – 226020, उ0प्र0** का हूँ मेरे पासपोर्ट सं0 M 9110501, उक्त पासपोर्ट में मेरी जन्म तिथि 29.12.1991 अंकित है। जबकि आधार कार्ड व पैन कार्ड में मेरी जन्म तिथि 31.12.1987 अंकित है।

प्रतियोगिता | सर्वाधिक पदक हासिल कर मेरठ मंडल ने जीता दोहरा खिताब

वुशु प्रतियोगिता में लखनऊ दूसरे स्थान पर

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: प्रदेशीय विद्यालयीय बालक-बालिका वुशु प्रतियोगिता बुधवार को आदर्श इंटर कॉलेज में पुरस्कार वितरण के साथ सम्पन्न हुई। प्रतियोगिता के दोनों वर्गों में सर्वाधिक पदक हासिल कर मेरठ मंडल ने दोहरा खिताब जीता। वहीं लखनऊ दोनों वर्गों में उपविजेता और अयोध्या मंडल तीसरे स्थान पर रही। मुख्य अतिथि वित्त विहीन विद्यालय प्रधानाचार्य परिषद के अध्यक्ष राम कृपाल सिंह ने विजेता व उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।

आदर्श इंटर कॉलेज के संयोजन में हुई प्रदेशीय वुशु प्रतियोगिता के बालक वर्ग में मेरठ मंडल ने छह स्वर्ण पदक, चार रजत व दो कांस्य पदक के साथ सर्वाधिक 44 अंक हासिल किए। लखनऊ टीम ने तीन स्वर्ण पदक, पांच कांस्य पदक के साथ 20 अंक हासिल किए। अयोध्या मंडल दो स्वर्ण पदक, एक रजत व 4 कांस्य पदक के साथ 17 अंक प्राप्त किए। बालिका वर्ग में मेरठ मंडल ने तीन स्वर्ण पदक, तीन रजत व तीन कांस्य पदक के साथ 26 अंक प्राप्त किए। लखनऊ टीम ने छह रजत व दो कांस्य पदक के साथ 20 अंक और अयोध्या ने तीन स्वर्ण व चार कांस्य पदक के साथ 19 अंक प्राप्त किए।

प्रदेशीय स्कूली बालक वुशु प्रतियोगिता की विजेता मेरठ मंडल टीम ट्रॉफी के साथ।

ट्रायल में खिलाड़ियों का चयन

अयोध्या, अमृत विचार : प्रदेश स्तरीय केजीवीपी अंडर 14, अंडर 17 बालिका कबड्डी एवं योग का कार्यक्रम सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक शिक्षा कार्यालय के ग्राउंड पर हुआ। ट्रायल में प्रयागराज, अयोध्या, अलीगढ़, लखनऊ, मिर्जापुर, वाराणसी आदि मंडलों ने प्रतिभाग किया। ट्रायल में बच्चों का कबड्डी और योग के लिए चयन किया। अंडर 14 में अंजलि मिर्जापुर, नेहा भार्गव लखनऊ, राधा हापुर, संध्या प्रार्थना झांसी, तनु गाजियाबाद आदि शामिल रही। अंडर 17 में अंशु, अंजलि, खुशी, सोनम अलीगढ़ से और ममता मिर्जापुर से, सुनैना लखनऊ से रोहिणी और अंजनी लखनऊ का चयन हुआ।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना
निम्नलिखित कार्यो के लिये मुहरबन्द "खुली निविदा" वरिष्ठ मण्डल सिगनल एवं दूरसंचार, इंजीनियर, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती हैः–
• **निविदा सूचना संख्याः 39 वर्ष 2025,** कार्य का विवरणः GKP में शेष 03 प्लेटफार्मो (PF No.-5,6 और 7), LJN में 02 प्लेटफार्मो (PF No.-3 और 5) पर कोच गाइडेंस सिस्टम का और प्रवेश द्वार तथा एफओबी पर ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड के लिये 2 वर्षो के लिये व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध। अनुमानित लागतः ₹ 21,99,339.78, बयाना राशिः ₹ 44,000/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः ₹ 0.00, कार्य समापन अवधिः 24 माह। • **निविदा सूचना संख्याः GS-02 of 2025,** कार्य का विवरणः ऐशबाग द्वितीय प्रवेश, गोमतीनगर और लखनऊ जंक्शन पर पार्सल कार्यालय का निर्माण और आधुनिकीकरण। अनुमानित लागतः ₹ 38,25,096.75, बयाना राशिः ₹ 76,500/-, निविदा प्रपत्र का मूल्यः ₹ 0.00, कार्य समापन अवधिः 120 दिन।
(1) निविदाओं के बन्द होने की अंतिम तिथि एवं समयः 16-10-2025 at 15:00 Hrs.
नोटः इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु, कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट *http://www.ireps.gov.in* को देखें।
मण्डल रेल प्रबन्धक (सिगनल एवं दूरसंचार)
मुजाधि/सिगनल-56 लखनऊ
गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

अमृत विचार

गुरुवार, 25 सितंबर 2025

प्रतिबद्धता के क्षण में, ब्रह्मांड आपकी सहायता करने के लिए षड़यंत्र रचता है।

–जोहान वोल्फगैंग वॉन गोएथे, जर्मन दार्शनिक

सरकार का ऐतिहासिक कदम

जातिगत भेदभाव भारतीय समाज की सबसे जटिल और पुरानी समस्याओं में से एक रहा है। संविधान ने समानता का अधिकार देकर सभी नागरिकों को एक समान दर्जा प्रदान किया, लेकिन व्यवहारिक जीवन में जाति का उल्लेख, भेदभाव और उससे उपजे तनाव लगातार मौजूद रहे। हाल ही में इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में योगी सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए यह निर्देश जारी किया है कि अब पुलिस दस्तावेजों, सरकारी कार्यवाहियों, एफआईआर, गिरफ्तारी मेमो, शव परीक्षण रिपोर्ट, तलाशी मेमो या किसी भी तरह के आधिकारिक दस्तावेजों में जाति का उल्लेख नहीं किया जाएगा। इतना ही नहीं, राजनीतिक रैलियों, सार्वजनिक मंचों और शिकायतों में भी जाति का नाम जोड़ना प्रतिबंधित होगा। यह कदम केवल प्रशासनिक सुधार नहीं है, बल्कि समाज में जातिगत विषमता को मिटाने की दिशा में एक ठोस पहल है। जाति का उल्लेख कई बार कानून व्यवस्था पर प्रतिकूल असर डालता है। किसी अपराध के आरोपी या पीड़ित की जाति लिखे जाने से सामाजिक तनाव भड़क सकता है। पुलिस रिकॉर्ड्स में जाति अंकित करने से एक वर्ग विशेष की छवि हमेशा के लिए अपराध से जुड़ जाती है, जिससे सामाजिक न्याय की मूल भावना को ठेस पहुंचती है। सरकार का यह निर्णय इस कुप्रथा को समाप्त करने और सभी नागरिकों को समान दर्जा देने का प्रयास है। साथ ही सोशल मीडिया पर फैलाए जाने वाली जाति-आधारित नारेबाजी और भड़काऊ संदेशों पर भी सख्त निगरानी रखने की बात कही गई है।

इस फैसले का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अब समाज को धीरे-धीरे जाति की जकड़न से बाहर लाने की जमीन तैयार होगी। जब किसी सरकारी दस्तावेज में जाति अंकित नहीं होगी, तो धीरे-धीरे लोगों की सोच से भी यह भेदभाव मिटने लगेगा। प्रशासनिक स्तर पर यह एक साहसी कदम है, क्योंकि इससे न केवल पुलिस और प्रशासनिक कार्यवाहियों में पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि नागरिकों में यह संदेश जाएगा कि राज्य सबको समान दृष्टि से देखता है। हालांकि यह कहना जल्दबाजी होगी कि केवल दस्तावेजों से जाति हटाने भर से सामाजिक समरसता स्थापित हो जाएगी।

राजनीतिक दलों को भी इस कदम से सबक लेना होगा। चुनावी रैलियों और भाषणों में जाति-आधारित गोलबंदी हमारी लोकतांत्रिक संस्कृति पर धब्बा है। यदि ऐसे उल्लेख समाप्त होंगे तो राजनीति का ध्यान असल मुद्दों-रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की ओर जाएगा। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भी इसे स्वागत योग्य बताते हुए कहा कि यह निर्णय जातिगत भेदभाव को समाप्त करने की दिशा में बड़ा कदम है। यह सही भी है, क्योंकि जब तक जाति की दीवारें बरकरार हैं, तब तक वास्तविक समानता संभव नहीं है। आखिरकार, यह निर्णय केवल प्रशासनिक आदेश नहीं बल्कि सामाजिक सुधार की ओर बढ़ता हुआ संदेश है। यदि इसे सख्ती से लागू किया गया और राजनीतिक-सामाजिक संगठनों ने भी सहयोग किया, तो आने वाले वर्षों में भारतीय समाज जातिगत बंधनों से बहुत हद तक मुक्त हो सकता है।

प्रसंगवश

बदलता समाज और खत्म होता बचपन

आधुनिकता के इस युग में दुनिया जैसे-जैसे विज्ञान और टेक्नोलॉजी के बूते स्मार्ट होती जा रही है, वैसे-वैसे वह अपना कुछ खोती भी जा रही है! आधुनिकता की चकाचौंध में हम क्या खो रहे हैं, इसका आभास भी नहीं है। भारत सहित दुनिया भर में मासूम बच्चे, जो ठीक से बोल भी नहीं पाते, वह स्मार्ट फोन आपरेट करना सीख जाते हैं। वह स्मार्ट फोन से क्या-कुछ सीख रहे हैं, इसका माता-पिता को आभास भी नहीं है। आधुनिक दौर का यह बचपन स्मार्ट फोन की तरह दिनों-दिन अपडेट हो रहा है। यह बच्चे माता-पिता की कल्पना से भी आगे की बात करने लगा है। इन बच्चों के कार्य-व्यवहार को जब करीब से देखते हैं, तो ऐसा लगता है कि इनका बचपन समय से पहले ही चला गया है। यह अपनी उम्र से कहीं अधिक बड़ों जैसा व्यवहार करते नजर आते हैं।

अरविंद रावल

लेखक

बचपन मानव जीवन का सबसे सुंदर और सर्वोतम दौर होता है। न कोई फिक्र न कोई चिंता और न कोई जिम्मेदारी। बचपन सदा मस्तमौला होता है और बचपन में जीवन निर्माण का खाका तैयार होता है, जिसमें भविष्य गढ़ा जाता है। समाज जैसे-जैसे बदलता जा रहा है, उसका असर भी बच्चों पर पड़ रहा है। इन सबके बीच बचपन गुम हो रहा है। आज मानव के पास अथाह दौलत और शोहरत है। बड़ी-बड़ी इमारतें हैं और इन इमारतों में आधुनिक विलासिता की वह सारी चीजें मौजूद हैं, जिनके बूते जीवन ऐशो-आराम से जिया जा सकता है! इन इमारतों के दरवाजों में बच्चों को एक तरह से कैद कर दिया गया है। ज्यादातर बच्चों के हाथों में स्मार्ट मोबाइल थमा दिया गया है। मोबाइल से यह बच्चे वह सब कुछ सीख रहे हैं, जो उनकी उम्र के लिहाज से काफी बुरा है। यहां तक कि बच्चों की पहुंच अश्लील सामग्री तक हो जा रही है। इससे बच्चों का मन-मस्तिष्क दूषित हो रहा है। कच्ची उम्र में उन्हें यह सब कुछ बर्बादी की तरफ ले जा रहा है। खराब बात यह है कि मां-बाप को इसका अंदाजा भी नहीं है कि उनका बच्चा मोबाइल पर कैसी सामग्री देख रहा है?

अपने देश में बच्चों के लिए कोई रीति-नियम नहीं बचा है। न कोई सामाजिक मानक ही तय किए गए हैं। कोविड में आन लाइन क्लासेज के जरिए एक बार जब स्कूली बच्चों के हाथ मोबाइल लगा तो वह फिर उनसे नहीं छूटा। बात सिर्फ अश्लील सामग्री तक ही नहीं है, अब ज्यादातर बच्चे स्कूल की किताबों की जगह यूट्यूब से पढ़ना पसंद कर रहे हैं। यूट्यूब पर मौजूद कोर्स की हर सामग्री अपडेटेड या सही हो, यह जरूरी नहीं है। वहां से पढ़ा बच्चा जब एग्जाम में गलत जवाब लिखकर आता है और मार्क्स कम आते हैं तो मां-बाप जान ही नहीं पाते कि कमी कहां पर रह गई। वह यही कहते मिलते हैं कि उनके बच्चे ने बहुत मेहनत से पढ़ाई की थी, जाने कैसे उसके नंबर कम आए हैं!

नई पीढ़ी में नैतिकता हो, वह भविष्य में समाज के जिम्मेदार नागरिक बन सकें, इसकी जिम्मेदारी समाज के साथ ही मां-बाप की भी है। मासूम अपने बचपन को इंज्वाय कर सकें और वह अपनी उम्र के हिसाब से धीरे-धीरे ज्ञान अर्जित करें, यह बहुत आवश्यक है, क्योंकि जिस तरह से मस्तिष्क का विकास होता है, उसी तरह की जानकारी भी उनके दिमाग में जानी चाहिए। कच्ची उम्र में बड़ों की बातें सीख जाना उनके लिए खतरनाक है और यह उन्हें गलत दिशा में ले जाएगा। ऐसी कई सारी घटनाएं हो चुकी हैं, जहां बच्चों ने मोबाइल देखकर क्राइम करना सीखा। बच्चों का भविष्य सुंदर हो और वह अपने बचपन को बेहतर जी सकें, यह जिम्मेदारी सभी की है।

'ब्रेन ड्रेन' को 'ब्रेन गेन' में बदलने का अवसर

डॉ. शिवम भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर, जीएलए विश्वविद्यालय

किसी भी राष्ट्र की शक्ति केवल उसकी भौतिक संपत्तियों या प्राकृतिक संसाधनों से नहीं, बल्कि उसकी मानव संसाधन क्षमता से भी निर्धारित होती है। विशेषकर तकनीकी और नवाचार के क्षेत्र में यह अकाट्य सत्य रूप में प्रकट होता है। अमेरिका ने पिछले तीन-चार दशकों में जिस गति से स्वयं को वैश्विक तकनीकी केंद्र के रूप में स्थापित किया है, उसमें विदेशी प्रतिभाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भारतीय इंजीनियरों और वैज्ञानिकों ने सिलिकॉन वैली की सफलता में अहम योगदान दिया है। यही कारण है कि H-1B वीजा को अमेरिका और भारत के बीच एक सेतु के रूप में देखा जाता है।

प्रतिवर्ष हजारों भारतीय इस वीजा के माध्यम से अमेरिका जाते हैं, अपनी जिंदगी संवारते हैं और अमेरिकी अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं, लेकिन अब बड़ा अवरोध खड़ा हो गया है। ट्रंप ने घोषणा की कि नए H-1B वीजा आवेदकों से $100,000 का एकमुश्त शुल्क लिया जाएगा। यह राशि इतनी अधिक है कि अधिकांश पेशेवरों के लिए अमेरिका की राह मुश्किल होने वाली है। यह निर्णय केवल प्रशासनिक सुधार नहीं है, बल्कि वैश्विक प्रतिभा प्रवाह को रोकने की एक कोशिश है, हालांकि यह नीति केवल नए आवेदकों पर लागू होती है, मौजूदा वीजा धारकों पर नहीं। फिर भी प्रश्न यह है कि इसके दूरगामी परिणाम क्या होंगे? अमेरिका और भारत दोनों के लिए इसका क्या अर्थ होगा? और सबसे महत्वपूर्ण, क्या यह नीति अमेरिका के लिए आत्मघाती साबित होगी और भारत के लिए अवसर का द्वार खोलेगी?

कई रिपोर्ट्स के अनुसार अमेरिका में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, गणित (STEM) पेशेवरों की विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध नौकरियों के सापेक्ष उपलब्धता सीमित है। इस कमी को अब तक विदेशी प्रतिभा पूरी करती रही है। भारतीय पेशेवर अकेले H-1B वीजा धारकों का 70% से अधिक हिस्सा रखते हैं, लेकिन अब $100,000 की बाधा के चलते तमाम योग्य पेशेवर अमेरिका जाने का सपना छोड़ देंगे। आईटी दिग्गजों के लिए भी चिंता यही है कि उन्हें काम करने के लिए सही लोग नहीं मिलेंगे अथवा खर्चा बहुत ज्यादा बढ़ने वाला है। अध्ययनों से साबित हुआ है कि विदेशी प्रतिभा स्थानीय नौकरियां छीनती नहीं, बल्कि पैदा करती हैं। इसके बावजूद ट्रंप प्रशासन की यह नीति घरेलू श्रमिकों को खुश करने के नाम पर विदेशी प्रतिभा के दरवाजे लगभग बंद कर रही है। इसका परिणाम होगा धीमी नवाचार गति, उत्पादन में गिरावट और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पिछड़ना।

अब बात भारत की। सबसे बड़ा नुकसान भारतीय पेशेवरों को होगा। अमेरिका लंबे समय से भारतीय पेशेवरों, खासकर आईटी क्षेत्र के लिए 'करियर डेस्टिनेशन' रहा है। बेहतर वेतन, अंतर्राष्ट्रीय अनुभव और स्थायी निवास की संभावना ने लाखों युवाओं को वहां खींचा, लेकिन इस नई नीति ने इस रास्ते को लगभग असंभव बना दिया है। इसका असर सिर्फ आर्थिक नहीं, भावनात्मक भी है। कई परिवार टूटेंगे, कई सपने अधूरे रह जाएंगे। भारतीय आईटी कंपनियों के लिए भी यह झटका है। तमाम कंपनियां वर्षों तक अपने कर्मचारियों को H-1B के जरिए अमेरिका भेजकर प्रोजेक्ट्स संभालती रहीं। अब यह मॉडल बेहद महंगा होता जा रहा है। छोटे और मध्यम आकार की कंपनियों के लिए तो यह शुल्क विनाशकारी साबित होगा।

तस्वीर का दूसरा पहलू भी है। अमेरिका में मुश्किलें बढ़ने का अर्थ है कि भारतीय प्रतिभा अब देश के भीतर ही अवसर ढूंढने को प्रयासरत होगी। पहले जिन युवाओं के लिए अमेरिका ही करियर की मंजिल था, वे अब भारत में अवसर ढूंढेंगे। यही भारत के लिए 'ब्रेन ड्रेन' को 'ब्रेन गेन' में बदलने का अवसर है। भारत में पहले से ही 1,580 से अधिक ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (GCC) मौजूद हैं, जहां बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपना रिसर्च, डेवलपमेंट और सपोर्ट का काम भारत से करवाती हैं। 2030 तक इनकी संख्या 2,300 से अधिक होने का अनुमान है। इससे लाखों नई नौकरियां और अरबों डॉलर का निवेश भारत में आ सकता है। भारतीय स्टार्टअप इको सिस्टम पहले से ही दुनिया के अग्रणी ईको सिस्टम्स में से एक है। अगर बेहतरीन इंजीनियर और वैज्ञानिक यहीं रुकते हैं, तो स्टार्टअप्स की संख्या में बढ़ोत्तरी भी संभव है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी और बायोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में भारत वैश्विक नेतृत्व हासिल कर सकता है।

यह नीति केवल भारत और अमेरिका का मामला नहीं, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा से भी जुड़ी है। चीन अपनी STEM शिक्षा और रिसर्च पर भारी निवेश कर रहा है। यूरोप और कनाडा जैसी जगहें भी भारतीय प्रतिभा को आकर्षित करने में सक्रिय हैं। यदि अमेरिका ने अपने दरवाजे बंद कर दिए तो यह प्रतिभा कहीं और जाएगी। सवाल यह है कि भारत इस मौके को पकड़ पाएगा या नहीं? शिक्षा और कौशल विकास में निवेश, शोध को प्रोत्साहन, कर ढांचे में सुधार, स्टार्टअप्स को पूंजी और सरल नियम तथा वैश्विक कंपनियों को स्थिर माहौल, ये सब मिलकर भारत को प्रतिभा का असली घर बना सकते हैं।

भारत के लिए यह कठिनाई भी है और अवसर भी। कठिनाई इसलिए कि हजारों भारतीय पेशेवरों के सपने टूटेंगे और आईटी कंपनियों के लिए चुनौतियां बढ़ेंगी, लेकिन अवसर इसलिए कि यही प्रतिभा अब भारत की धरती पर रहकर देश के उद्योग, स्टार्टअप और शोध को मजबूत करेगी। अगर भारत सरकार और उद्योग जगत मिलकर सही रणनीति अपनाते हैं तो बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर, नवाचार के लिए अनुकूल माहौल और वैश्विक मानकों के अनुरूप वेतन संरचना की बदौलत भारत के लिए आर्थिक क्रांति की शुरुआत हो सकती है। सवाल यह नहीं कि अमेरिका ने क्या खोया, बल्कि यह है कि भारत क्या हासिल करता है।

पहले जिन युवाओं के लिए अमेरिका ही करियर की मंजिल था, वे अब भारत में अवसर ढूंढेंगे। यही भारत के लिए 'ब्रेन ड्रेन' को 'ब्रेन गेन' में बदलने का अवसर है।

आमने

केंद्र के अधीन फरक्का बैराज व डीवीसी के डैमों की वर्षों से ड्रेजिंग नहीं होने से हर बार जब बिहार, झारखंड, यूपी, उत्तराखंड में बारिश होती है, तो वहां का पानी बंगाल आ जाता है। इसके लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है। –**ममता बनर्जी**, सीएम, पश्चिम बंगाल

सामने

कोलकाता व आसपास बीती रात मूसलाधार बारिश के कारण जल जमाव और विभिन्न स्थानों पर करंट लगने से 10 लोगों की मौत की घटना के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जिम्मेदार हैं। एक बार फिर साबित हो गया है कि बंगाल के लोग ममता के विनाशकारी कुशासन से जूझ रहे हैं। –**सुवेंदु अधिकारी**, नेता प्रतिपक्ष, पश्चिम बंगाल

भारतीय सिनेमा फाल्के से मोहनलाल तक

योगेश कुमार गोयल

वरिष्ठ पत्रकार

नई दिल्ली का विज्ञान भवन 23 सितंबर को भारतीय सिनेमा के स्वर्णिम क्षण का गवाह बना। 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के करकमलों से मलयालम सिनेमा के महानायक मोहनलाल को भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान 'दादासाहेब फाल्के पुरस्कार' प्रदान किया गया। यह क्षण केवल एक अभिनेता की उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा की विविधता, उसकी कलात्मकता और उसके वैश्विक प्रभाव का प्रतीक भी था। दक्षिण भारतीय सिनेमा की परंपरा और गौरव को नए शिखर पर ले जाने वाले मोहनलाल ने अपने चार दशक लंबे अभिनय करियर में न केवल मलयालम बल्कि तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और हिंदी फिल्मों में भी अपनी अदाकारी का परचम लहराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोहनलाल को इस सम्मान पर बधाई देते हुए कहा कि उनका सफर न केवल एक अभिनेता की कहानी है, बल्कि यह भारतीय सिनेमा की विविधता, जीवंतता और वैश्विक पहुंच का भी प्रतीक है। यह टिप्पणी इस तथ्य को रेखांकित करती है कि मोहनलाल केवल एक फिल्म स्टार नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय गर्व के दूत भी हैं।

मोहनलाल विश्वनाथन, जो दक्षिण भारत में 'मोहनलाल' के नाम से विख्यात हैं, का जन्म 21 मई 1960 को केरल में हुआ था। 1978 में 'थिरनोट्टम' नामक फिल्म से उनके फिल्मी करियर की शुरुआत हुई, लेकिन वास्तविक पहचान उन्हें 1980 के दशक के मध्य में मिली, जब वे मलयालम सिनेमा के नए चेहरे के रूप में स्थापित हुए। चार दशकों से अधिक के इस सफर में मोहनलाल ने 400 से अधिक फिल्मों में काम करते हुए दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी और मलयालम सिनेमा को नई पहचान दिलाई। मोहनलाल की अभिनय शैली को 'नेचुरल एक्टिंग' का पर्याय माना जाता है। चाहे साधारण मध्यवर्गीय युवक की भूमिका हो, ऐतिहासिक चरित्र हो या एक्शन हीरो का रूप, मोहनलाल हर किरदार में पूरी तरह ढल जाते हैं। यही कारण है कि उन्हें भारतीय सिनेमा का 'द कंप्लीट एक्टर' कहा जाता है। उनकी कुछ उल्लेखनीय फिल्मों में 'किरिडम' (1989), 'भारतं' (1991), 'वानप्रस्थम' (1999), 'दृश्यम' (2013, 2021), 'इरुप्पथम नूट्टांडी' और 'पुलिमुरुगन' (2016) शामिल हैं। 'वानप्रस्थम' ने तो अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की और कांस फिल्म महोत्सव में भी प्रदर्शित हुई, जबकि 'दृश्यम' को हिंदी तथा अन्य भाषाओं में रीमेक किया गया।

मोहनलाल का अभिनय सफर केवल लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहा बल्कि उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार और सम्मान भी मिले। वे पांच बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं, जिनमें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का खिताब भी शामिल है। उन्हें पद्म भूषण (2019) और पद्म श्री (2001) जैसे भारत सरकार के उच्च नागरिक सम्मान मिल चुके हैं। कई बार केरल राज्य फिल्म पुरस्कार और फिल्मफेयर पुरस्कार भी उन्हें प्राप्त हुए हैं। इन सभी उपलब्धियों के बावजूद दादासाहेब फाल्के पुरस्कार उनके जीवन का सर्वोच्च सम्मान है, जिसने उनके योगदान को भारतीय सिनेमा की विरासत में अमर कर दिया है।

भारतीय सिनेमा की नींव रखने वाले धुंडीराज गोविंद फाल्के (दादासाहेब फाल्के) को 'भारतीय सिनेमा का जनक' कहा जाता है। 1913 में उन्होंने भारत की पहली पूर्ण लंबाई वाली फीचर फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' बनाई थी। उनकी स्मृति में ही 1969 से दादासाहेब फाल्के पुरस्कार की शुरुआत हुई थी, जो भारतीय सिनेमा का सर्वोच्च सम्मान है। यह पुरस्कार उन व्यक्तित्वों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने सिनेमा को नई ऊंचाईयों तक पहुंचाने में आजीवन योगदान दिया हो। पहली बार यह पुरस्कार देविका रानी को मिला था और तब से लेकर अब तक यह पुरस्कार पृथ्वीराज कपूर, सत्यजीत रे, दिलीप कुमार, लता मंगेशकर, अशोक कुमार, राजकपूर, अम्मानोरमलिनी, रजनीकांत और अमिताभ बच्चन जैसे दिग्गजों को मिल चुका है।

मोहनलाल का सम्मान दर्शाता है कि दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग (मलयालम, तमिल, तेलुगू और कन्नड़) ने वैश्विक स्तर पर भारतीय फिल्मों की पहचान को मजबूत किया है। भारतीय सिनेमा पर अक्सर बॉलीवुड का दबदबा चर्चा में रहता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग ने भारतीय सिनेमा को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मोहनलाल इस परंपरा के ऐसे स्तंभ हैं, जिन्होंने मलयालम सिनेमा को न केवल भारत के हर कोने तक पहुंचाया, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सम्मान दिलाया। उनकी फिल्मों में सामाजिक यथार्थ, पारिवारिक भावनाएं, आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अद्भुत मिश्रण देखने को मिलता है।

दादासाहेब फाल्के पुरस्कार प्राप्त कर मोहनलाल ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारतीय सिनेमा की आत्मा उसकी विविधता और कलात्मकता में निहित है। कुल मिलाकर, मोहनलाल को मिला दादासाहेब फाल्के पुरस्कार भारतीय सिनेमा की उस यात्रा का उत्सव है, जो दादासाहेब फाल्के की पहली फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' से शुरू हुई और आज वैश्विक मंचों तक पहुंच चुकी है।

71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह के मौके पर राष्ट्रपति ने मलयालम सिनेमा के महानायक मोहनलाल को भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान 'दादासाहेब फाल्के पुरस्कार' प्रदान किया।

सोशल फोरम

'मिरर लाइफ' के खतरे

दुनिया भर के वैज्ञानिकों के बीच मिरर लाइफ यानी ऐसी जीवन संरचना, जिसमें जीवों के सारे अणु उल्टे (mirrored) हों, पर चल रहे रिसर्च को रोकने की मांग तेज हो गई है। विश्व भर के 38 प्रमुख वैज्ञानिकों ने 2024 के अंत में Science जर्नल में एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसमें कहा गया था कि मिरर बैक्टीरिया मानव, जानवरों, पौधों और पूरे पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर किसी तरह से ऐसे उल्टे-जैसे बैक्टीरिया लैब से बाहर आ जाएं, तो पृथ्वी पर कई जीवों की पूरी आबादी के लिए वास्तव में कोई बचाव तंत्र ही नहीं रहेगा, क्योंकि अब तक हमारे इम्यून सिस्टम सिर्फ प्राकृतिक (मूल) जैविक अणुओं को पहचानने के लिए विकसित हुए हैं।

मनोज अभिज्ञान

ब्लॉगर

मिरर लाइफ प्रयोगशाला में बनाई जाने वाली जीवन की ऐसी व्यवस्था है, जिसमें जीवन के सभी अणु, जैसे डीएनए, आरएनए और प्रोटीन अपने प्राकृतिक रूप के ठीक उल्टे यानी दर्पण-छवि (mirror image) जैसे होते हैं। जैसे हर इंसान के दाएं और बाएं हाथ की बनावट एक जैसी है, लेकिन एक-दूसरे की दर्पण छवि है, वैसे ही मिरर लाइफ के अणु भी सामान्य जीवन के अणुओं के ठीक विपरीत होते हैं।

धरती पर पाए जाने वाले सभी जीवों में डीएनए और आरएनए के नयूक्लियोटाइड्स दाहिने (right-handed) होते हैं और प्रोटीन के अमीनो एसिड्स बाएं (left-handed) होते हैं। मिरर लाइफ में ये बिलकुल उल्टे होंगे। डीएनए और आरएनए के नयूक्लियोटाइड्स बाएं और अमीनो एसिड्स दाहिने होंगे। ऐसा जीवन अब तक धरती पर कहीं नेचुरली नहीं मिला है। वैज्ञानिक सिंथेटिक जीव विज्ञान की मदद से इसे बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह अभी सिर्फ प्रयोगशाला की कल्पना है। चिंता यह है कि अगर ऐसे मिरर जीव बन जाते हैं, तो इन्हें पहचानना, रोकना या नियंत्रित करना बेहद मुश्किल हो सकता है, क्योंकि हमारे शरीर की सुरक्षा प्रणाली इन्हें नहीं पहचान पाएगी।

मई 2025 में मैनचेस्टर में वैज्ञानिकों, नीति-निर्माताओं और नैतिक विशेषज्ञों की अहम बैठक हुई थी। इसमें अधिकांश विशेषज्ञों ने माना कि मिरर लाइफ पर रिसर्च बंद करना जरूरी है, ताकि ऐसी संरचनाएं न बनाई जा सकें, जिन्हें रोका न जा सके। यह भी कहा गया कि जो रिसर्च दवाओं में मिरर इमेज अणुओं का इस्तेमाल करती है, वह अलग और सुरक्षित हैं, क्योंकि ये पहले ही FDA द्वारा अनुमोदित दवाओं में प्रयोग हो रहे हैं। **-फेसबुक वाल से**

सामयिकी

यूपीएस में कर्मचारी नहीं दिखा रहे हैं रुचि

केंद्रीय सरकार ने कर्मचारियों के लिए यूपीएस यानी यूनिफाइड पेंशन स्कीम के चयन करने की तारीख 30 सितंबर 2025 तक बढ़ा दी थी। यूपीएस जो देश में पहली अप्रैल 2025 से लागू की गई थी। यह तारीख इसलिए बढ़ानी पड़ी, क्योंकि यूपीएस के चयन में अभी तक काफी कम कर्मचारियों ने रुचि दिखाई है। कर्मचारी ओपीएस यानी ओल्ड पेंशन स्कीम की मांग काफी पहले से करते आ रहे हैं, दूसरी ओर यूपीएस के चयन में इनकी दिलचस्पी कम आंकी जा रही है। एनपीएस यानी नेशनल पेंशन स्कीम में तब्दील किए गए कर्मचारी यूपीएस में जाने से गुरेज कर रहे हैं।

लगभग 24 लाख कर्मचारियों में से कुल 40,000 कर्मचारियों ने ही अभी तक यूपीएस के चयन की स्वीकृति दी है, जो संख्या में बहुत कम है। यही मुख्य कारण है कि केंद्र सरकार ने यूपीएस के विकल्प के लिए तिथि को बढ़ा दिया है। इसके साथ ही राज्य सरकारों को भी यूपीएस चुनने का विकल्प केंद्र द्वारा दिया जा रहा है। अब बात करते हैं ओपीएस यानी ओल्ड पेंशन स्कीम की। ओपीएस, एनपीएस के पूर्व में प्रदान की जानी वाली पेंशन स्कीम है, जिसमें कर्मचारियों के वेतन से इसके लिए किसी भी तरह की कोई कटौती नहीं की जाती थी, अथवा अंशदान नहीं लिया जाता था, जबकि सरकार ही पूरी राशि प्रदान किया करती थी। सरकार पेंशन की गारंटी देती थी और मूल वेतन के साथ-साथ डीए का 50% हिस्सा कर्मचारियों की पेंशन के लिए दिया जाता था।

शिवालिक अवस्थी

लेखक

एनपीएस यानी नेशनल पेंशन स्कीम पहली जनवरी 2004 से लागू की गई थी। इस स्कीम में ओपीएस की तुलना में रात-दिन का फर्क देखने को मिला। नतीजन, कर्मचारियों का 10 प्रतिशत अंशदान और सरकार का 14 प्रतिशत अंशदान इस स्कीम में शामिल किया गया। इस अंशदान के बाद राशि को बाजार आदि में निवेश किया जाना प्रस्तावित हुआ। बस यहीं से मानों कर्मचारियों ने एक जंग सी छेड़ दी। कर्मचारी ओपीएस की मांग सरकार से करने लगे। मूलतः एनपीएस बाजार नियंत्रित रिटर्न्स पर निर्भर रहने वाली स्कीम है, जिसमें रिस्क फैक्टर बने रहने के चांस भी हैं। इन्हीं सब तथ्यों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने बीच का रास्ता निकाल कर यूपीएस स्कीम को लांच किया। यूपीएस यानी यूनिफाइड पेंशन स्कीम एक ऐसी स्कीम है, जहां पर अंशदान के साथ-साथ पेंशन की गारंटी भी प्रदान की जाएगी।

अब बात करते हैं यूपीएस यानी यूनिफाइएड पेंशन स्कीम की। यहां साफ करना होगा कि यूपीएस एक वैकल्पिक स्कीम है यानी एनपीएस की तरह इसे अपनाना जरूरी नहीं है। यूपीएस का चयन कर्मचारियों को अपने हिसाब से करना है। इसके लिए सरकार की तरफ से कोई दबाव नहीं है। चूंकि यूपीएस, ओपीएस और एनपीएस का एक समावेशी पहलू है, इसलिए यूपीएस एक महत्वपूर्ण योजना हो सकती है, जहां सुरक्षा भी मिले वह भी गारंटी के साथ। यूपीएस में न्यूनतम 25 वर्ष की सेवा उपरांत कर्मचारी को उसके अंतिम 12 माह के मूल वेतन का 50 प्रतिशत, पेंशन व्यवस्था के तौर पर सुनिश्चित किया गया है। वहीं 10 वर्ष की सेवा उपरांत 10,000 मासिक पेंशन की व्यवस्था की गई है। ग्रेच्युटी एवं डीए भुगतान का विकल्प भी समायोजित किया गया है, जबकि अंशदान की बात करें तो इसमें कर्मचारी के मूल वेतन और डीए का 10 प्रतिशत व सरकार द्वारा भी कर्मचारी के मूल वेतन और डीए का 10 प्रतिशत अंशदान शामिल किया गया है। इसके साथ ही अतिरिक्त 8.5 प्रतिशत यूपीएस पूल कॉर्पस भी सरकार द्वारा प्रदान किया जाएगा। यानी सरकार का योगदान लगभग 18.5 प्रतिशत तक रहेगा।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***

0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

सितारों और ग्रहों की रहस्यमयी दुनिया में बनाएं भविष्य

ब्रह्मांड हमेशा से इंसानों के लिए रहस्यमयी रहा है। रात के अंधेरे में टिमटिमाते तारे, चमकता चांद और ग्रहों की अनोखी दुनिया हर किसी को आकर्षित करती है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन रहस्यों को समझने के लिए एक खास विज्ञान है- एस्ट्रोफिजिक्स। अगर आप विज्ञान और गणित के छात्र हैं और अंतरिक्ष की गुत्थियों को सुलझाने का सपना देखते हैं, तो एस्ट्रोफिजिक्स आपके करियर का अगला बड़ा कदम हो सकता है। यह न केवल तारों और ग्रहों का अध्ययन करता है, बल्कि हमें बताता है कि ब्रह्मांड की उत्पत्ति कैसे हुई, वह कैसे बदलता है और भविष्य में कैसा होगा।

रोमांच से भरा करियर

- रहस्यमयी विषयों से जुड़ाव- यह आपको यूनिवर्स की सबसे गहरी पहेलियों से रूबरू कराता है।
- इनोवेशन और रिसर्च- इसमें रिसर्च का दायरा बहुत बड़ा है। आप नई खोजों में योगदान दे सकते हैं।
- वैज्ञानिक करियर - इस क्षेत्र में करियर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अवसरों से भरा है।
- प्रेरणादायक कार्यक्षेत्र- अंतरिक्ष एजेंसियों, रिसर्च संस्थानों और विश्वविद्यालयों में काम करने का मौका मिलता है।

कौन कर सकता है ये कोर्स

- एस्ट्रोफिजिक्स में एडमिशन लेने के लिए 12 वीं फिज़िक्स, केमिस्ट्री और मैथमेटिक्स (पीसीएस) से पास होना चाहिए। इसके साथ ही छात्रों को कम से कम 50 प्रतिशत या उससे ज़्यादा होने अंक होना चाहिए।

एंट्रेंस एग्जाम

- आईआईएसआर एप्टीट्यूड टेस्ट (आईएटी)- भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान
- एसईएसटी- नेशनल स्क्रीनिंग टेस्ट
- जेईई एडवांस्ड – जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन एडवांस्ड
- सीयूईटी-यूजी – कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट

इन संस्थानों से कर सकते हैं कोर्स

- भारतीय विज्ञान संस्थान बेंगलुरु।
- राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भुवनेश्वर।
- उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद।
- भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला अहमदाबाद।
- हर्ष चंद्र अनुसंधान संस्थान प्रयागराज।
- भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान बेंगलुरु।
- टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान मुंबई।
- अतंर- विश्वविद्यालय खगोल विज्ञान एवं खगोल भौतिकी केंद्र पुणे।
- आर्यभट्ट प्रेक्षणीय विज्ञान अनुसंधान संस्थान नैनीताल।
- रमन अनुसंधान संस्थान बेंगलुरु।

क्या है एस्ट्रोफिजिक्स

- एस्ट्रोफिजिक्स खगोलशास्त्र और भौतिकी का मिश्रण है। इसमें वैज्ञानिक ब्रह्मांड के हर छोटे-बड़े पहलू का अध्ययन करते हैं। इसमें हम अध्ययन करते हैं कि तारे कैसे जन्म लेते और खत्म होते हैं। ग्रह और उपग्रह अपनी कक्षाओं में कैसे चलते हैं। ब्लैक होल, न्यूट्रॉन स्टार और डार्क मैटर क्या होता है। ब्रह्मांड कितना बड़ा है और समय के साथ कैसे फैल रहा है। इस विज्ञान में दूरबीन, उपग्रह और गणित का इस्तेमाल होता है। आजकल हबल और जेम्स वेब जैसी दूरबीनें ब्रह्मांड की तस्वीरें भेजती हैं, जिससे वैज्ञानिक नई खोज कर पाते हैं।

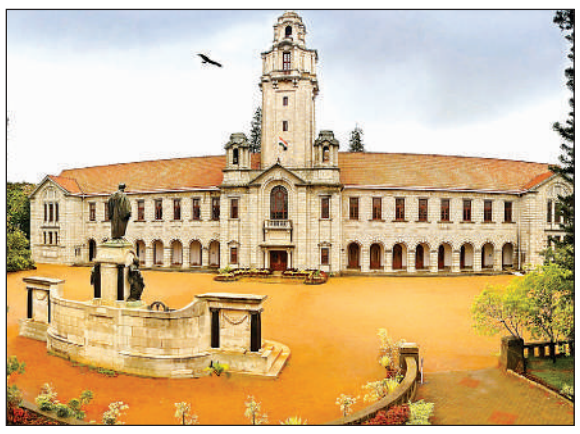

इस फील्ड में करियर

- एस्ट्रोफिजिक्स की पढ़ाई पूरी करने के बाद आप इन क्षेत्रों में काम कर सकते हैं:
- रिसर्च संस्थानों और प्रयोगशालाओं में रिसर्च साइंटिस्ट
- इसरो, नासा, ईएसए जैसी स्पेस एजेंसियों में स्पेस साइंटिस्ट
- डेटा एनालिस्ट खगोलीय और कॉस्मिक डेटा को समझने व विश्लेषण करने के लिए।
- सॉफ्टवेयर और कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में वैज्ञानिक शोध के लिए सिमुलेशन तैयार करना।
- एयरोस्पेस एंड टेलीकॉम सेक्टर- उपग्रह और अंतरिक्ष तकनीक के क्षेत्र में
- साइंस लेखक या पत्रकार- विज्ञान को सरल भाषा में आम जनता तक पहुंचाने के लिए।

सैलरी

- एस्ट्रोफिजिसिस्ट की सैलरी अनुभव, जगह और काम के प्रकार के हिसाब से अलग-अलग हो सकती है। एक फ्रेशर एस्ट्रोफिजिसिस्ट को लगभग 4-6 लाख रुपये सालाना मिल सकता है, जबकि अनुभवी फ्रेशर को 8-15 लाख रुपये तक का सालाना पैकेज हो सकता है। प्राइवेट सेक्टर में इससे भी ज्यादा हो सकती है।

स्कॉलरशिप बनाएगी पहचान, बैंक पूरी करेगा सपनों की उड़ान

सपने बड़े हैं, पढ़ाई कर कुछ बनने की ललक है। ऐसे में बजट की कमी के चलते पढ़ाई में बाधा आ रही है तो निराश होने की जरूरत नहीं है। सरकारी सहायता से इतर कई बैंक भी हैं, जो मेहनती व पढ़ाई में गंभीर मेधावियों को स्कॉलरशिप प्रदान करती है। इन स्कॉलरशिप के जरिए मेधावी अपने खुली आंखों से देखे गए सपनों को पूरा कर सकते हैं। बैंकों की ओर से दी जाने वाली स्कॉलरशिप स्कूल और कॉलेज स्तर तक की पढ़ाई करने वाले मेधावियों के लिए होती है। कई ऐसी विशेष स्कॉलरशिप भी यह बैंक ऐसी प्रदान करते हैं, जो युवाओं को तकनीकी शिक्षा और प्रोफेशनल कोर्स को करने के लिए होती है।

एसबीआई आशा स्कॉलरशिप

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) अपनी 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर 'प्लेटिनम जुबली आशा स्कॉलरशिप' प्रदान कर रहा है। इस स्कॉलरशिप के तहत, छात्रों को उनकी शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। बैंक की ओर से स्कूल के छात्रों के लिए खासतौर पर कक्षा 6 से 8 तक 15 हजार रुपये तक की सहायता की जा रही है। इसी तरह कक्षा 9 से 12 तक के लिए 20 हजार रुपये तक की स्कॉलरशिप दिए जाने का प्रावधान है। कॉलेज और प्रोफेशनल कोर्सेज के लिए अंडरग्रेजुएट और पोस्टग्रेजुएट 40 हजार रुपये से 1 लाख रुपये तक की स्कॉलरशिप बैंक द्वारा दी जाती है। इसी तरह आईआईटी छात्रों के लिए 2 लाख व आईआईएम छात्रों के लिए 5 लाख से 20 लाख तक (विदेश में पढ़ाई के लिए) की सहायता दी जाती है।

कोटक बैंक देता है दो स्कॉलरशिप

कोटक महिंद्रा बैंक दो प्रमुख स्कॉलरशिप प्रदान करता है। इनमें कोटक जूनियर स्कॉलरशिप प्रोग्राम व कोटक कन्या स्कॉलरशिप है। कोटक जूनियर स्कॉलरशिप प्रोग्राम में 10 वीं कक्षा उत्तीर्ण कर चुके छात्र, जो मुंबई महानगर क्षेत्र में रहते हैं, उन्हें सुविधा प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत बैंक 73,500 रुपये तक की स्कॉलरशिप, जिसमें 3,500 प्रति माह की दर से 21 महीनों के लिए स्कॉलरशिप प्रदान की जाती है। इसी तरह कोटक कन्या स्कॉलरशिप में 12 वीं कक्षा उत्तीर्ण कर चुकी मेधावी छात्राएं, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 6 लाख रुपये हैं, उन्हें सुविधा प्रदान की जाती है। स्कॉलरशिप के तहत छात्राओं को 1,50,000 तक की स्कॉलरशिप प्रतिवर्ष, जो ग्रेजुएशन कोर्स पूरा होने तक प्रदान की जाएगी। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए छात्राओं को 12 वीं कक्षा में 75 फीसदी या अधिक अंक प्राप्त करने होंगे।

एमबीए के लिए स्कॉलरशिप

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक भी पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप प्रदान करता है। विशषतः एमबीए के छात्रों के लिए। इस स्कॉलरशिप के तहत, छात्रों को दो साल की फुल टाइम एमबीए पढ़ाई के लिए 2 लाख रुपये की राशि दी जाती है, जिसमें पहले साल में 1 लाख रुपये और दूसरे साल में 1 लाख रुपये दिए जाते हैं। इस स्कॉलरशिप के लिए छात्रों को कक्षा के लिए 2 साल का फुल टाइम एमबीए प्रोग्राम में चयनित होना चाहिए। परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रुपये से कम या उसके बराबर होनी चाहिए। छात्रों के पास आधार नंबर से जुड़ा एक वैलिड मोबाइल नंबर होना आवश्यक है। स्कॉलरशिप के लिए छात्रों के पास आधार नंबर से जुड़ा एक वैलिड मोबाइल नंबर होना आवश्यक है।

एचडीएफसी बैंक स्कॉलरशिप

एचडीएफसी बैंक भी पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप प्रदान करता है, जिसे एचडीएफसी बैंक परिवर्तन ईसीएसएस स्कॉलरशिप कहा जाता है। इस स्कॉलरशिप के तहत, छात्रों को उनकी शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस स्कॉलरशिप के लिए कक्षा 1 से 6 तक 15 हजार रुपये। कक्षा 7 से 12, डिप्लोमा, आईटीआई और पॉलिटेक्निक के लिए 18 हजार रुपये प्रदान किए जाते हैं। इसी तरह स्नातक (सामान्य कोर्स) 30 हजार रुपये व स्नातक (व्यावसायिक कोर्स) 50 हजार रुपये मिलते हैं। उधर स्नातकोत्तर (सामान्य कोर्स) 35 हजार रुपये व स्नातकोत्तर (व्यावसायिक कोर्स) 75 हजार रुपये प्रदान किए जाते हैं। इस स्कॉलरशिप के लिए पिछली परीक्षा में कम से कम 55 फीसदी अंक प्राप्त करने होंगे। साथ ही परिवार की वार्षिक आय 2.5 लाख से कम होनी चाहिए।

जॉब अलर्ट

एसएससी कांस्टेबल भर्ती

- पद का नाम : कांस्टेबल
- कुल पद- 7565
- योग्यता- 12 वीं
- अंतिम तिथि- 21/10/2025
- वेबसाइट- https://ssc.gov.in/

केनरा बैंक अपरेंटिस भर्ती

- पद का नाम : अपरेंटिस
- कुल पद- 3500
- योग्यता- स्नातक
- अंतिम तिथि- 12/10/2025
- वेबसाइट- https://nats.education.gov.in/

इंडियन बैंक भर्ती

- पद का नाम : स्पेशलिस्ट ऑफिसर
- कुल पद- 171
- योग्यता- स्नातक (बीटेक/बीई/ एमबीए आदि)
- अंतिम तिथि- 13/10/2025
- वेबसाइट- https://ibpsreg.ibps.in/ibasep25/

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) भर्ती

- पद का नाम : शिक्षण और गैर शिक्षण
- पद- 7267
- योग्यता- पदानुसार
- अंतिम तिथि- 23/10/2025
- वेबसाइट- https://nests.tribal.gov.in/

यूकेपीएससी प्रधानाचार्य भर्ती 2025

- पद का नाम : प्रधानाचार्य
- कुल रिक्तियां : 692
- योग्यता- पदनुसार
- अंतिम तिथि : 12-10-2025
- ऑनलाइन वेबसाइट : ukpscnet.in

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक नया ट्रेंड

आजकल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक नया ट्रेंड तेजी से सामने आ रहा है। हाल ही में यह ट्रेड युवा पीढ़ी के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। ये तस्वीरें नब्बे के दशक की हीरोइनों जैसी हैं। यंगस्टर्स अपनी तस्वीरों को सोशल प्लेटफॉर्म पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई की मदद से एडिट करवाकर शेयर कर रहे हैं। कभी फिल्मी पोस्टर जैसी, कभी किसी फैंटेसी वर्ल्ड की झलक जैसी तो कभी बेहद आकर्षक अंदाज में दिखाई देती है। इस ट्रेंड ने यूजर्स में नई ऊर्जा भर दी है और हर दूसरा व्यक्ति अपनी एडिटेड फोटो फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर साझा करता दिखाई दे रहा है। कुछ माह पहले भी हमें ऐसा ही एक ट्रेंड देखने को मिला था-गिबली आर्ट का, जिसमें लोग अपनी तस्वीरों को कार्टून में बदल रहे थे। तकनीक अब केवल सुविधाओं तक सीमित नहीं रही, अब यह भावनाओं को भी छू रही है। एआई एडिटिंग का जादू

ऐसा है कि लोग अपनी तस्वीरों को कुछ पल के लिए नए और मनचाहे रूप में देखकर खुश हो रहे हैं। जिन लोगों ने हमेशा खुद को किसी खास अंदाज में देखने की कल्पना की थी, एआई ने उन्हें वह अनुभव दे दिया है। इससे न केवल खुशी और उत्साह बढ़ रहा है, बल्कि क्रिएटिविटी और मनोरंजन का भी एक नया माध्यम मिला है। तकनीक के इस प्रयोग ने आम लोगों को भी आधुनिकता का अनुभव कराया है, लेकिन इसके साथ ही कुछ नकारात्मक पक्ष भी उभर कर सामने आ रहे हैं। एआई से बनी तस्वीरें असली नहीं लगतीं, क्योंकि इनका आकर्षण अक्सर बनावटी दिखाई देता है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि इनमें एकरूपता बढ़ रही है। लगभग हर किसी की फोटो एक जैसी, खूबसूरत और परफेक्ट बनकर सामने आती है। इस वजह से लोग जल्दी ऊब भी जाते हैं, इसलिए यह ट्रेंड ज्यादा लंबे समय तक नहीं चलता। इसके अलावा वास्तविक और एडिटेड चेहरे के बीच अंतर देखने पर लोग अपने असली रूप से असंतुष्ट महसूस कर सकते हैं। डेटा प्राइवेसी का खतरा भी एक अलग चिंता का विषय बना हुआ है। कुल मिलाकर, एआई एडिटेड फोटो का यह ट्रेंड मनोरंजन और तकनीकी अनुभव का एक नया जरिया है। यह लोगों को थोड़े समय के लिए उत्साह और खुशी देता है, लेकिन लंबे समय में इसका आकर्षण फीका पड़ सकता है इसलिए इसे केवल प्रयोग और मनोरंजन की दृष्टि से देखना ही बेहतर है। वैसे भी असली सुंदरता हमेशा हमारी वास्तविकता, आत्मविश्वास और स्वभाव में ही छिपी रहती है।

लेखिका
रीता मटियाली

ट्यूशन पढ़ाकर स्टार्टअप के लिए जुटाया पैसा

रोजी मैन्दौलिया के स्टार्टअप की कहानी। जिसे उत्तर प्रदेश की राज्यपाल ने स्वर्ण पदक देकर डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में सम्मानित किया। रोजी एकेटीयू की बीटेक की मेधावी छात्रा हैं। आइए आपको बताते हैं कि रोजी मैन्दौलिया के स्टार्टअप की कहानी, उन्होंने अपना करियर कैसे शुरू किया और किन चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

बीटेक की छात्रा रोजी मैंदौलिया ने थर्ड आई स्टार्टअप शुरू किया है। वह बताती हैं कि कभी भी मेरा सपना उद्यमी बनने का नहीं था, लेकिन एक घटना ने मेरी सोच और जीवन की दिशा दोनों ही बदल दी। कॉलेज के दूसरे वर्ष में गांवों में सर्वे के दौरान मेरी मुलाकात एक महिला से हुई। वह बड़े ही मनोयोग से ब्लाउज सिल रही थीं। मैंने सहज ही उनसे पूछा कि "मौसी जी, आप एक ब्लाउज के कितने पैसे लेती हैं?"

उन्होंने कहा- "बेटा, पचास रुपये।" मैं चौंक गई और कहा- "मेरी मम्मी तो एक ब्लाउज के लिए 350 रुपये से ज्यादा देती हैं। आप इतना कम क्यों लेती हैं?" उन्होंने बड़ी मासूमियत से उत्तर दिया- "क्या बताऊं बेटा, कई बार लोग हमसे 45 रुपये में भी ले जाते हैं।"

उनकी यह बात मेरे दिल को छू गई।

इतने अच्छे काम की इतनी कम कीमत क्यों मिल रही है।

मैं वापस लौटकर इस मुद्दे पर सोचना शुरू किया और जरूरी जानकारियों को इकट्ठा करना शुरू की। मुझे समझ आया कि सबसे अधिक शोषण हैंड एम्ब्रॉयडरी कारीगरों का हो रहा है। किसी को 32 रुपये तो किसी को 50 रुपये मुश्किल से प्रतिदिन मिलते हैं, लेकिन यह तो इनकी मेहनत और हुनर का शोषण है। मैंने ठान लिया कि मुझे उनके लिए कुछ करना है। उस समय मेरे सामने दो रास्ते थे। एक बीटेक के उसी सेक्टर में काम करना, जिसे मैं पढ़ रही थी। दूसरा इस अनप्रेडिक्टेबल इंटरप्रन्योरशिप की अनजानी दुनिया में कदम रखना। मैंने दूसरा रास्ता चुना, क्योंकि मेरा दिल कह रहा था कि मुझे इन कारीगरों के लिए बदलाव लाना है। वह मैंने अपने स्टार्टअप से कर दिखाया है। हालांकि इस दौरान मुझे अनेक चुनौतियों से भी जूझना पड़ा। लोग अक्सर पूछते भी हैं कि सबसे बड़ी कठिनाई क्या रही? मेरे लिए यह वित्तीय संकट नहीं था।

मुझे घर से जेब खर्च के लिए हमेशा पर्याप्त धन मिलता था। मेरे माता-पिता ने कभी मेरा साथ नहीं छोड़ा, लेकिन मैं अपने स्टार्टअप के लिए उनसे पैसा नहीं लेना चाहती थी। यह मेरी अपनी जिम्मेदारी थी। इसलिए मैंने तय किया कि मैं डेढ़ साल तक घर पर ट्यूशन पढ़ाऊंगी। हर महीने लगभग 7,500 रुपए मुझे दो घंटे ट्यूशन पढ़ाने के मिलने लगे। पैसा खुद कमाती और एक-एक रुपया थर्डआई में ही लगाती। न कहीं और खर्च, न कोई और सपोर्ट। यह अनुशासन और आत्मनिर्भरता ही मेरे उद्यम की पहली नींव बनी। मेरी असली प्रेरणा तो कारीगर महिलाएं ही थीं, लेकिन जब लोग मुझसे पूछते हैं कि जोखिम लेने का साहस कहां से मिला, तो जवाब साफ है कि यह मैंने अपने पिता से सीखा है।

कैसे शुरू करें स्टार्टअप

अब युवाओं का उद्यमी बनना मुश्किल नहीं है। बहुत से युवा उद्यमिता (इंटरप्रेन्योरशिप) में आना चाहते हैं, लेकिन अक्सर सबसे बड़ा सवाल यह होता है कि शुरुआत कैसे करें? मैं हमेशा यही कहती हूं कि अगर आपके पास एक आइडिया है और उसमें एक भी डिफ्रेंशिएटर (यानी कोई अलग या अनोखी चीज़) है, तो बिना डरे शुरुआत करें। मैं स्वयं टियर- 2 और टियर-3 शहरों के छात्रों और युवाओं को प्रशिक्षण देती हूँ कि "कैसे बिना किसी पूंजी के सिर्फ एक आइडिया से शुरुआत की जा सकती है।" जो भी युवा इस राह पर चलना चाहता है, वह मुझसे मार्गदर्शन प्राप्त कर सकता है। आप मुझसे सीधे जुड़ सकते हैं-Instagram : @thirdeye_shop, Email : support@thirdeyeshop.in से आप मेरे से संपर्क भी कर सकते हैं।

मॉडल और आमदनी

- थर्डआई का मॉडल "वर्क-फ्रॉम-होम" है। हम कारीगरों को सामग्री उपलब्ध कराते हैं, 50 प्रतिशत एडवांस देते हैं और प्रोडक्ट तैयार होने के बाद शेष भुगतान करते हैं। हमारा उद्देश्य यही है कि महिलाएं अपने घरों से अपने समय के अनुसार काम कर सकें। हमारे प्रोडक्ट की कीमत का लगभग 70-75 प्रतिशत हिस्सा सीधे कारीगरों को दिया जाता है।

मार्केटिंग के तरीके

- ऑनलाइन प्लेटफर्म- फ्लिपकार्ट, अमेजन आदि
- कॉर्पोरेट हैम्पर्स व गिफ्टिंग
- ऑफलाइन प्रदर्शनियां
- हमारी योजना है कि आने वाले समय में उत्पादों का एक्सपोर्ट भी शुरू हो। वॉलमार्ट जैसे प्लेटफॉर्म से जुड़ने की दिशा में काम चल रहा है। 2026 तक हमारा लक्ष्य है कि ऑफलाइन स्केलअप कर कई राज्यों में थर्डआई को स्थापित किया जाए।

पुरस्कार और उपलब्धियां

- डब्लूडब्लूएफ स्वीटजरलैंड में 75 वैश्विक कंपनियों में चयन।
- स्टार्टअप महाकुंभ में डीटूसी सेक्टर का विजेता एक लाख रुपए पुरस्कार।
- सी राईजेज कांक्लेव में 21,000 रुपए का पुरस्कार।
- राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला द्वारा "सर्वश्रेष्ठ महिला छात्र-नेतृत्व स्टार्टअप" का सम्मान मिला।
- सुलक्षणा सावंत गोवा की मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी की पदमिनी फाउंडेशन के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- थर्डआई से कानपुर और दिल्ली के गांवों की लगभग 82 महिलाएं जुड़ी हैं। पहले जो महिलाएं केवल 50 रुपया प्रतिदिन कमाती थीं, अब वे 500 रुपए से अधिक प्रतिदिन कमा रही हैं। मेरे लिए यही सबसे बड़ी सफलता है कि जब कोई कारीगर आत्मसम्मान से कहता है कि वह अपने परिवार की रीढ़ है। मैं धार्मिक प्रवृत्ति की हूं और मानती हूं कि मेरी कामयाबी में भगवान शिव की कृपा, माता-पिता के आशीर्वाद और कारीगर बहनों के विश्वास के कारण ही संभव हो पाया है।

लेखक: मार्कण्डेय पांडेय

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	81,715.63	25,056.90
गिरावट	386.47	112.60
प्रतिशत में	0.47	0.45

सोना- 1,18,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1,39,000 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, गुरुवार, 25 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

फोनपे ने आईपीओ के लिए सौंपे दस्तावेज

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान प्रदाता फोनपे ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए हैं। कंपनी के प्रवक्ता ने बुधवार को कहा कि फोनपे लिमिटेड ने 'प्री-फाइलिंग' गोपनीय मार्ग से आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए हैं। प्रवक्ता ने आईपीओ के आकार का खुलासा करने से इन्कार कर दिया। सूत्रों ने जून में बताया था कि सार्वजनिक पेशकश में सहायता के लिए कंपनी ने कोटक महिंद्रा कैपिटल, जेपी मॉर्गन चेस, सिटीग्रुप और मॉर्गन स्टेनली को शामिल किया है।

वीएमएस का शेयर बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। टीएमटी बार विनिर्माता वीएमएस टीएमटी का शेयर अपने निर्गम मूल्य 99 रुपये से छह प्रतिशत की बढ़त के साथ बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से छह प्रतिशत की बढ़त के साथ 105 रुपये पर शुरुआत की। एनएसई में यह 5.95 प्रतिशत की बढ़त के साथ 104.90 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 500.78 करोड़ रुपये रहा। वीएमएस टीएमटी लिमिटेड के आईपीओ को गत शुक्रवार को शेयर बिक्री के अंतिम दिन 102.26 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 148.50 करोड़ के आईपीओ का मूल्य दायरा 94-99 रुपये प्रति शेयर था। नए निर्गम से प्राप्त 115 करोड़ का उपयोग ऋण चुकाने और शेष राशि का उपयोग अन्य कार्यों में किए जाने की योजना है।

मुहूर्त महोत्सव : 5 मिनट में बिके ओला के सारे वाहन

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी ओला इलेक्ट्रिक के 'मुहूर्त महोत्सव' में ग्राहकों का उत्साह देखने को मिला। कंपनी ने बुधवार को बताया कि बिक्री शुरू होने के सिर्फ पांच मिनट के भीतर ही उसके सारे वाहन बिक गए। यह भारी मांग ओला द्वारा हाल ही में शुरू किए उत्सव अभियान की वजह से आई है। ओला ने अपने सबसे अधिक बिकने वाले एस1 स्कूटर और रोडस्टरएक्स बाइक के लिए 49,999 रुपये से शुरू होने वाली अब तक की सबसे किफायती कीमतें पेश की हैं। ओला ने कहा कि ओला मुहूर्त महोत्सव ने लोगों के दिलों को छू लिया है।

आयातित क्रेन पर डंपिंग रोधी शुल्क की सिफारिश

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने चीन से आयातित कुछ क्रेनों के आयात पर पांच साल के लिए डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। इसका उद्देश्य घरेलू उत्पादकों को सस्ते आयात से बचाना है। व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने जांच में निष्कर्ष निकाला है कि उत्पाद को सामान्य मूल्य से कम कीमत पर भारत में निर्यात किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप डंपिंग हुई है। डीजीटीआर ने कहा कि पांच साल की अवधि के लिए निश्चित डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है। उत्पाद की प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकरण का मानना है कि वस्तु के आयात मूल्य के सीआईएफ (लागत, बीमा, माल ढुलाई) मूल्य के प्रतिशत के रूप में डंपिंग-रोधी शुल्क की सिफारिश करना उचित होगा।

एथनॉल उत्पादन के लिए शर्तों में दी ढील

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को दूसरी पीढ़ी के एथनॉल के निर्यात के लिए अतिरिक्त नीतिगत शर्तों को अधिसूचित किया। यह एथनॉल खोई, लकड़ी के कचरे और औद्योगिक कचरे जैसी सामग्रियों से उत्पादित किया जाता है। दूसरी पीढ़ी के एथनॉल को ईंधन और गैर-ईंधन उद्देश्यों के लिए अनुमति दी गई है। इसका उत्पादन खोई, लकड़ी के कचरे, लिग्नोसेल्यूलोसिक फीडस्टॉक (कृषि और वानिकी अवशेष जैसे चावल और गेहूं के भूसे, मक्का) जैसी सामग्रियों और घास, शैवाल जैसी गैर-खाद्य फसलों के जरिये होता है। इनमें कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम होता है या ग्रीनहाउस गैसों में उच्च कमी होती है और जो भूमि उपयोग के लिए खाद्य फसलों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं। हालांकि, यह अनुमति संबंधित सक्षम प्राधिकारी से वैध निर्यात प्राधिकरण और कच्चे माल के प्रमाणन के अधीन है।

कुछ चांदी के आभूषणों के आयात पर लगा अंकुश

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कुछ चांदी के आभूषणों के आयात पर अगले साल 31 मार्च तक अंकुश लगाया है। इस कदम का उद्देश्य थाइलैंड से बिना जड़ाऊ आभूषणों के नाम पर चांदी के आयात पर अंकुश लगाना है। भारत का आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों का संघ) के साथ एक मुक्त व्यापार समझौता है। थाइलैंड इस 10 सदस्यीय समूह का सदस्य है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कहा, आयात नीति को 31 मार्च, 2026 तक के लिए संशोधित किया गया है।

केंद्रीय वित्तमंत्री सीतारमण ने की जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण की शुरुआत, दिसंबर से होगी सुनवाई

करदाताओं के लिए न्याय का सच्चा प्रतीक जीएसटीएटी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को वस्तु एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) की शुरुआत की। यह कंपनियों और कर विभाग के बीच विवादों के त्वरित निपटारे का मार्ग प्रशस्त करेगा।

सीतारमण ने कहा कि जीएसटीएटी के सक्रिय होने के साथ ही कंपनियां इसके पोर्टल पर अपने मामले दायर कर पाएंगे और दिसंबर से अपीलीय न्यायाधिकरण में सुनवाई की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। उन्होंने जीएसटीएटी को 'करदाताओं के लिए न्याय का सच्चा प्रतीक' बताते हुए कहा कि 2017 में जीएसटी की शुरुआत के साथ एक राष्ट्र, एक कर, एक बाजार की जो परिकल्पना की गई थी, अब उसमें एक और आयाम जुड़ गया है। यह मंच व्यवसायों के लिए भरोसे का स्तंभ और भारत की निरंतर आर्थिक वृद्धि का उत्प्रेरक बनेगा। जीएसटी से संबंधित करीब 4.83 लाख लंबित मामलों को इस पोर्टल पर स्थानांतरित किया जाएगा। सरकार ने अपील दाखिल करने की समय-सीमा 30 जून, 2026 तक बढ़ा दी है। पुराने विवादों को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाएगा ताकि मामलों का बोझ नियंत्रित ढंग से निपटाया जा सके। वित्त मंत्री ने कहा कि जीएसटीएटी केवल अपीलीय मंच ही नहीं, बल्कि अग्रिम निर्णय प्राधिकरण (एएआर) की भूमिका भी निभाएगा। इससे करदाताओं को कार्यवाही शुरू होने से पहले और बाद दोनों स्तरों पर व्यापक समाधान उपलब्ध होंगे। राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव ने कहा कि यह न्यायाधिकरण कर विवादों में एकरूपता, अनुमान-योग्य परिणाम और अपील प्रक्रिया की विश्वसनीयता सुनिश्चित करेगा।

जीएसटीएटी का शुभारंभ करतीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण साथ में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी।

निष्पक्ष विवाद निवारण की गारंटी

सीतारमण ने कहा कि जीएसटीएटी की स्थापना करदाताओं के लिए न केवल अनुपालन और रिफंड को सरल बनाने का हिस्सा है, बल्कि यह निष्पक्ष और कुशल विवाद निवारण की गारंटी भी है। यह सुधारों का एक स्वाभाविक विस्तार है। जब कोई करदाता विवाद की स्थिति में आता है तो वह कर प्रशासन के समक्ष पहली अपील कर सकता है। दूसरे स्तर पर वह केंद्र या राज्य के आदेशों के खिलाफ जीएसटीएटी में अपील कर सकेगा।

न्यायिक और तकनीकी सदस्य किए गए नियुक्त

सरकार ने हाल ही में जीएसटीएटी के विभिन्न खंडपीठों के लिए न्यायिक और तकनीकी सदस्यों की नियुक्ति की है। मई 2024 में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) संजय कुमार मिश्रा को प्रधान पीठ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। अगस्त, 2025 में इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश मयंक कुमार जैन को जीएसटी अपीलीय प्राधिकरण की प्रधान पीठ का न्यायिक सदस्य बनाया गया। इसके अलावा सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी ए. वेणु प्रसाद और सेवानिवृत्त आईआरएस अधिकारी अनिल कुमार गुप्ता को तकनीकी सदस्य नियुक्त किया गया था।

टैक्स ऑडिट एक वित्तीय अनुशासन

टैक्स ऑडिट एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसे आयकर विभाग द्वारा लागू किया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि व्यक्ति या व्यवसाय अपनी वास्तविक आय और कर देनदारी को सही तरीके से प्रस्तुत कर रहे हैं। इसमें वित्तीय लेनदेन, बही-खाते और अन्य दस्तावेजों की जांच की जाती है। टैक्स ऑडिट का मुख्य उद्देश्य कर चोरी और कर अपवंचना पर रोक लगाना है। यह प्रक्रिया न केवल सरकार के कर राजस्व को बढ़ाती है बल्कि व्यवसायों और व्यक्तियों को वित्तीय अनुशासन में रहने के लिए भी प्रोत्साहित करती है। इससे पारदर्शिता और ईमानदारी का माहौल बनता है।

क्यों है जरूरी

टैक्स ऑडिट आयकर विभाग द्वारा की जाने वाली एक कानूनी प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होता है कि व्यवसाय या व्यक्ति सही तरीके से अपनी आय घोषित करें और उचित कर अदा करें। यह जांच केवल कर चोरी को रोकने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह वित्तीय अनुशासन को बढ़ावा देने का भी एक साधन है।

टैक्स ऑडिट की प्रक्रिया

- **चयन/ नोटिस :** आयकर विभाग किसी व्यवसाय या व्यक्ति का चयन टैक्स ऑडिट को करता है। चयनित व्यक्ति/व्यवसाय को वित्तीय दस्तावेज पेश करने का निर्देश देता है।
- **जांच/ रिपोर्ट तैयार :** बही-खाते, लेनदेन और अन्य वित्तीय रिकॉर्ड की जांच होती। जांच के आधार पर रिपोर्ट बनाई जाती है, जिसमें अनियमितता का उल्लेख होता है।

इसके लाभ

- **कर चोरी की रोकथाम :** टैक्स ऑडिट से कर अपवंचना और गलत रिपोर्टिंग पर अंकुश लगता है।
- **वित्तीय अनुशासन :** यह व्यवसायों को अपने लेखांकन को पारदर्शी और व्यवस्थित रखने के लिए मजबूर करता है।
- **राजस्व वृद्धि :** टैक्स ऑडिट से सरकार को कर संग्रहण में मदद मिलती है, जिससे विकास कार्यों में तेजी आती है।
- **प्रतिष्ठा में सुधार :** नियमित और सही टैक्स ऑडिट से व्यवसाय की साख बढ़ती है और ग्राहकों व आपूर्तिकर्ताओं के साथ विश्वास मजबूत होता है।

अमेरिका के साथ ऊर्जा व्यापार बढ़ने की उम्मीद

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा- ऊर्जा सुरक्षा ऐसा क्षेत्र जहां हम सभी को मिलकर काम करना होगा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि देश को आने वाले वर्षों में ऊर्जा उत्पादों के क्षेत्र में अमेरिका के साथ व्यापार बढ़ने की उम्मीद है। साथ ही उन्होंने कहा कि भारत के ऊर्जा सुरक्षा लक्ष्यों में अमेरिका की भागीदारी महत्वपूर्ण होगी। दुनिया मानती है कि ऊर्जा सुरक्षा एक ऐसा क्षेत्र है जहां हम सभी को मिलकर काम करना होगा। भारत ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा खिलाड़ी है, हम अमेरिका सहित दुनिया भर से ऊर्जा के बड़े आयातक में से एक हैं।

केंद्रीय मंत्री ने न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास, यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) और भारत के अग्रणी कार्बन मुक्त समाधान प्रदाता 'रीन्यू' द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'बदलते वैश्विक परिदृश्य में ऊर्जा सुरक्षा: सीमाओं के पार लचीले ऊर्जा बाजारों का निर्माण' में मुख्य भाषण दिया। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि आने वाले वर्ष में ऊर्जा उत्पादों पर अमेरिका के साथ हमारा व्यापार बढ़ेगा। घनिष्ठ मित्र और स्वाभाविक साझेदार होने के नाते हमारे ऊर्जा सुरक्षा लक्ष्यों में अमेरिकी भागीदारी अधिक होगी जिससे भारत के लिए मूल्य स्थिरता, ऊर्जा के विविध स्रोत सुनिश्चित होंगे और हमें ऊर्जा एवं उससे परे विभिन्न मोर्चों पर अमेरिका के साथ असीमित संभावनाओं को खोलने में मदद मिलेगी। गोयल ने कहा कि एक और क्षेत्र जहां भारत और अमेरिका मिलकर काम कर सकते हैं और साथ मिलकर काम करने की योजना बना सकते हैं.... वह परमाणु ऊर्जा का क्षेत्र है। यह ऐसा क्षेत्र है जिस पर हम लंबे समय से बात कर रहे हैं। कुछ पहलू थे जिन्हें ठीक करने की जरूरत थी। हम भारत में परमाणु ऊर्जा पर निजी प्रयासों का समर्थन करने को काम कर रहे हैं।

● बोले- अमेरिका सहित दुनिया भर से ऊर्जा के बड़े आयातक में से एक है भारत

भारत, अमेरिका के बीच विभिन्न स्तरों पर व्यापार वार्ता जारी: अधिकारी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और गैर-व्यापार दोनों मुद्दों पर विभिन्न स्तरों पर बातचीत हो रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल व्यापार वार्ता के लिए प्रतिनिधिमंडल के साथ अमेरिका यात्रा पर हैं। प्रतिनिधिमंडल में विशेष सचिव एवं भारत के मुख्य वार्ताकार राजेश अग्रवाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी हैं। अधिकारी ने कहा कि मंत्री के नेतृत्व दल के इस सप्ताह के अंत में भारत लौटने की उम्मीद है। भारत में अमेरिकी मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच और अग्रवाल के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर हाल ही में संपन्न हुई एक दिवसीय चर्चा की पृष्ठभूमि में यह यात्रा हो रही है। वाणिज्य मंत्रालय ने 16 सितंबर को कहा था कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अमेरिकी दल के साथ दिनभर चली चर्चा सकारात्मक रही और दोनों पक्ष समझौते को शीघ्र एवं पारस्परिक रूप से लाभकारी बनाने के लिए प्रयास करने पर सहमत हुए। अमेरिकी बाजार में प्रवेश करने वाले भारतीय सामान पर 25प्रतिशत शुल्क और अतिरिक्त 25 प्रतिशत जुर्माना लगने के बाद अमेरिकी अधिकारियों की भारत की यह पहली यात्रा थी। इस वर्ष फरवरी में दोनों देशों के नेताओं ने अधिकारियों को प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत करने का निर्देश दिया था। समझौते के पहले चरण को 2025 की शरद ऋतु (अक्टूबर-नवंबर) तक पूरा करने की योजना थी। अब तक पांच दौर की वार्ताएं हो चुकी हैं। इस समझौते का उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को 191 अरब डॉलर से दोगुना से अधिक बढ़ाकर 2030 तक 500 अरब डॉलर पहुंचाना है। गोयल ने व्यापार वार्ता के लिए मई की शुरुआत में भी वाशिंगटन की यात्रा की थी।

द्विपक्षीय समझौते पर निष्कर्ष को न्यूयॉर्क गए गोयल

कार्यक्रम में सांसद अनुराग ठाकुर, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में सचिव पंकज जैन, यूएसआईएसपीएफ के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं अध्यक्ष मुकेश अग्नि, रीन्यू की सह-संस्थापक वैशाली निगम सिन्हा और रीन्यू के चेयरमैन एवं सीईओ सुमंत सिन्हा शामिल हुए। गोयल द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर शीघ्र निष्कर्ष निकालने के लिए न्यूयॉर्क पहुंचे हैं। वह अमेरिकी पक्ष के साथ बैठकों के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार रहा

केंद्रीय मंत्री गोयल ने वाशिंगटन में अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक के साथ विचार-विमर्श किया। वित्त वर्ष 2024-25 में अमेरिका लगातार चौथे वर्ष भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा, जिसका द्विपक्षीय व्यापार 131.84 अरब अमेरिकी डॉलर (86.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निर्यात) रहा। भारत के कुल वस्तु निर्यात में अमेरिका की हिस्सेदारी लगभग 18 प्रतिशत, आयात में 6.22 प्रतिशत और देश के कुल वस्तु व्यापार में 10.73 प्रतिशत है।

कंपनियों को दो माह में उत्पादों की कीमतों में पूर्ण समायोजन का भरोसा

जीएसटी 2.0

- **एफएमसीजी कंपनियों ने उत्पाद के मूल्य दो, पांच और 10 रुपये तक किए हैं कम**

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी की कम दरें लागू होने के साथ रोजमर्रा के उपयोग की वस्तुएं बनाने वाली कंपनियों को उत्पादों के लिए कम कीमतें तय करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन उन्हें दो महीने में इसके पूर्ण समायोजन की उम्मीद है। रोजमर्रा के उपयोग वाली वस्तुएं बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियों ने उत्पाद के मूल्य दो, पांच और 10 रुपये तक कम किए हैं।

उद्योग जगत के विशेषज्ञों के अनुसार, कंपनियों के पास गैर-मानक कीमतें अपनाने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है क्योंकि उनके पास चीजों का वजन (ग्रामेज) तेजी से बढ़ाने के लिए पर्याप्त समय नहीं है, जिसके लिए कारखाने के ढांचे में बदलाव की जरूरत होती है। अस्थायी तौर पर उन्होंने सरकारी निर्देशों का पालन करने के लिए लोकप्रिय मूल्य पैक की अधिकतम खुदरा कीमत कम कर दी है। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दो स्तरीय पांच और 18 प्रतिशत दरें 22 सितंबर से प्रभावी हैं। पारले प्रोडक्ट्स के उपाध्यक्ष मयंक शाह ने कहा कि यह पूरी तरह अस्थायी है। आम तौर पर जब भी आप किसी बदलाव या ऐसी किसी चीज की बात करते हैं, तो पैक के वजन में बदलाव करते हैं। इस तरह की चीजों में डेढ़ से दो महीने लगते हैं। अक्टूबर और नवंबर के रैपर छप चुके हैं। अब बाहर जाकर वजन में बदलाव करना और एमआरपी स्थिर रखना मुश्किल है। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के अबनीश रॉय ने कहा कि ये एफएमसीजी कंपनियों द्वारा अल्पकालिक उपाय हैं। कंपनियां अपने सामान का वजन बढ़ाएंगी और दो, पांच और 10 रुपये के मूल्य पर वापस आ जाएंगी क्योंकि 4.5 या 4.6 रुपये के मूल्य व्यावहारिक नहीं हैं। डाबर के सीईओ मोहित मल्होत्रा ने कहा कि हमने अपने पैक की कीमतों में समायोजन किया है।

कतर में भी यूपीआई से भुगतान शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी

अब भारतीय यात्री कतर में भी यूपीआई से भुगतान कर सकेंगे। एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) ने कतर नेशनल बैंक (क्यूएनबी) के साथ मिलकर इस सुविधा की शुरुआत की है। इस पहल के तहत क्यूएनबी से जुड़े दुकानदार और नेटस्टार्स के भुगतान समाधान का इस्तेमाल करने वाली पॉइंट-ऑफ-सेल मशीनों पर यूपीआई क्यूआर कोड से भुगतान किया जा सकेगा।

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने बुधवार को कहा कि कतर ड्यूटी फ्री की दुकानें इस सुविधा का इस्तेमाल करने वाले प्रतिष्ठान हैं। धीरे-धीरे यह अन्य प्रमुख पर्यटक स्थलों और बाजारों में उपलब्ध होगी। कतर आने वाले अंतर्राष्ट्रीय आगंतुकों में भारतीय यात्री दूसरे स्थान पर हैं। नई सुविधा से उन्हें नकदी रखने और मुद्रा बदलने से छुटकारा मिलेगा। एनआईपीएल के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ रितेश शुक्ला ने कहा कि यह साझेदारी यूपीआई की वैश्विक स्वीकृति बढ़ाने और अंतर्राष्ट्रीय भुगतान नेटवर्क बनाने की दिशा में अहम कदम है। एनआईपीएल देश में डिजिटल भुगतान प्रणाली का संचालन करने वाली कंपनी एनपीसीआई की अनुषंगी है। क्यूएनबी के समूह मुख्य व्यवसाय अधिकारी यूसुफ महमूद अल-नीमा ने कहा कि इस पहल से भारतीय यात्रियों को सुविधा मिलेगी और कतर के खुदरा एवं पर्यटन क्षेत्र को भी फायदा होगा। इस सुविधा की शुरुआत से स्थानीय व्यापारियों को ज्यादा ग्राहक मिलेंगे और डिजिटल लेनदेन बढ़ेगा।

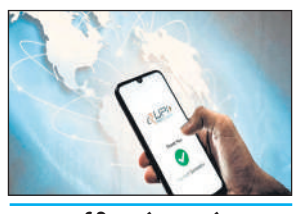

● एनआईपीएल ने कतर नेशनल बैंक के साथ मिलकर की सुविधा की शुरुआत

जीएसटी सुधारों से कारोबारी वृद्धि को मिलेगी गति

आरबीआई बुलेटिन के अनुसार, अमेरिकी शुल्क और नई चिंताओं से वैश्विक अनिश्चितता

मुंबई, एजेंसी

जीएसटी सुधार का भारतीय अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा क्योंकि यह व्यापार सुगमता को बढ़ावा देगा, खुदरा कीमतों को कम करेगा और उपभोग वृद्धि को मजबूत करेगा। भारतीय रिजर्व बैंक के बुधवार को जारी बुलेटिन में यह बात कही गई।

बुलेटिन अनुसार, प्रमुख व्यापारिक साझेदारों पर अमेरिकी शुल्क लगाने और विकसित अर्थव्यवस्थाओं की राजकोषीय स्थिति को लेकर नई चिंताओं से वैश्विक अनिश्चितता बनी हुई है। आरबीआई के सितंबर बुलेटिन में अर्थव्यवस्था की स्थिति पर प्रकाशित लेख के अनुसार, जीएसटी सुधारों से कारोबारी सुगमता, खुदरा कीमतों में कमी और उपभोग वृद्धि को मजबूती मिलेगी। इससे अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जीएसटी में चार स्लैब की जगह दो कर स्लैब (पांच और 18%) कर दिए गए हैं। लेख अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था ने उल्लेखनीय मजबूती दिखायी है। यह घरेलू कारकों की वजह से 2025-26 की पहली तिमाही के दौरान पांच तिमाहियों की उच्च आर्थिक वृद्धि दर से स्पष्ट है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई है, लेकिन यह सातवें महीने आरबीआई के लक्षित दर से काफी नीचे रही।

बैंकों के पर्यवेक्षी एसडीक्यूआई में सुधार

आरबीआई ने कहा कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) का पर्यवेक्षी आंकड़ा गुणवत्ता सूचकांक (एसडीक्यूआई) जून में सुधरकर 89.9 हो गया, जबकि मार्च 2025 में यह 89.3 था। आरबीआई ने एसडीक्यूआई बनाया है जो रिटर्न जमा करने में आंकड़ों की सटीकता, समयबद्धता, पूर्णता और निरंतरता को मापता है। इस सूचकांक का उद्देश्य पर्यवेक्षी रिटर्न दाखिल करने पर आरबीआई के मास्टर निर्देश 2024 में बताए गए सिद्धांतों के पालन का आकलन करना है। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) के एसडीक्यूआई स्कोर में मार्च 2025 की तुलना में जून 2025 में सुधार हुआ है।

व्यापारिक रणनीति | गडकरी बोले- सरकार को उन किसानों का समर्थन करना चाहिए जिन्हें उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा

वैश्विक कारकों से किसानों को नहीं मिल रहा लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि सरकार को उन किसानों का समर्थन करना चाहिए जिन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पाता है क्योंकि यह दाम वैश्विक कारकों से तय होता है।

गडकरी ने 'भारत जैव-ऊर्जा एवं प्रौद्योगिकी एक्सपो के दूसरे संस्करण' को संबोधित करते हुए कहा कि चीनी की कीमत ब्राजील, तेल की कीमत मलेशिया, मक्के की कीमत अमेरिका और सोयाबीन की कीमत अर्जेंटीना से प्रभावित होती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हम ग्रामीण और आदिवासी भारत में गरीबी एवं बेरोजगारी की समस्याओं का सामना कर रहे हैं क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था में किसानों को अच्छे मूल्य नहीं मिल रहे हैं। गडकरी ने कहा कि भारत की 65 प्रतिशत जनसंख्या कृषि गतिविधियों में लगी हुई है लेकिन देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में उनका योगदान महज 14 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि ऐसे परिदृश्य में, हमारी ग्रामीण कृषि और आदिवासी अर्थव्यवस्था को बचाकर रखने के लिए, हमें कृषि का समर्थन करने की जरूरत है... जो उपभोक्ता, देश और आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि किसानों को अपनी फसलों का उचित मूल्य नहीं मिलने के कारण कई आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

गडकरी ने कहा कि जब सरकार ने मक्के से बायो-एथेनॉल बनाने की मंजूरी दी तो मक्के की कीमत 1,200 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 2,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गई। उन्होंने कहा कि मक्के से एथेनॉल का उत्पादन करके किसानों ने 45,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त कमाई की है। इस तरह देखें तो ऊर्जा और बिजली क्षेत्र की ओर कृषि का विविधीकरण हमारे देश की ज़रूरत है। वैकल्पिक ईंधन और जैव ईंधन का भारत में भविष्य उज्ज्वल है। फिलहाल हम ऊर्जा के आयातक हैं। वह दिन भी आएगा जब हम ऊर्जा के निर्यातक होंगे। यह देश के लिए सबसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक उपलब्धि होगी।

परिवहन ईंधन के कारण 40% वायु प्रदूषण

वायु प्रदूषण का जिक्र करते हुए गडकरी ने कहा कि 40 प्रतिशत वायु प्रदूषण परिवहन ईंधन के कारण होता है और यह देश, खासकर दिल्ली के लिए एक बड़ी समस्या है। भारत हर साल 22 लाख करोड़ रुपये मूल्य के जीवाश्म ईंधन का आयात करता है, जिससे वायु प्रदूषण भी बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आर्थिक और प्रदूषण दोनों ही नजरिये से, यह दुनिया और भारत के लिए जैव ईंधन और वैकल्पिक ईंधन को प्रोत्साहित करने का समय है। गडकरी ने कहा कि उनका लक्ष्य भारत को टिकाऊ विमानन ईंधन के क्षेत्र में भी अग्रणी बनाना है।

मुनाफावसूली से शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन गिरावट

मुंबई। बैंक, वाहन तथा पूंजीगत वस्तुओं के शेयरों में मुनाफावसूली से शेयर बाजार में बुधवार को लगातार चौथे सत्र में गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 386 अंक व एनएसई निफ्टी 112 अंक टूटा। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की पूंजी निकासी और अमेरिकी एच-1बी वीजा शुल्क में वृद्धि से भी निवेशकों की धारणा पर असर पड़ना जारी है।

सेंसेक्स 386.47 अंक टूटकर 81,715.63 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 112.60 अंक गिरकर 25,056.90 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में टाटा मोटर्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस और एक्सिस बैंक नुकसान में रहीं। वहीं, लाभ में रहने वालों में पावर ग्रिड, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एनटीपीसी और एचसीएल टेक हैं।

निवेशक संपत्ति के संरक्षकों के लिए सेबी ने बदले नियम

नई दिल्ली, एजेंसी

बाजार नियामक सेबी ने संरक्षकों के लिए न्यूनतम नेटवर्थ यानी शुद्ध संपत्ति की शर्त को 50 करोड़ से बढ़ाकर 75 करोड़ रुपये कर दिया है। इसका उद्देश्य संरक्षकों के जोखिम प्रबंधन तंत्र को मजबूत करना है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा कि मौजूदा संरक्षकों को शुद्ध संपत्ति संबंधी नए प्रावधानों को पूरा करने के लिए तीन साल का समय मिलेगा। संरक्षक निवेशकों की संपत्ति की सुरक्षा और रखरखाव का जिम्मा संभालने वाला व्यक्ति या संस्था होता है। यह निवेशक के शेयर, बॉन्ड, म्यूचुअल फंड एवं अन्य निवेशों को सुरक्षित रखने के साथ उसके खाते का सही रिकॉर्ड भी रखता है। सेबी ने 18 सितंबर को जारी अधिसूचना में कहा कि जिस संरक्षक को 2025 के संशोधित नियम लागू होने से पहले पंजीकरण प्रमाणपत्र मिल चुका है, उसे तीन साल में अपनी शुद्ध संपत्ति कम से कम 75 करोड़ रुपये तक बढ़ानी होगी। यह शर्त हर गतिविधि के लिए अलग-अलग लागू होगी। सेबी ने संरक्षकों के लिए कई जिम्मेदारियां भी तय की हैं। इनमें उपयुक्त संचालन ढांचा, जोखिम प्रबंधन नीतियां, तकनीकी क्षमता व ढांचागत क्षमता हैं। सेबी ने संरक्षकों को अनुचित प्रतिस्पर्धा से बचने और ग्राहकों या अन्य संरक्षकों को नुकसान पहुंचाने से रोकने का निर्देश भी दिया है।

● विनिमय बोर्ड ने नए प्रावधानों को पूरा करने के लिए दिए तीन साल

ट्रंप ने चुनौतियों से मिलकर निपटने का आह्वान नकारा, अमेरिका प्रथम पर अड़े

कई देशों के नेताओं ने दी वैश्विक व्यवस्था प्रभावित होने की चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

फ्रांस से लेकर दक्षिण कोरिया और दक्षिण अफ्रीका से लेकर सूरीनाम तक सभी नेताओं ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के युद्ध, गरीबी और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर काम करने के आह्वान का पुरजोर समर्थन किया, लेकिन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने 'अमेरिका प्रथम' एजेंडे पर अड़े रहे।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने महासभा में राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों और राजाओं की वार्षिक बैठक की शुरुआत युद्ध के स्थान पर शांति, अराजकता के स्थान पर कानून व्यवस्था तथा एक ऐसे भविष्य को चुनने की अपील के साथ की, जहां देश स्वार्थ के लिए संघर्ष करने के बजाय एकजुट हों। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने चेतावनी दी कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के परिदृश्य में संयुक्त राष्ट्र की स्थापना के 80 साल बाद हम खुद को अलग-थलग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, विभाजन बढ़ता जा रहा है और इससे वैश्विक व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

मैक्रों ने कहा, दुनिया विभाजित हो रही है, और यह हमारे समय के प्रमुख संघर्षों को हल करने की हमारी सामूहिक क्षमता को बाधित कर रही है तथा हमें वैश्विक चुनौतियों का सामना करने से रोक रही है। उन्होंने कहा कि केवल समकक्षों के बीच सम्मानजनक संबंध और सहयोग ही सैन्य प्रसार के खिलाफ लड़ाई, जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने और सफल डिजिटल परिवर्तन को संभव बनाता है। सूरीनाम की राष्ट्रपति जेनिफर गीर्लिंग्स-साइमन्स ने कहा कि बहुपक्षवाद मानवता की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। परिवर्तन के इस समय में इसे हमारी सुरक्षा की आवश्यकता है।

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने कहा, संयुक्त राष्ट्र की हमारी सामूहिक सदस्यता हमारी साझा मानवता का परिणाम है और 80 साल का हो चुका संयुक्त राष्ट्र एक ऐसा संगठन बनाने के लिए बाध्य करता है जो हमारी आम चुनौतियों का समाधान करने में सक्षम हो। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने कहा, समय जितना कठिन होता जा रहा है, हमें संयुक्त राष्ट्र की मूल भावना की ओर उतना ही लौटना होगा। उन्होंने कहा, हमें और अधिक सहयोग करना होगा, और अधिक विश्वास करना होगा, और अधिक मजबूती से हाथ मिलाना होगा, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर भविष्य और एक बेहतर दुनिया का निर्माण किया जा सके।

ट्रंप ने बुधवार को कई और अरब और मुस्लिम देशों के नेताओं के साथ बैठक की।

तेजी से बहुध्रुवीय हो रहा है विश्व : गुतारेस

गुतारेस ने कहा कि विश्व तेजी से बहुध्रुवीय होता जा रहा है। यह निश्चित रूप से उभरती आर्थिक शक्तियों चीन और भारत के लिए एक संकेत है, लेकिन महाशक्ति का दर्जा पाने की अमेरिका की जिद पर प्रहार है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि कई शक्तियों वाला विश्व अधिक विविधतापूर्ण और गतिशील हो सकता है, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग और प्रभावी वैश्विक संस्थाओं के बिना अराजकता हो सकती है।

- ट्रंप ने 'अमेरिका प्रथम' पर केंद्रित भाषण दिया। उन्होंने गर्व से कहा, अमेरिका के पास दुनिया में सबसे मजबूत सीमाएं, सेना, मैत्री और सबसे मजबूत भावनाएं हैं। यह सचमुच अमेरिका का स्वर्णिम युग है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र को अप्रभावी बताया और कहा कि यह अपनी क्षमता के अनुरूप कार्य करने में भी असमर्थ है। उन्होंने सभा कक्ष के रास्ते में बंद हुए एस्केलेटर और खराब हुए टेलीप्रॉम्प्टर के लिए संगठन को जिम्मेदार ठहराया।

दुनिया भर में बढ़ते तनाव के बीच

संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े करने के बाद बहस शुरू हो गई है कि संयुक्त राष्ट्र संघ अपने उद्देश्यों को पूरा करने में कितना सफल हो पा रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद 1945 में अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने, राष्ट्रों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध विकसित करने और मानव अधिकारों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था। इसके चार्टर को चीन, फ्रांस, सोवियत संघ, यूके, यूएस समेत 50 देशों ने अनुमोदित किया था। इस संस्था को 'संयुक्त राष्ट्र' नाम अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट ने दिया था और इसका पहली बार उपयोग 1942 में 26 देशों द्वारा 'संयुक्त राष्ट्र की घोषणा' पर हस्ताक्षर करते समय किया गया था।

शक्तियां और अधिकार

- सुरक्षा परिषद जो अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए जिम्मेदार सबसे शक्तिशाली अंग।
- इसे शांति कायम करने के लिए सैन्य कार्रवाई, प्रतिबंध लगाने, शांति स्थापना अभियानों का अधिकार है।
- अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों के बीच कानूनी विवादों को सुलझाने को अधिकृत है।
- मानवाधिकार रक्षा औरसामाजिक, आर्थिक तथा मानवीय मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना।
- अपने सभी सदस्य देशों को अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों और संधियों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करना।

महत्वपूर्ण उपलब्धियां

- संयुक्त राष्ट्र संघ ने कई संघर्षों को युद्ध में बदलने से रोकने और शांति स्थापित करने में मदद की है।
- मानवाधिकारों की 1948 में सार्वभौम घोषणा जो वैश्विक मानवाधिकारों के लिए आधारशिला बनी।
- युद्ध और आपदाग्रस्त क्षेत्रों में मानवीय सहायता, परमाणु अप्रसार संधि जैसे समझौतों को बढ़ावा।
- 20वीं सदी के मध्य में उपनिवेशवाद समाप्त करने में संयुक्त राष्ट्र ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अशांति के ताजा हालात में भूमिका

- रूस–यूक्रेन युद्ध की निंदा कर मानवीय सहायता पहुंचाई, लेकिन रूस के वीटो के कारण प्रभावी कार्रवाई नहीं।
- गाजा में लगातार संघर्षविराम का आह्वान, मानवीय सहायता भी लेकिन प्रभावी समाधान अब तक नहीं निकला।
- अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद मानवाधिकारों का हनन, इसे रोकने में सीमित सफलता।
- सूडान में 2023 से सैन्य संघर्ष के कारण भारी मानवीय संकट, इसे रोकने में बाधाओं का सामना करना पड़ा।

इन मामलों में विफल

- 1994 में रवांडा में 800,000 से अधिक लोगों की हत्या को रोकने के लिए निर्णायक हस्तक्षेप करने में विफल।
- 1995 में बोस्नियाई सर्ब बलों द्वारा 8,000 से अधिक मुस्लिम पुरुषों और लड़कों के नरसंहार भी नहीं रोक सका।
- रूस–चीन के वीटो के कारण सीरिया में दशकों से चल रहे संघर्ष को समाप्त करने में सीमित भूमिका रही।

विफलता के कारण

- सुरक्षा परिषद में पांच स्थाई सदस्यों की वीटो शक्ति अक्सर महत्वपूर्ण मामलों में निर्णायक कार्रवाई रोक देती है।
- कई सदस्य देश संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों और समझौतों का पालन नहीं करते, जिससे प्रभावशीलता कम हो जाती है।
- संयुक्त राष्ट्र के पास कई वैश्विक संकटों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए पर्याप्त वित्तीय और सैन्य संसाधन नहीं होते।
- सुरक्षा परिषद में सिर्फ पांच स्थाई सदस्यों होने से असमान शक्ति संरचना, फैसलों का पालन कराने में कठिनाई होती है।

एक ही बाजार पर निर्भर न रहे ग्लोबल साउथ, निष्पक्ष आर्थिक व्यवस्था बनाए

समान विचारधारा वाले देशों की उच्चस्तरीय बैठक में जयशंकर ने किया आह्वान

न्यूयॉर्क, एजेंसी

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 'ग्लोबल साउथ' के देशों से लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं का निर्माण करके निष्पक्ष आर्थिक प्रथाओं को बढ़ावा देने और दक्षिण-दक्षिण व्यापार एवं प्रौद्योगिकी सहयोग को बढ़ावा देकर किसी एक आपूर्तिकर्ता या बाजार पर निर्भरता कम करने का आग्रह किया।

जयशंकर ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र से इतर समान विचारधारा वाले 'ग्लोबल साउथ' देशों की एक उच्च-स्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए कहा, हम ऐसे समय में मिल रहे हैं जब दुनिया की स्थिति सदस्य देशों के लिए बढ़ती चिंता का विषय बनी हुई है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से 'ग्लोबल साउथ' महामारी के झटकों और यूक्रेन तथा गाजा में युद्ध से लेकर चरम जलवायु घटनाओं, अस्थिर व्यापार, निवेश प्रवाह और ब्याज दरों में अनिश्चितता और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के एजेंडे में 'विनाशकारी' मंदी तक कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। जयशंकर ने कहा, बढ़ती चिंताओं और विभिन्न प्रकार के जोखिमों के मद्देनजर यह स्वाभाविक है कि 'ग्लोबल साउथ' समाधान के लिए बहुपक्षवाद की ओर रुख करे।

न्यूयॉर्क में ग्लोबल साउथ देशों के नेताओं के साथ विदेश मंत्री एस जयशंकर।

वैश्विक साझा संसाधनों के संरक्षण पर दिया जोर

विदेश मंत्री ने वैश्विक साझा संसाधनों के संरक्षण पर भी जोर दिया, जिसमें समुद्री नौवहन संबंधी चिंताओं का समाधान, विकास के लिए प्रौद्योगिकी का सहयोगात्मक लाभ उठाना, विशेष रूप से एक डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना का निर्माण; और विभिन्न क्षेत्रों में निष्पक्ष एवं समान अवसर प्रदान करना शामिल है जो 'ग्लोबल साउथ' की विकासात्मक चिंताओं के साथ न्याय करता हो। 'ग्लोबल साउथ' वैश्विक मामलों में कैसे शामिल हो सकता है, इस संबंध में एक व्यवस्थित दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए मंत्री ने विकासशील देशों की सामूहिक आवाज और प्रभाव को मजबूत करने के लिए पांच प्रमुख प्रस्ताव रखे। उन्होंने एकजुटता बढ़ाने और सहयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'ग्लोबल साउथ' के बीच परामर्श को मजबूत करने के लिए मौजूदा मंचों का उपयोग करने के महत्व पर जोर दिया।

'ग्लोबल साउथ' से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित राष्ट्र के रूप में जाना जाता है और ये मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लातिन अमेरिका में स्थित हैं। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से वहां भी हमारे सामने एक बहुत ही निराशाजनक संभावना है, बहुपक्षवाद की अवधारणा ही खतरे में है और अंतरराष्ट्रीय संगठन या तो अप्रभावी हो गए हैं अथवा संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं। जयशंकर ने कहा, समकालीन व्यवस्था की आधारशिलाएं टूटने लगी हैं और अत्यंत आवश्यक सुधारों में देरी की कीमत आज स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि 'ग्लोबल साउथ' को अंतरराष्ट्रीय प्रणाली में समान अवसर की मांग करते हुए एकजुट मोर्चा प्रस्तुत करना होगा।

चीन का ट्रंप को जवाब अमेरिका-ईयू भी रूस से कर रहे व्यापार

बीजिंग। चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस आलोचना को खारिज कर दिया कि भारत और चीन रूसी तेल की खरीद के जरिए यूक्रेन युद्ध के 'प्राथमिक वित्तपोषक' हैं और बुधवार को कहा कि अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) भी मास्को के साथ व्यापार कर रहे हैं। मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने चेतावनी दी कि यदि रूस के साथ उनकी कंपनियों के सामान्य व्यापार में बाधा उत्पन्न की जाती है तो बीजिंग अपने हितों की रक्षा के लिए जवाबी कदम उठाएगा। उन्होंने अमेरिकी नेता को याद दिलाया कि वाशिंगटन भी मास्को के साथ व्यापार कर रहा है और कहा, अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित अनेक देश रूस के साथ व्यापार कर रहे हैं। गुओ ने कहा कि चीनी और रूसी कंपनियों का सामान्य आदान–प्रदान और सहयोग विश्व व्यापार संगठन के नियमों और बाजार सिद्धांतों के अनुरूप है। साथ ही उन्होंने कहा कि बीजिंग की कार्रवाई किसी तीसरे पक्ष के खिलाफ लक्षित नहीं है और इसमें हस्तक्षेप या प्रभाव डालना उचित नहीं है। उन्होंने यह भी दोहराया कि चीन ने यूक्रेन संकट पर हमेशा एक वस्तुनिष्ठ और न्यायसंगत रुख बनाए रखा है और लगातार शांति वार्ताओं का आह्वान किया है।

रागासा तूफान का कहर.. ताइवान में 17 की मौत, चीन में दो लाख लोग विस्थापित

रागासा बुधवार को दक्षिणी चीन में पहुंच गया।

नई दिल्ली/हांगकांग। शक्तिशाली तूफान रागासा से ताइवान में 17 लोगों की मौत हो गई है और 18 घायल हुए हैं। ताइवान में कहर बरपाने के बाद रागासा दुनिया के सबसे घनी आबादी वाले तटों में से एक की ओर बढ़ रहा है जिसे देखते हुए अब तक दक्षिणी चीन में लगभग 20 लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है।

अधिकारियों ने बताया कि रागासा के कारण लगभग 100 लोग अभी भी फंसे हुए हैं। इस वर्ष के सबसे शक्तिशाली तूफान रागासा ने बुधवार को हांगकांग और दक्षिणी चीन के बड़े हिस्सों को ठप कर दिया। यह तूफान फिलीपींस के सुदूर द्वीपों और ताइवान के पहाड़ी क्षेत्रों से होकर गुजरा, जहां इसने भूस्खलन, बाढ़ और ऊंची लहरों के साथ भारी तबाही मचाई। अब यह चीन के ग्वांगडोंग प्रांत की ओर बढ़ रहा है, जहां शेनझेन और ग्वांगझोउ जैसे विशाल शहर स्थित हैं। ताइवान में इसकी चपेट में आकर कम से कम 17 लोगों की मौत हो चुकी है और बुधवार दोपहर तक 18 अन्य लोग लापता हैं। यह तबाही एक प्राकृतिक झील के टूटने के बाद आई जो भूस्खलन के मलबे से बनी थी और इसमें काफी मात्रा में पानी जमा था।

दुनिया इतिहास की हथियारों की सबसे विनाशकारी दौड़ में शामिल: जेलेंस्की

संयुक्त राष्ट्र। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बुधवार को विश्व के नेताओं से कहा कि दुनिया इस समय इतिहास की हथियारों की सबसे विनाशकारी दौड़ में शामिल है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय का आह्वान किया कि रूस के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए।

जेलेंस्की ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन अपने युद्ध का विस्तार यूरोप में करना चाहते हैं। जेलेंस्की ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में कहा, हम अब इतिहास में हथियारों की सबसे विनाशकारी दौड़ में शामिल हैं। यूक्रेन तो केवल पहला देश है और अब रूसी ड्रोन पूरे यूरोप में उड़ान भर रहे हैं और रूसी अभियान पहले से ही विभिन्न देशों में फैल रहे हैं और पुतिन इस युद्ध का विस्तार करके इसे जारी रखना चाहते हैं।

यूएनएससी की बैठक में जेलेंस्की।

बोले- भारत हमारे साथ

जेलेंस्की ने कहा कि भारत हमारे साथ ही है और उम्मीद जताई कि ट्रंप के हस्तक्षेप से नई दिल्ली का रूसी ऊर्जा क्षेत्र के प्रति रवैया बदलेगा। जेलेंस्की एक साक्षात्कार के दौरान रूस से युद्ध में चीन और भारत की भूमिका के बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। जेलेंस्की ने कहा, मुझे लगता है कि भारत मुख्य रूप से हमारे साथ है। हां, ऊर्जा को लेकर कुछ सवाल हैं, लेकिन मुझे लगता है कि ट्रंप यूरोपीय देशों के साथ इसे प्रबंधित कर सकते हैं तथा भारत के साथ अधिक मजबूत और करीबी संबंध बना सकते हैं।

अमेरिका- इजराइल के हमलों ने अंतरराष्ट्रीय विश्वास को पहुंचाया गंभीर नुकसान: ईरान

संयुक्त राष्ट्र। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने इजराइल और अमेरिका के हमलों की आलोचना करते हुए कहा कि इससे अंतरराष्ट्रीय विश्वास और शांति की संभावना को गहरा नुकसान पहुंचा है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। इस साल जून में 12 दिन तक इजराइल–ईरान युद्ध के बाद पहली बार है जब पेजेशकियन ने किसी वैश्विक मंच पर बात रखी है। युद्ध में ईरान के कई शीर्ष सैन्य और असैन्य नेताओं की हत्या कर दी गई थी। अगर तेहरान शनिवार तक यूरोपीय देशों के साथ समझौता नहीं करता है तो उस पर संयुक्त राष्ट्र के कड़े प्रतिबंध लग सकते हैं। हालांकि, न्यूयॉर्क पहुंचने से पहले ही पेजेशकियन की कूटनीतिक कोशिशें उस समय धुंधली पड़ गईं जब देश के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने अमेरिका के साथ किसी भी सीधी परमाणु वार्ता से इनकार कर दिया।

नेपाल: प्रधानमंत्री कार्की राष्ट्रपति से मिलीं, नए मतदाता पंजीकरण से संबंधित अध्यादेश जारी

- **मार्च 2026 में देश में होने हैं आम चुनाव मौजूदा राजनीतिक हालात पर भी चर्चा**

काठमांडू। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने बुधवार को मतदाता पंजीकरण अधिनियम में संशोधन से संबंधित एक अध्यादेश जारी किया जिससे मार्च 2026 के आम चुनाव से पहले नए मतदाताओं के नाम दर्ज करने का रास्ता साफ हो गया।

यह घटनाक्रम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की द्वारा राष्ट्रपति पौडेल से मुलाकात के बाद सामने आया है, जिसमें उन्होंने आम चुनाव समय पर कराने से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। राष्ट्रपति कार्यालय के एक सूत्र के अनुसार, राष्ट्रपति ने मंत्रिपरिषद की सिफारिश के आधार पर नेपाल के संविधान के अनुच्छेद 114 की धारा(1) के अनुसार बुधवार को यह अध्यादेश जारी किया।

मतदाता पंजीकरण अधिनियम, 2073 बिक्रम संवत में संशोधन से पांच मार्च, 2026 को होने वाले आगामी चुनाव के लिए नए मतदाताओं के नाम दर्ज करने का रास्ता साफ हो जाएगा। राष्ट्रपति कार्यालय के करीबी सूत्रों ने बताया, पौडेल के साथ बैठक के दौरान कार्की ने वर्तमान राजनीतिक व सुरक्षा स्थिति, पांच मार्च 2026 को होने वाले प्रतिनिधि सभा चुनाव और देश की सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की।

गाजा पर अमेरिका के अलग रुख की निंदा

संयुक्त राष्ट्र। फ्रांस के नेतृत्व में कई देशों द्वारा फलस्तीन को अलग देश की मान्यता देने के एक दिन बाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने एक बार फिर पश्चिम एशिया में संघर्ष पर अमेरिका के अलग रुख पर गहरा क्षोभ प्रकट किया।

इस संकट पर चर्चा के लिए एक विशेष सत्र में सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने हमास के सात अक्टूबर 2023 के हमले और गाजा में इजराइल के जारी सैन्य हमले पर चिंता व्यक्त की। इन सैन्य हमलों में अब तक हजारों फलस्तीनी मारे गए हैं, विशाल क्षेत्र तबाह हो चुके हैं और लगभग 90 प्रतिशत आबादी विस्थापित हो गई है।

आतंक से फुर्सत मिले तो अर्थव्यवस्था पर ध्यान दे पाकिस्तान

जेनेवा, एजेंसी

भारत ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुए विस्फोट में 24 लोगों की मौत का हवाला देते हुए कहा कि पड़ोसी मुल्क को आतंकवादियों को पनाह देने और अपने ही लोगों पर बमबारी करने के बजाय अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और मानवाधिकार रिकॉर्ड सुधारने पर ध्यान देना चाहिए।

जेनेवा में भारत के स्थाई मिशन के काउंसलर क्षितिज त्यागी ने संयुक्त राष्ट्र में भारत के खिलाफ निराधार बयानबाजी के लिए पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल की आलोचना की। त्यागी ने जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 60वें नियमित सत्र में मंगलवार को कहा, एक प्रतिनिधिमंडल भारत के खिलाफ निराधार और भड़काऊ बयानबाजी करके इस मंच का दुरुपयोग कर रहा है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का जिक्र करते हुए त्यागी ने पाकिस्तान से उसके अवैध कब्जे वाले भारतीय क्षेत्र को खाली करने को कहा। उन्होंने कहा, हमारे क्षेत्र पर गलत नजर डालने के बजाय उन्हें भारत के उस क्षेत्र को खाली करना चाहिए, जिस पर उन्होंने अवैध कब्जा किया हुआ है।

यूएनएचआरसी की बैठक में क्षितिज त्यागी।

- **संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में भारत ने की पाकिस्तान की धुलाई**

खैबर पख्तूनख्वा में हुई घटना का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए त्यागी ने कहा कि पाकिस्तान को आतंकवादियों को पनाह देने और अपने ही लोगों पर बमबारी करने से फुर्सत मिले तो उसे अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और मानवाधिकार रिकॉर्ड सुधारने पर ध्यान देना चाहिए। त्यागी ने कहा, चरमराई हुई अर्थव्यवस्था, सैन्य प्रभुत्व वाली राजनीति और मानवाधिकारों का दागदार रिकॉर्ड। एक दिन जब वे आतंकवाद को बढ़ावा देने, संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित आतंकवादियों को पनाह देने और अपने ही लोगों पर बमबारी करने से फुर्सत पाएंगे, तब शायद इन मुद्दों पर ध्यान दे पाएंगे। खैबर जिले के तिराह घाटी के मतूर दारा इलाके में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों के एक परिसर में सोमवार को बम बनाने की सामग्री से हुए धमाके में 10 लोगों और 14 आतंकवादियों की मौत हो गई।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 25 सितंबर, गुरुवार 2025 संवत–2082, शक संवत 1947 मास–आश्विन, पक्ष–शुक्ल पक्ष, तृतीया 07 .06 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

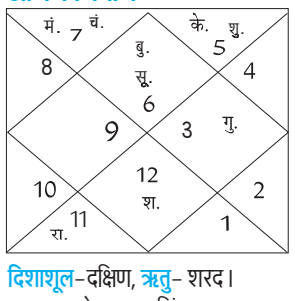

दिशाशूल–दक्षिण, ऋतु– शरद।
चन्द्रबल– मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।
ताराबल– अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र–स्वाती 19 .09 तक तत्पश्चात विशाखा।

मेष – आज दिन की शुरुआत में जो काम उलझे हुए थे, शाम तक उन्हें सुलझाने में सफलता मिलेगी। अपनी जीवनशैली के प्रति लापरवाह न हों। किसी नए व्यवसाय की योजना बना सकते हैं। पारिवारिक सदस्यों के सुझाव से काम करना हितकर होगा।

वृष – आज नौकरी में बदलाव का विचार बना रहे हैं तो सफलता मिल सकती है। दिन का प्रारंभिक भाग तनाव युक्त रहेगा, लेकिन दोपहर के बाद कोई रुका हुआ काम बन सकता है। कुछ लोग आपके अच्छे कार्यों व योगदान की उपेक्षा कर सकते हैं।

मिथुन – आज दूसरों की बातों पर तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें। प्रेमीजन से मतभिन्नता के कारण झगड़ा हो सकता है। सेहत को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। दांपत्य संबंधों में कठिनाई हो सकती है। विद्यार्थियों के मन में परीक्षा को लेकर दबाव हो सकता है।

कर्क – आज प्रतिद्वंदी आपके सामने कमजोर पड़ेंगे। अपच के कारण आपको परेशानी होगी। सरकारी कार्यों में आपको लाभ होगा। कार्यक्षेत्र की आंतरिक व्यवस्था पर काम करेंगे। नए उद्यमों की शुरुआत कर सकते हैं। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा।

सिंह – आज भाग्य आपका साथ देगा। वरिष्ठ सहकर्मी आपका मनोबल बढ़ाएंगे। किसी यात्रा पर जा सकते हैं। समाज में आपका मान–सम्मान बढ़ेगा। आय के नए विकल्प विकसित कर सकते हैं। शेयर मार्केट में बड़ा धन–लाभ होने की संभावना है।

कन्या – आज कानूनी मामलों में आपको बड़ी सफलता मिलेगी। मार्केटिंग संबंधी कार्य लाभकारी सिद्ध होंगे। अचानक बड़े खर्च सामने आ सकते हैं। संतान के माध्यम से आपको बड़ा धन–लाभ हो सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको अत्यधिक मेहनत करनी पड़ेगी।

तुला – आज दिन की शुरुआत नकारात्मक रहने वाली है। दोपहर के बाद धीरे–धीरे आप काफी अच्छा महसूस करेंगे। अपने विचारों में परिवर्तन लाने का प्रयास करेंगे। जीवनसाथी के साथ आप अच्छा समय बिताएंगे।

वृश्चिक – आज व्यवसाय में आय अपेक्षाकृत कम हो सकती है। लंबी दूरी की यात्रा से परेशानी हो सकती है। पारिवारिक जीवन में खुशहाली रहेगी। अपनी महत्वाकांक्षाओं को लेकर दूसरों से अपेक्षा न करें। अपने अहंकारी व्यवहार पर नियंत्रण रखें।

धनु – आज आप कहीं पर्यटन की योजना बना सकते हैं। आत्मचिंतन के माध्यम से अपनी कमियों को दूर करेंगे। अपरिचित लोगों पर अधिक विश्वास न करें। नौकरी में आपकी आय बढ़ सकती है। प्रभावशाली लोगों के साथ आपके संबंध मजबूत होंगे।

मकर – आज व्यापार को लेकर यात्रा करनी पड़ेगी। एसिडिटी की समस्या हो सकती है। रिश्तेदारों से मिलना हो सकता है। निजी जीवन की समस्याओं का निवारण होगा। नया कार्य आरंभ कर सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त होगा।

कुंभ – आज कारोबारियों के लिए दिन बहुत अच्छा है। पुरानी उधारी चुकाने में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे। आपके सभी कार्य समय पर समय पूर्ण हो जाएंगे। प्रेम–संबंधों को लेकर थोड़े भावुक हो सकते हैं।

मीन – आज आपको थोड़ा परेशान होना पड़ सकता है। जीवनसाथी को स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। दूसरों की गलतियां ढूंढने में समय बर्बाद न करें। अपनी योग्यता को सिद्ध करने के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन में अस्थिरता रहेगी।

सुडोकू -110

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	2			3		4		6
				9			1	
		5			8			
7		8		6				2
			7		2	9		
2				4	5			8
			3			5		
	1			7				
6		9		5			2	

सुडोकू - 109 का हल

3	5	8	2	6	4	7	1	9
4	6	1	9	3	7	8	2	5
7	9	2	8	5	1	4	6	3
2	7	9	5	1	8	6	3	4
1	3	5	4	7	6	9	8	2
6	8	4	3	9	2	1	5	7
5	4	3	6	8	9	2	7	1
8	2	7	1	4	3	5	9	6
9	1	6	7	2	5	3	4	8

बैकस्ट्रोक हमेशा से मेरी मुख्य स्पर्धा रही है लेकिन इस साल मैं फ्रीस्टाइल पर अधिक फोकस कर रहा हूं, खासकर 100 और 200 मीटर पर। मैने महसूस किया है कि विशेष प्रशिक्षण के बिना भी फ्रीस्टाइल में मेरी टाइमिंग साल दर साल बेहतर हो रही है। **-श्रीहरि नटराज, तैराक**

स्टेडियम

लखनऊ, गुरुवार, 25 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सेमीफाइनल में भारत का सामना नेपाल से

कोलंबो : ग्रुप चरण में अजेय रहे भारत की बृहस्पतिवार को असली परीक्षा होगी, जब टीम रेसकोर्स इंटरनेशनल स्टेडियम में सैफ अंडर-17 फुटबॉल चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में नेपाल से भिड़ेगी। भारत अब तक सबसे प्रभावशाली टीम रही है। मालदीव (6-0), भूटान (1-0) और चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान (3-2) को हराने के बाद भारत नौ अंक के साथ ग्रुप बी में शीर्ष पर रहा। पाकिस्तान के खिलाफ जीत से मुख्य कोच बिबियानो फर्नांडिस विशेष तौर पर खुश हैं जिन्होंने इस महत्वपूर्ण मुकाबले में अपने खिलाड़ियों के दबाव को झेलने के तरीके की प्रशंसा की।

काउंटी चैंपियनशिप का स्वरूप नहीं बदलेगा

लंदन : पेशेवर काउंटी क्रिकेट क्लबों (पीसीसी) के मतदान के बाद काउंटी चैंपियनशिप का स्वरूप अपरिवर्तित रहेगा। 14 मैचों की बजाय 13 मैचों की काउंटी चैंपियनशिप खेलने का प्रस्ताव, काउंटियों के बीच बहुमत मत प्राप्त करने में विफल रहने के कारण पारित नहीं हो सका। अंतर्राष्ट्रीय, घरेलू और द हंड्रेड मैचों के बीच कार्यक्रम में टकराव के कारण व्यस्त अंग्रेजी गर्मियों के बाद, पेशेवर क्रिकेटर्स एसोसिएशन (पीसीए) के परामर्श से कार्यक्रम और संरचना की काउंटी द्वारा समीक्षा की गई। जुलाई में हुए मतदान के बाद, सफ़ेद गेंद वाली प्रतियोगिताओं की संरचना में संशोधन के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया था।

अभ्यास मैच से होगा न्यूजीलैंड को लाभ

बेंगलुरु : न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज जेस केर ने कहा कि उनकी टीम मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी महिला वनडे विश्व कप के पहले मैच से पहले अपने कौशल को निखारने के लिए यहां होने वाले अभ्यास मैचों पर निर्भर है। न्यूजीलैंड की टीम बृहस्पतिवार और शनिवार को क्रमश: भारत ए और भारत की सीनियर टीम के खिलाफ दो मैच खेलेगी जिसके बाद एक अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से भिड़ने के लिए वह इंदौर रवाना होगी। केर ने ट्रेनिंग सत्र के बाद कहा मुझे लगता है कि यह ज्यादा गेम टाइम की बात है जो हमारे लिए अच्छा है।

ईरानी ट्रॉफी में विदर्भ का नेतृत्व करेंगे अक्षय

मुंबई : विकेटकीपर बल्लेबाज अक्षय वाडकर को एक अक्टूबर से नागपुर में शेष भारत के खिलाफ होने वाले ईरानी कप मुकाबले के लिए बुधवार को रणजी ट्रॉफी चैंपियन विदर्भ का कप्तान नियुक्त किया गया। विदर्भ की नजरें 2017-18 और 2018-19 सत्र के बाद तीसरी बार ईरानी कप जीतने पर टिकी होंगी। शेष भारत ने 29 बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीता है। विदर्भ क्रिकट संघ की सीनियर चयन समिति ने बुधवार को बैठक की और यश राठौड़ को उप कप्तान नियुक्त किया। चयन समिति में सुधीर वानखेड़े, पी. विवेक और जयेश डोंगाओकर शामिल हैं। राठौड़ 2024-25 रणजी ट्रॉफी सत्र के दौरान 960 रन बनाकर सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। वाडकर ने 62 प्रथम श्रेणी मैचों में 48.82 की औसत से 11 शतक सहित 3906 रन बनाए हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ सुपर 4 मैच में भारत के अभिषेक शर्मा शॉट लगाते हुए। एजेंसी

बांग्लादेश को सुपर 4 में हराकर भारत पहुंचा एशिया कप के फाइनल में

अभिषेक शर्मा की शानदार पारी के बाद गेंदबाजों ने किया कमाल

दुबई, एजेंसी

भारत ने सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (75 रन) के लगातार दूसरे अर्धशतक के बाद स्पिनर कुलदीप यादव (तीन विकेट) और वरुण चक्रवर्ती (दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी से बुधवार को यहां एशिया कप सुपर 4 मैच में बांग्लादेश को 41 रन से हराकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

भारत लिए अभिषेक ने 37 गेंद में छह चौके और पांच छक्के जड़ित पारी खेली, लेकिन अन्य बल्लेबाजों के रन नहीं जुटाने से टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 168 रन ही बना सकी। बांग्लादेश के लिए भी सिर्फ सलामी बल्लेबाज सैफ हसन (69 रन, 51 गेंद, तीन चौके, पांच छक्के) ही एक छोर पर टिके रहे, दूसरे छोर पर विकेट गिरने से पूरी टीम 19.3 ओवर में 127 रन पर सिमट गई जबकि भारतीय टीम ने कैच करने के कई मौके गंवाए।

पिछले मैच में श्रीलंका को हराकर बड़ा झटका देने वाली बांग्लादेश के गेंदबाजों ने भारतीय बल्लेबाजों को इस स्कोर पर रोककर अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन लगातार विकेट गिरने से टीम की उम्मीद टूट गई। पर अब बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच बृहस्पतिवार को होने वाला सुपर 4 मैच सेमीफाइनल जैसा ही है जिससे फाइनल में भारत के प्रतिद्वंद्वी का फैसला होगा।

बांग्लादेश के खिलाफ जीत दर्ज करने के बाद जश्न मनाती भारतीय टीम। एजेंसी

अगर बांग्लादेश के बल्लेबाजी प्रदर्शन को देखें तो टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच तीसरा रोमांचक मुकाबला होना लगभग तय लग रहा है। स्पिनर कुलदीप यादव (चार ओवर में 18 रन देकर तीन विकेट) और वरुण चक्रवर्ती (चार ओवर में 29 रन देकर दो विकेट) को समझना बांग्लादेशी बल्लेबाजों के लिए मुश्किल रहा जबकि अक्षर पटेल (चार ओवर में 37 रन देकर एक विकेट) पर चार छक्के जड़े गए। जसप्रीत बुमराह (चार ओवर में 18 रन देकर दो विकेट) का भी दिन अच्छा रहा जिससे वह रविवार को होने वाले फाइनल के लिए तैयार रहेंगे।

सैफ ने अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती जैसे गेंदबाजों पर पांच गगनचुंबी छक्के जड़कर उम्मीद बनाए रखी लेकिन दूसरे छोर पर उन्हें कोई साथ नहीं मिला। अपने स्वप्निल दौर से गुजर रहे अभिषेक शतक की ओर बढ़ते दिख रहे थे लेकिन शॉर्ट थर्ड मैन पर खड़े रिशाद हुसैन के तेज थ्रो से वह रन आउट गए। वहीं दूसरे छोर पर भारतीय बल्लेबाजों ने कुछ खराब शॉट खेले जिसमें शुभमन गिल, तिलक वर्मा और कप्तान सूर्यकुमार यादव शामिल रहे। सूर्यकुमार को कार्यवाहक कप्तान और विकेटकीपर जाकेर अली ने लेग साइड में शानदार कैच आउट किया। टीम प्रबंधन संजू सैमसन को बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष सात में फिट नहीं कर सका।

भारतीय टीम ने जहां पहले 10 ओवरों में 96 रन बनाए तो वहीं अगले 10 ओवर में 72 रन ही बना सके जिसमें अक्षर पटेल (15 गेंद में 10 रन) को सैमसन से ऊपर भेजा गया। बांग्लादेश के लिए तेज गेंदबाज तंजीम हसन साकिब (एक विकेट) और मुस्तफिजुर रहमान (एक विकेट) ने हमेशा की तरह अपनी गति परिवर्तन वाली गेंदों का अच्छा इस्तेमाल किया।

भारत

168/6 (20 ओवर)

अभिषेक शर्मा रन आउट	75
गिल का तंजीम हसन बो रिशाद	29
शिवम दुबे का तौहिद बो रिशाद	02
सूर्यकुमार का जेकर बो मुस्तफिजुर	05
पांड्या का तंजीद बो सैफुद्दीन	38
तिलक वर्मा का सैफ बो तंजीम	05
अक्षर पटेल नाबाद	10

गेंदबाजी : तंजीम हसन साकिब 4-0-29-1, नासुम अहमद 4-0-34-0, मुस्तफिजुर रहमान 4-0-33-1, मोहम्मद सैफुद्दीन 3-0-37-1, रिशाद हुसैन 3-0-27-2, सैफ हसन 2-0-7-0

बांग्लादेश

127/10 (19.3 ओवर)

सैफ हसन का अक्षर बो बुमराह	69
तंजीद हसन का दुबे बो बुमराह	01
परवेज का अभिषेक बो कुलदीप	21
तौहीद का अभिषेक बो पटेल	07
शमीम हुसैन बो वरुण चक्रवर्ती	00
जाकेर अली रन आउट	04
सैफुद्दीन का तिलक बो चक्रवर्ती	04
रिशाद का तिलक बो कुलदीप	02
तंजीम हसन साकिब बो कुलदीप	00
नासुम अहमद नाबाद	04
मुस्तफिजुर का अक्षर बो तिलक	06

गेंदबाजी : हार्दिक पांड्या 2-0-14-0, जसप्रीत बुमराह 4-0-18-2, वरुण चक्रवर्ती 4-0-29-2, कुलदीप यादव 4-0-18-3, अक्षर पटेल 4-0-37-1, शिवम दुबे 1-0-10-0, तिलक वर्मा 0.3-0-1-1

निशानेबाजी का जूनियर विश्व कप आज से

नई दिल्ली : ओलंपियन शॉटगन निशानेबाज रायजा ढिल्लों और एशियाई जूनियर ट्रैप चैंपियन सबीरा हारिस बृहस्पतिवार से यहां शुरू हो रहे आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में 69 सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व करेंगी।

तुगलकाबाद के कर्णी सिंह रेंज में आयोजित होने वाले इस साल के दूसरे और अंतिम जूनियर विश्व कप में भारतीय निशानेबाजों का लक्ष्य घरेलू सरजमीं पर शीर्ष स्थान हासिल करना होगा। अंडर-21 आयु वर्ग के निशानेबाज राइफल, पिस्टल और शॉटगन में 18 देशों के 200 से अधिक निशानेबाजों के खिलाफ अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। ये निशानेबाज 15 ओलंपिक और दो गैर-ओलंपिक स्पर्धाओं में 51 पदकों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। पेरिस ओलंपिक 2024 में भाग लेने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय निशानेबाज रायजा शीर्ष स्कीट निशानेबाजों में से एक हैं और लीमा में 2021 जूनियर विश्व चैंपियनशिप में टीम स्वर्ण पदक जीतने के बाद वह शीर्ष व्यक्तिगत स्थान हासिल करना चाहेंगी।

हार्दिक पांड्या ने टी-20 रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा

दुबई, एजेंसी

- स्पिनर वरुण चक्रवर्ती व बल्लेबाज अभिषेक शर्मा भी अपने-अपने वर्ग में शीर्ष पर

ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या, रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने बुधवार को जारी आईसीसी टी20 रैंकिंग में अपने-अपने वर्ग में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। पिछले हफ्ते दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बने चक्रवर्ती ने 14 रेटिंग अंक के फायदे से शीर्ष पर अपनी स्थिति और मजबूत की। उनके 747 अंक हो गए हैं।

पिछले हफ्ते 11 स्थान की छलांग लगाने वाले पाकिस्तान के अबरार अहमद को नवीनतम रैंकिंग में 12 स्थान का फायदा हुआ है। ऑलराउंडर सूची में शीर्ष पर बरकरार पांड्या गेंदबाजी रैंकिंग में छह स्थान आगे बढ़कर 60वें स्थान पर हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में सलामी बल्लेबाज अभिषेक ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। उन्होंने ओमान के खिलाफ भारत के अंतिम ग्रुप मैच में 38 रन की तेजतर्रार पारी खेलने के अलावा रविवार को पाकिस्तान के 171 रन के स्कोर का पीछा करते हुए 74 रन की मैच विजयी पारी खेली।

हार्दिक, अभिषेक व वरुण चक्रवर्ती।

सिडनी थंडर से जुड़ेंगे अश्विन

सिडनी : अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन बिग बैश लीग के आगामी सत्र में सिडनी थंडर से जुड़ेंगे और इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले भारत के पहले बड़े क्रिकेटर बन जाएंगे। हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले अश्विन ने थंडर को हामी भर दी है। फ्रेंचाइसी इस सप्ताह के अंत में इसकी आधिकारिक घोषणा कर सकती है। अश्विन आईएलटी 20 नीलामी में भी शामिल हुए हैं। चार जनवरी को लीग के खत्म होने के बाद वह थंडर से जुड़ सकते हैं। बिग बैश लीग 14 दिसंबर से 18 जनवरी तक होगी।

चोट के कारण मैच के बीच से हटे प्रणय

दुबई, एजेंसी

सुवोन : एचएस प्रणय का कोरिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अभियान निराशाजनक रूप से समाप्त हुआ जब वह चोट के कारण रिटायर्ड हर्ट हो गए। आयुष शेट्टी और किरण जॉर्ज की हार के साथ इस प्रतियोगिता में बुधवार को मुख्य ड्रॉ के पहले दिन ही भारतीय अभियान समाप्त हो गया।

प्रणय इंडोनेशिया के चिको ऑरा द्वी वार्डोयो के खिलाफ पहले गेम में 5-8 से पीछे चल रहे थे, तब क्रॉस-कोर्ट स्मैश खेलते समय उनकी दाहिनी पसली में चोट लग गई। मेडिकल टाइमआउट लेने के बाद उन्होंने खेल फिर से शुरू किया लेकिन असहज दिखे और 8-16 के स्कोर पर मुकाबले से हटने के लिए मजबूर हो गए। यूएस ओपन सुपर 300 के रूप में मौजूदा सत्र में बीडब्ल्यूएफ खिताब जीतने वाले एकमात्र भारतीय आयुष शेट्टी को चीनी ताइपे के सु ली यांग के खिलाफ 47 मिनट तक चले मुकाबले में 18-21, 18-21 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। किरण जॉर्ज ने सिंगापुर के लोह कीन यू को कड़ी टक्कर दी।

सूर्यकुमार की टिप्पणी पर शाहीन बोले- यह उनका नजरिया

दुबई, एजेंसी

- सूर्यकुमार ने कहा था -भारत और पाक मैचों को अब प्रतिद्वंद्विता नहीं माना जाना चाहिए

पाकिस्तान के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ शाहीन शाह अफरीदी ने सूर्यकुमार यादव के इस बयान पर सीधा जवाब देने से परहेज किया कि भारत के दबदबे के कारण भारत-पाक मैचों को अब प्रतिद्वंद्विता नहीं माना जाना चाहिए।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि उनकी टीम का ध्यान एशिया कप जीतने पर है। बृहस्पतिवार को बांग्लादेश के खिलाफ अपने आखिरी सुपर चार चरण के मैच से पहले प्रेस कांफ्रेंस में शाहीन ने सूर्यकुमार के बयान पर पूछे गए सवालों को टाल दिया।

अफरीदी ने कहा यह उसका अपना विचार है, उसे कहने दीजिए। जब हम (रविवार को संभावित एशिया कप फाइनल में) मिलेंगे तो देखेंगे कि क्या है, क्या नहीं। तब देख लेंगे। हम एशिया कप जीतने आए हैं और इसके लिए हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे। सूर्यकुमार ने कहा था कि किसी प्रतिद्वंद्विता को वास्तविक मानने के लिए नतीजों का अंतर 12-3 नहीं होना चाहिए, जो फिलहाल टी-20 अंतर्राष्ट्रीय

भारत से हारने के बाद टीम का मनोबल नहीं टूटा : हुसैन तलत

अबुधाबी : पाकिस्तान के हरफनमौला हुसैन तलत ने इन अटकलों को खारिज किया है कि भारत से एशिया कप सुपर 4 मैच में हारने के बाद टीम का मनोबल गिरा है। बल्लेबाजी हरफनमौला तलत ने श्रीलंका के खिलाफ पांच विकेट लेकर पाकिस्तान की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस जीत के साथ ही पाकिस्तान की फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बनी हुई है। इसके लिए पाकिस्तान को अब बृहस्पतिवार को बांग्लादेश को हराना होगा। तलत ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा श्रीलंका के खिलाफ मैच से पहले टीम में कोई मायूसी नहीं थी, लेकिन भारत से सुपर 4 का पहला मैच हारने के बाद किसी को अच्छा नहीं लग रहा था।

मुकाबालों में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जीत हार का रिकॉर्ड है।

एचआईएल नीलामी में हेंडरसन सबसे महंगे बिके

नई दिल्ली : वेदांता कलिंगा लांसर्स ने बुधवार को लियाम हेंडरसन की सेवाएं 42 लाख रुपये में हासिल कीं जिससे यह ऑस्ट्रेलियाई डिफेंडर हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की पुरुष मिनी नीलामी में बिकने वाला सबसे महंगा खिलाड़ी बना जबकि युवा भारतीय प्रतिभाओं में विवेक लाकड़ा और अद्रोहित एक्का ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा।

अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों में नीदरलैंड के डिफेंडर सैंडर डी विजन के लिए बोली लगाने की होड़ के बाद तमिलनाडु ड्रैगन्स ने उन्हें 36 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा। जर्मनी के थीस प्रिंज को यूपी रुद्राज का प्रभार संभालने वाली एचआईएल संचालन परिषद ने इतनी ही राशि में खरीदा। भारतीय खिलाड़ियों में युवा गोलकीपर लाकड़ा ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा जिससे उनकी कीमत दो लाख रुपये से बढ़कर 23 लाख रुपये हो गई और आखिर में श्राची रार बंगाल टाइगर्स ने उन्हें अपने साथ जोड़ लिया। मिडफील्डर एक्का को ड्रैगन्स ने 11 लाख रुपये में ख़रीदा।

17 गोल्फरों को कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी

- इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग में खेलने के कारण की गई कार्रवाई

प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमनदीप जोहल ने बुधवार को कहा कि 17 गोल्फरों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इसमें अनुभवी गोल्फर गगनजीत भुल्लर भी शामिल हैं। इसे खिलाड़ियों ने युवराज सिंह के समर्थन वाली इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) में भाग लेने के लिए अस्थायी निलंबन बताया है। इस मामले पर अंतिम फैसला 27 सितंबर को अनुशासनात्मक समिति की बैठक के बाद लिया जाएगा।

ओलंपियन और एशियाई टूर विजेता भुल्लर, अमन राज, हरेंद्र गुप्ता, करणदीप कोचर और सचिन बैसोया भी उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें 17 से 19 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में आईजीपीएल में खेलने के कारण यह नोटिस जारी किया गया है। आईजीपीएल और पीजीटीआई के चेन्नई ओपन की तारीख एक ही थी और यही विवाद का विषय बन गया है।

जोहल ने कहा कि पीजीटीआई को सदस्यों के बाहर के टूर्नामेंट में खेलने पर कोई आपत्ति नहीं है, पर वे उसके कैलेंडर के साथ नहीं पड़ने चाहिए। उन्होंने पीटीआई से बातचीत में कहा अगर इसकी तारीख हमारे कैलेंडर से इतर होती तो कोई बात नहीं थी, आप खेल सकते हो। लेकिन जब हमारे टूर्नामेंट भी समान तारीख में ही हैं तो हम अपने प्रायोजकों से क्या कहेंगे? जोहल ने पीजीए और डीपी वर्ल्ड टूर जैसे अंतर्राष्ट्रीय दौरों से तुलना करते हुए कहा इसलिए हमने कहा, हमारे टूर्नामेंट के दौरान इन टूर्नामेंटों में नहीं खेलें। लेकिन उनका जवाब है कि हम जब चाहें खेलेंगे। कभी पीजीटीआई, कभी आईजीपीएल। लेकिन आप एक ही समय में दो नाव की सवारी नहीं कर सकते।

यह नियम है, अगर आप इसका उल्लंघन करते हैं तो जांच होनी चाहिए। हमने उन्हें अपना दृष्टिकोण समझाने के लिए सुनवाई के लिए बुलाया है और उसके बाद ही हम कोई फैसला लेंगे। आईजीपीएल इसी महीने भारतीय गोल्फ संघ और भारतीय महिला गोल्फ संघ के साथ साझेदारी में शुरू की गई थी। युवराज के नेतृत्व में आईजीपीएल इस साल 11 टूर्नामेंट आयोजित करेगा जिनमें से चंडीगढ़ (10-12 सितंबर) और ग्रेटर नोएडा (17-19 सितंबर) में दो पहले ही आयोजित हो चुके हैं। भुल्लर के करीबी सूत्र ने कहा कि पीजीटीआई का रुख अनुचित है क्योंकि खिलाड़ी किसी भी अनुबंध के अधीन नहीं हैं।

मेरा फोकस अब फ्रीस्टाइल पर अधिक : नटराज

अहमदाबाद : भारत के स्टार बैकस्ट्रोक तैराक श्रीहरि नटराज ने कहा है कि अब उनका फोकस फ्रीस्टाइल पर अधिक है जिसमें बिना विशेष प्रशिक्षण के उन्होंने प्रभावी प्रदर्शन किया है। नटराज 28 सितंबर से 11 अक्टूबर तक यहां होने वाली एशियाई एक्वाटिक चैंपियनशिप में प्रबल दावेदारों में से एक होंगे। उन्होंने कहा बैकस्ट्रोक हमेशा से मेरी मुख्य स्पर्धा रही है, लेकिन इस साल मैं फ्रीस्टाइल पर अधिक फोकस कर रहा हूं, खासकर 100 और 200 मीटर पर।

नटराज ने इस साल एफआईएसयू ग्रीष्मकालीन विश्व यूनिवर्सिटी खेलों में 100 मीटर फ्रीस्टाइल में 49.46 सेकंड का समय निकालकर एशियाई खेलों के पदक विजेता वीरधवल खाड़े का 17 साल पुराना 49.47 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था।

तैयारी शुरू | अतिरिक्त सहयोगी स्टाफ को अनुमति नहीं मिलेगी

एशियाई खेलों के लिए कड़े हुए चयन मानदंड

नई दिल्ली, एजेंसी

खेल मंत्रालय ने 2026 एशियाई खेलों में चयन के लिए कड़े मानदंडों का खुलासा करते हुए कहा कि पदक जीतने के वास्तविक दावेदार खिलाड़ियों को ही मौका मिलेगा और सरकारी खर्चे पर नहीं जाने के बावजूद अतिरिक्त कोचों और सहयोगी स्टाफ को जाने की अनुमति नहीं मिलेगी।

मंत्रालय की वेबसाइट पर बुधवार को डाले गए पांच पन्ने के दस्तावेज में साफ तौर पर कहा गया है कि एशियाई स्तर पर व्यक्तिगत रैंकिंग में शीर्ष छह और टीम खेलों में शीर्ष आठ में रहने वाले खिलाड़ियों को ही राष्ट्रीय महासंघ नामांकित कर सकेंगे। एशियाई खेल जापान के नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक खेले जाएंगे। मंत्रालय ने कहा हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि पदक जीतने के वास्तविक दावेदारों को ही बहु खेल टूर्नामेंटों में भागीदारी के लिए मौका मिले। इसमें कहा गया अगर मंत्रालय या भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को पता चला कि पदक जीतने नहीं बल्कि सिर्फ भागीदारी के लिए कोई जा रहा है तो ऐसे खिलाड़ियों और टीमों को अनुमति नहीं दी जाएगी। इसमें कहा गया सिर्फ वही खिलाड़ी, कोच और सहयोगी स्टाफ भारतीय दल का हिस्सा होंगे जिनका नाम सरकारी खर्च पर जाने के लिए मंजूर किया गया है। इसके अलावा कोई अतिरिक्त खिलाड़ी, कोच या सहयोगी स्टाफ शामिल नहीं होगा भले ही उसका खर्च सरकार को वहन नहीं करना पड़ रहा हो। अक्सर खिलाड़ी अपने निजी कोचों या सहयोगी स्टाफ को अपने खर्च पर ले जाने की मांग करते हैं जिस पर विवाद होता है।

यह चयन मानदंड राष्ट्रमंडल खेल (जुलाई अगस्त 2026), पैरा एशियाई खेल, एशियाई इंडोर खेल, एशियाई बीच खेल, युवा ओलंपिक, एशियाई युवा खेल और राष्ट्रमंडल युवा खेल पर भी लागू होंगे। मंत्रालय ने कहा कि नए दिशानिर्देश एक पारदर्शी और न्यायसंगत ढांचा तैयार करने के उद्देश्य से तैयार किए गए हैं।

चयन का आधार एक साल का प्रदर्शन होगा

चयन का आधार पिछले 12 महीने का प्रदर्शन होगा। नई नीति में ओलंपिक या ऐसे अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट नहीं हैं जिनमे खिलाड़ी या टीम की भागीदारी संबंधित अंतर्राष्ट्रीय महासंघों द्वारा निर्धारित मानकों के आधार पर होती है। बयान में कहा गया राष्ट्रीय खेल महासंघ ऐसे खिलाड़ी का नामांकन कर सकते हैं जिसने अंतर्राष्ट्रीय खेल महासंघ द्वारा उस खेल की स्पर्धा में पिछले 12 महीने में पिछले एशियाई खेलों में छठे स्थान के प्रदर्शन की बराबरी की हो या उससे बेहतर किया हो। चीन के हांगझोउ में पिछले एशियाई खेलों में जो स्पर्धायें नहीं हुई थी, उनके लिये चयन आगामी एशियाई खेलों से बारह महीने के भीतर सीनियर एशियाई चैम्पियनशिप में शीर्ष छह में रहने के आधार पर होगा।